



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 8, 1978/आषाढ़ 17, 1900

No. 27]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 8, 1978/ASADHA 17, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)  
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम  
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the  
Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central  
Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 जून, 1978

सां०कां०नि० 872 :—भारत सरकार कम्पनी कार्य विभाग अधिसूचना संख्या सां०कां०नि० 443 (ई) दिनांक 18 अक्टूबर, 1972 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना संख्या सां०कां०नि० 3216 दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 (जिसके प्रागे अधिसूचना कहा गया है) कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा निर्देश करती है। कानूनात् गोप्य लिमिटेड (जिसके प्रागे कम्पनी कहा गया है) के मामले में विदेशी कम्पनी होने के कारण धारा 594 की उपधारा (1) के बाध्य (क) की आवश्यकताएं जिन्हें विदेशी कम्पनियों के मामले में अधिसूचना द्वारा संशोधित किया गया है निम्नलिखित और संशोधनों और अपवादों के अर्थात् लागू होंगी अर्थात् :—

उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के बाध्य (क) का यह पर्याप्त अनुपालन मान लिया जायेगा यदि 31 मार्च, 1977 और 1978 की अन्त

होंने वह निवृत्तीय वर्ष के बारे में कम्पनी उचित कम्पनी रजिस्ट्रार को भारत में निम्न चीजों की तीन प्रतियां देती है :—

(1) गुप्तपत्र और लाभ हानि खाते की प्रमाणित प्रति (प्रत्येक सहायक कम्पनी में संबंधित कागजातों समेत) जिसे वह अपने पंजीकरण के देश में उस देश के कानून के अनुसार निर्धारित अधिकारी को देती है।

(2) भारतीय शाखा की पावनियों और खर्चों के बारे में एक विवरण पत्र जिसे (1) कम्पनी के दो निदेशकों द्वारा (2) भारत में अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के बाध्य (घ) के अन्तर्गत पत्र प्राप्त करने के लिये अधिकृत व्यक्ति द्वारा और (3) भारत के एक चार्टर्ड एकाउण्टेंट द्वारा प्रमाणित किया गया हो।

(3) कम्पनी की परिसम्पत्तियों और देवताओं का एक विवरण पत्र जिसे उपर (ii) में कहे गये तरीके से प्रमाणित किया गया हो; और

(4) एक प्रमाण-पत्र जिस पर उपर (ii) में कहे गये लोगों के हस्ताक्षर हो और जिसमें यह कहा गया हो कि कम्पनी ने 31-3-77 और 31-3-78 को समाप्त हुए वर्ष में भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड की आज्ञा द्वारा

[सं० 14/26/77-सी०एल० 6]

वेद प्रकाश उपाध्याय, अवर सचिव (क० वि० बो०)

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 1st June, 1978

**G.S.R. 872.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the "Notification") the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Kanematsu Goshu Ltd. (hereinafter referred to as "the Company") being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modification, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ending the 31st March, 1977, 1978 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (i) Copy of the authenticated Balance Sheet and Profit and Loss Account (including documents relating to every subsidiary of the company) as submitted by it to the prescribed authority in the country of its incorporation under the provisions of the law in that country.
- (ii) Statement of receipts and disbursements made by the Indian branch certified by (1) two directors of the company (2) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (3) a Chartered Accountant of India.
- (iii) Statement of company's assets and liabilities in India, certified in the manner as indicated in item (ii) above; and
- (iv) Certificate duly signed by the persons as indicated in item (ii) above that the company did not carry on any business in India during the years ended 31-3-77 and 31-3-1978.

By order of the Company Law Board,

[No. 14/26/77-CL VII]

VED PRAQASH UPPAL, Under Secy (C. L. B.)

सई दिल्ली, 22 जून, 1978

**सां.कां.वि० 873.**—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी एन.व.द्वारा कम्पनी विधि प्रशासन (वर्ग 1, 2 और 3 पद) नियुक्ति नियम, 1962 आगे संशोधन करने हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामणः

1. (i) ये नियम कम्पनी विधि प्रशासन (वर्ग 1, 2 और 3 पद) नियुक्ति (संशोधन) नियम, 1978 कहें जायें।
- (ii) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रशासन की तारीख में लागू होंगे।

2. कम्पनी विधि प्रशासन विभाग (वर्ग 1, 2 और 3 पद) नियुक्ति नियम, 1962 में

- (1) वर्ग 1, 2 और 3 शब्दों और प्रावकों के लिये "वर्ग 1" "वर्ग 2" और "वर्ग 3" जहाँ कहीं भी आते हैं वही, "समूह क, ख और ग" समूहों के लिये क्रमशः "समूह क", "समूह ख" और "समूह ग" समाविष्ट किये जायेंगे।

- (2) कागज 10 में, कम्पनी अभियोजक ग्रेड 2 के पद के सम्बन्ध में 3 के विरुद्ध अनुसूची में निम्नलिखित प्रविष्टि के लिये जोड़ा जायेगा, नामणः

"75 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा और 25 प्रतिशत प्रत्यक्ष नियुक्ति द्वारा।"

[संख्या ए०-12015/50/77-प्रशासन-2]

एम० के० अग्रवाल, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd January, 1978

**G.S.R. 873.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Company Law Administration (Classes I, II and III Posts) Recruitment Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Company Law Administration (Classes I, II and III Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Company Law Administration (Classes I, II and III Posts) Recruitment Rules, 1962,

- (i) for the words and figures "Class I, II and III", "Class I", "Class II" and "Class III" wherever they occur, the words and letters "Groups A, B and C", "Group A", "Group B" and "Group C" shall be respectively be substituted;

- (ii) in the Schedule against item No 3 relating to the post of Company Prosecutor Grade II, in column 10 for the existing entry, the following entry shall be substituted namely :—

"75 per cent by promotion and 25 per cent by direct recruitment".

[No. A-42015/50/77-Adm. III]

S. K. AGGARWAL, Under Secy.

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1978

## सीमा शुल्क

**सां.कां.वि० 874.**—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं० 84.66(i) की मद (घ) की उपमद (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, देश के आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 269-सीमा-शुल्क तारीख 2 अगस्त, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं० (3) और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

"(4) भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली-I (आई०एन०एस०ए०टी०-I) की परियोजना।"

[ सं० 129/फा०सं० 355/82/78-सी०शु० 1 ]

एम० अग्रवाल, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 8th July, 1978

## CUSTOMS

**G.S.R. 874.**—In exercise of the powers conferred by sub-item (6) of item (d) of Heading No. 84 66(i) of the First Schedule to the Customs-Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government having regard to the economic development of the country, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Department of Revenue and Banking No. 269-Customs dated the 2nd August, 1976, namely :—

In the said notification after Serial No. (3) and the entries relating thereto the following shall be inserted, namely :—

“(4) Project for the Indian National Satellite System-I (INSAT-I)”.

[No. 129/F. No. 335/82/78-Cus. II]

M. JAYARAMAN, Under Secy

## केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सां.कां.निं. 875.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं. 68 के अन्तर्गत आने वाली, और “भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली-1 (आई एनएसएस-टी-1) की परियोजना” के स्थान पर लगाने के लिए आणवित वस्तुओं को उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क में छूट देती है।

[सं. 138/78-के.उ.शुं/फा.सं. 355/82/78-सी.शुं.1]

जी. के. पिल्लई, अवर सचिव

## CENTRAL EXCISES

**G.S.R. 875.**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 the Central Government hereby exempts goods falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and intended for installation at the site of the, “Project for the Indian National Satellite System-I (INSAT-I)” from the whole of the duty of excise leviable thereon.

[No. 138/78-CE/F. No. 355/82/78-Cus. I]

G. K. PILLAI, Under Secy.

## (व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 21 जून, 1978

सां.कां.निं. 876.—सर्विधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक तथा अनुच्छेद 138 के खण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारतीय लेखा-परीक्षा तथा लेखा विभाग में काम कर रहे कर्मचारियों के संबंध में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, राष्ट्रपति मूल नियमों में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम मूल (नियम संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रभावी होंगे।

2 मूल नियमों के नियम 107 की धारा (ग) में—

(क) उपधारा (1) में “जहां कार्यभारग्रहणकाल, नियम 105 के खण्ड (ग) के अधीन मंजूर किया जाता है” शब्दों, कोष्ठकों, अक्षर तथा अक्षरों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“जहां कार्यभारग्रहणकाल नियम 105 के खंड (ग) के उपखंड (i) और (ii) के अधीन मंजूर किए जाता है।”

(ख) उपधारा (ii) में, “जहां कार्यभारग्रहणकाल नियम 105 के खण्ड (ग) के उपखण्ड (ii) के अधीन मंजूर किया जाता है” शब्दों, कोष्ठकों, अक्षर तथा अक्षरों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“जहां कार्यभारग्रहणकाल नियम 105 के खंड (घ) के उपखंड (ii) अथवा खंड (ग) के उपखण्ड (iii) के अधीन मंजूर किया जाता है।”

[संख्या 19040/1/संस्था-IV(ख)/78]

एस.एस. परहार, अवर सचिव

## (Department of Expenditure)

New Delhi, the 21st June, 1978

**G.S.R. 876.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller & Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Fundamental Rules, namely :

1. (1) These rules may be called the Fundamental (Third Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In clause (c) of rule 107 of the Fundamental Rules,—

(a) in sub-clause (i) for the words, brackets, letter and figures “where joining time is granted under clause (c) of rule 105”, the following shall be substituted, namely :—

“where joining time is granted under sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of rule 105”.

(b) in sub-clause (ii), for the words, brackets, letter and figures “where joining time is granted under sub-clause (ii) of clause (d) of rule 105” the following shall be substituted, namely :—

“where joining time is granted under sub-clause (iii) of clause (c), or sub-clause (ii) of clause (d) of rule 105”.

[No. 19040/1/E. IV(B)/78]

S. S. PARHAR, Under Secy.

## विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जून, 1978

सां.कां.निं. 877.—सर्विधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारतीय विदेश सेवा शाखा ‘ख’ (भर्ती, स्वर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमों, 1964 को और आगे संशोधन करने के लिये कनिष्ठ द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, यथा :—

1. (1) ये नियम भारतीय विदेश सेवा शाखा ‘ख’ (भर्ती, स्वर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) संशोधन नियम, 1978 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन के दिन से लागू हो जायेंगे।

2. भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ब' (भर्ती, गंवर्ग, वर्गिष्ठता और पदोन्नति) नियम 1964 में नियम 12 के उप-नियम (3) के द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित का रखा जायेगा, यथा :—

“यह भी व्यवस्था की जाती है कि यदि सामान्य संवर्ग के एकीकृत ग्रेड II और III में नियुक्त कोई व्यक्ति उप-नियम (1) के प्रावधानों के अनुसार सामान्य संवर्ग के ग्रेड 1 में पदोन्नति के योग्य समझा जाये तो उस ग्रेड में उसमें वर्गिष्ठ सभी व्यक्तियों, जिन्होंने कम से कम पांच वर्ष की अनुमोदित सेवा की हो, के मामलों पर भी विचार किया जायेगा अतः ही उन्होंने उस ग्रेड में आठ वर्ष की अनुमोदित सेवा पूरी न की हो; लेकिन उपर्युक्त पांच वर्ष की अनुमोदित सेवावधि की शर्त अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति पर लागू नहीं होगी।”

[संख्या 113/सी०ए०डी०/78]

इशरत अजीज, निदेशक

#### MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 13th June, 1978

G.S.R. 877.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the

Indian Foreign Service Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Foreign Service Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Foreign Service Branch 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, in sub-rule (3) of rule 12 for the second proviso, the following shall be substituted, namely :—

“Provided further that if any person appointed to the Integrated Grades II & III of the General Cadre is considered for promotion to Grade I of the General Cadre in accordance with the provisions of sub-rule (1), all persons senior to him in that Grade who have rendered not less than five years of approved service shall also be considered notwithstanding that they may not have rendered eight years of approved service in that Grade provided that the aforesaid condition of five years of approved service shall not apply to a person belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes”.

[No. 113/CAD/78]

ISHRAT AZIZ, Director

#### उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 17 जून, 1978

सा०का० नि० 878:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और ज्येष्ठ आर्थिक अन्वेषक (आणिष्य और उद्योग मंत्रालय) भर्ती नियम, 1962 को अधिकांश करते हुए, औद्योगिक विकास विभाग में ज्येष्ठ अन्वेषक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाये हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम औद्योगिक विकास विभाग (ज्येष्ठ अन्वेषक) भर्ती नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों में उल्लेख अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अन्य अर्हताये आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताये और उसमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताये:—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो उसका पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन प्रयुक्त है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, बल्कि वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें देखकर तब तथा सच लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करता प्रेषित है।

## अनुसूची

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में ज्येष्ठ अन्वेषक के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हतायें आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ अन्वेषक	16	साधारण केन्द्रीय सेवा, गमूह 'ख', प्रराज-पक्षित	550-25-750-४० रॉ०-30-900 रु०	चयन	30 वर्ष से अनाधिक (सरकारी सेवाओं के नियमों के अन्तर्गत की जा सकेगी) टिप्पण :—आयु-सीमा अधिधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्तर्गत और निकोबार द्वीप गमूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से प्रवेशास्त्र या वाणिज्य में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की या समतुल्य अर्हताएँ डिग्री या समतुल्य। (2) आर्थिक अनुसंधान/अन्वेषण का अनुभव। (अर्हतायें अन्यथा सुधारित अभ्यर्थियों की वृत्ता में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार निर्धारित की जा सकती हैं)। वांछनीय :— भारत के विदेश व्यापार और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अनुसंधान का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित आयु और शैक्षिक अर्हतायें प्रोक्तों की वृत्ता में लागू होंगी या नहीं।	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोन्नति सम्मति है तो उसकी संरक्षण।	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
8	9	10	11	12	13

नहीं	दो वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके तहत होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण आ और दोमो के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा,	प्रोन्नति :— कनिष्ठ अन्वेषक, जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो।	समूह-ख—विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्नलिखित लोग— संयुक्त सचिव—अध्यक्ष उपसचिव—सदस्य	सीधे भर्ती करने समय सब लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।
		23 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिनके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 25 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रिय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी जो सदृश पद धारण करते हों या जिनकी 125-700 रु० या समतुल्य बेतनमान के पदों पर 5 वर्ष की सेवा हो और जिनके पास सीधी भर्ती वालों के लिये अधिकृत अर्हतायें और अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	(अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने के लिये) उपसचिव (सहकारिता)—सदस्य अवर सचिव (प्रशासन)—सदस्य सचिव	

**MINISTRY OF INDUSTRY****(Department of Industrial Development)**

New Delhi, the 17th June, 1978

**G.S.R. 878.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Senior Economic Investigator (Ministry of Commerce and Industry) Recruitment Rules, 1962, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Investigator in the Department of Industrial Development, namely :—

1. Short Title and Commencement.—(1) These rules may be called the Department of Industrial Development (Senior Investigators) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of Post, Classification and Scale of Pay.—The number, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, Age Limit, Other Qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**SCHEDULE**

Recruitment Rules for the Post of Senior Investigator in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development)

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Investigator	16	General Central Service Group 'B' Non gazetted.	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) At least Second Class Master's or equivalent Honours Degree in Economics or Commerce of a recognised University or equivalent. (ii) Experience of economic research/investigations. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified) Desirable : Experience of research in the field of India's foreign trade and industrial development.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No	2 years	50% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment, 25% by transfer on deputation failing which by direct recruitment and 25% by direct recruitment.	Promotion : Junior Investigator with 3 years' service in the grade rendered after appointment there to on a regular basis. Transfer on deputation : Officers under the Central Government holding analogous posts or with 5 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years.)	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of- Joint Secretary (Admn.) -Chairman Deputy Secretary --Member to represent (SC/ST). Deputy Secretary (Vigilance)- Member Under Secretary (Administration)--Member Secretary	Consultation with Union Public Service Commission will be necessary while making direct recruitment.

[F. No. A 12018(3)/72-E. II]

C.N. SUBRAMANIAN, Under Secy.

**स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय****(स्वास्थ्य विभाग)**

नई दिल्ली, 24 जून, 1978

सांकांनि० 879-— भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 32 के साथ पठित धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय चिकित्सा परिषद् (लाइसेंसिंग का चुनाव) नियमावली, 1965 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1 (क) इन नियमों का नाम भारतीय चिकित्सा परिषद् (लाइसेंसिंग का चुनाव) संशोधन नियमावली, 1978 है।

(ख) ये सरकार के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2 भारतीय चिकित्सा परिषद् (लाइसेंसिंग का चुनाव) नियमावली, 1965 में फार्म 2 में "मत पत्र" शीर्षक के नीचे लिखे "क्रम संख्या" शब्दों को निकाल दिया जाये।

[सं० बी०-11013/3/76-एम०पी०टी०/एम०ई०(पी०)]

आर०बी० श्रीनिवासन, उप-सचिव

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE****(Department of Health)**

New Delhi, the 24th June, 1978

**G.S.R. 879.**—In exercise of the powers conferred by section 4 read with section 32 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby

makes the following rules to amend the Indian Medical Council (Election of Licentiate) Rules, 1965, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Indian Medical Council (Election of Licentiate) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Medical Council (Election of Licentiate) Rules, 1965, in form II the words "Serial No." occurring below the heading "VOTING PAPER", shall be omitted.

[No. V. 11013/3/76-MPT/ME(P)]

R. V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 26th June, 1978

**CORRIGENDUM**

**G.S.R. 880.**—In the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. GSR 1546 dated the 25th October, 1977 published at page 3173-3175 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (i) dated 12-11-1977, at page 3173-3175, in column 13 of the Schedule, omit the word 'on'.

[No. A. 12025(i)/1/77-MS]

H. S. DHAKAALIA Under Secy.

## कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 जून, 1978

सा.का.वि. 881.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुब द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य तथा पोषाहार बोर्ड (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1975 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम खाद्य तथा पोषाहार बोर्ड (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य तथा पोषाहार बोर्ड (बर्ग 3 और बर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1975 में :

(1) "बर्ग 3 और बर्ग 4 पद", "बर्ग 3" और "बर्ग 4" शब्दों और अंकों के स्थान पर, जहाँ कहीं भी वे आते हैं, क्रमशः "समूह ग और समूह ब पद", "समूह ग" और "समूह ब" शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

(2) सूची में, सफाईकर्म के पद में संबंधित मद संख्या 15 के सामने स्मृति 2 में, प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :  
"सफाईवाला"

[फा.सं. 1/8/76-एफ.एन.बी. 1]

टी. आर. परमेश्वरन, उप सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE &amp; IRRIGATION

(Department of Food)

New Delhi, the 23rd June, 1978

G.S.R. 881.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Food and Nutrition Board (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Food and Nutrition Board (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Food and Nutrition Board (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1975,—

(i) for the words and figures "Class III and Class IV Posts" "Class III" and "Class IV" wherever they occur, the words and letters "Group C and Group D Posts," "Group C" and "Group D" shall respectively be substituted ;

(ii) in the Schedule, against item No. 15 relating to the post of Sweeper, in column 1, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—  
"Safaiwala".

[F. No. 1/8/76-FNB-I]

T. R. PARMESHWARAN, Dy. Secy.

## शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जून, 1978

सा.का.वि. 882.—संविधान की धारा 309 के उपबन्धों में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद पर भर्ती की प्रणाली का नियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. लघु शीर्ष तथा आरंभ :—(1) इन नियमों को प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय सहायक निदेशक (प्रकाशन) भर्ती नियम, 1978 कहा जाए।

(2) सरकारी राजपत्र के छपने की तारीख से ये नियम लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा इससे सम्बंधित वेतनमान उक्त अनुसूची के कालम 2 से 4 के अनुसार होंगे।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा तथा योग्यताएं आदि :—उक्त पद के लिए भर्ती की प्रणाली आयु सीमा, योग्यताएं तथा अन्य संबंधित विषय उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 के अनुसार होंगे।

4. अयोग्यताएं :—कोई भी व्यक्ति—

(क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह का अनुबंध करता है, जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा

(ख) जो पत्नी अथवा पति के रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का अनुबंध करता है अथवा विवाह करता है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

बशर्त कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति और दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह हो सकता है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

5. छूट देने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा उचित है, तो लिखित रूप से कारणों को दर्ज करते हुए तथा सब लोक सेवा आयोग के परामर्श से वह आदेश द्वारा किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत दे सकती है।

6. प्रतिबंध :—इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा संबंध-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य वर्ग के व्यक्तियों को दिए जाने वाले आरक्षणों तथा अन्य रियायतों में से कोई भी प्रभावित नहीं होगा।



## अनुसूची

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या न्यूनतम पद है अथवा गैर-न्यूनतम पद है	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु-सीमा	सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
सहायक निदेशक (प्रकाशन)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप "क" राजपत्रित	700-40-900-ब। रो०-1100-50- 1300 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट) टिप्पणी: भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा निर्धारण करने की निर्णायक तिथि आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि होगी। प्रचलित तथा निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप के संघ शासित क्षेत्रों को छोड़कर।	अभ्यर्थी: (1) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों की कम से कम द्वितीय श्रेणी में एम०ए० की डिग्री अथवा इसके बराबर योग्यता तथा डिग्री स्तर पर प्रत्येकी एक विषय के रूप में। (2) विशेष रूप से किसी सरकारी विभाग, सार्वजनिक संस्थान अथवा निजी संस्थान में शैक्षिक पत्रिकाओं अथवा विभिन्नधर्मों से संबंधित प्रेस कार्य सहित प्रकाशनों के तैयार करने तथा मुद्रण का 5 वर्ष का अनुभव। नोट: अन्यथा अच्छी प्रकार से योग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर योग्यताओं में छूट दी जा सकती है। 2. यदि न्यूनतम की किसी भी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग का यह मत हो कि अपेक्षित अनुभव रखने वाले अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए उपलब्ध होने की संभावना न हो, तो संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर उनके लिए अनुभव के संबंध में छूट दी जा सकती है।
क्या सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक योग्यताएं पदोन्नति के विषय में लागू होंगी	परन्तु अवधि यदि कोई हो	भर्ती का तरीका भर्ती द्वारा, या पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरे जाने वाले रिक्तस्थानों की प्रतिशतता	क्या सीधी भर्ती द्वारा, या पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानांतरण द्वारा होनी हो तो पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानांतरण किसी ग्रेड में किया जाएगा	यदि भर्ती पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानांतरण द्वारा होनी हो तो पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति अथवा स्थानांतरण किसी ग्रेड में किया जाएगा	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसका गठन क्या है।	किन परिस्थितियों में भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	न्यूनतम संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा	

[सं० एफ० 8-23/77 ए०ई०-1]

## MINISTRY OF EDUCATION &amp; SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 24th June, 1978

**G.S.R. 882.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Director (Publication) in the Directorate of Adult Education, New Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Adult Education, Assistant Director (Publication) Recruitment Rules 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

## 4. Disqualifications.—No person—

- (a) who, has entered into or contracted a marriage with any person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Assistant Director (Publication) in the Directorate of Adult Education in the Ministry of Education & Social Welfare (Department of Education)

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Assistant Director (Publication)	1	General Central Service Group A Gazetted.	Rs. 700-40-900-EB-1100-50-1300	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential : (i) At least Second Class Master's degree of a recognised University or equivalent with English literature as one of the subjects at the degree level. (ii) 5 years' experience in preparation and production of publications including press work particularly relating to educational journals or reports or monographs in a Government Department, Public Undertaking or private institution. Note 1: qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates otherwise well qualified. Note 2: The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes if at any stage of selection, the Union

1	2	3	4	5	6	7
						Public Service Commission is of opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Knowledge of educational developments in the country with reference to non-formal education.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	

[No. F. 8-23/77-AE. I]

M. C. DUBEY, Asstt. Educational Adviser.

**नौबहन और परिवहन मंत्रालय**

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 20 जून, 1978

सा० का० नि० 883.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कतिपय नियम बनाने की प्रस्थापना करती है और इन नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उक्त धारा की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजपत्र में उसके प्रकाशित होने की तारीख से 50 दिन का अवसर है जाने पर विचार किया जाएगा।

ऐसी किसी भी आपत्ति या सुझाव पर जो उक्त प्रारूप के संबंध में उक्त अधिनियम के अधिनियम से पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

**नियमों का प्रारूप****अध्याय I**

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम परादीप पत्तन बंदरगाह यान सक्षमता प्रमाणपत्र नियम, 1978 है।

(2) ये.....को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) 'प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र' से इन नियमों के अधीन किसी व्यक्ति को किसी आकलित अश्व-शक्ति के इंजनों वाले वाष्प

जलयान का या पत्तन में चलने वाले किसी ब्रेक अश्व-शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान का मास्टर होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(ख) 'प्रारूप' से इन नियमों से उपाबद्ध प्रारूप अभिप्रेत है,

(ग) 'पत्तन' से परादीप पत्तन अभिप्रेत है,

(घ) 'द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र' से इन आदेशों के अधीन किसी व्यक्ति को 100 आकलित अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान का या पत्तन में चलने वाले 565 ब्रेक अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान का मास्टर होने के लिए अनुदत्त किया गया सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(ङ) 'वारंग प्रमाणपत्र' से इन आदेशों के अधीन वाणीय अश्व-शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान का या पत्तन में चलने वाले दो से छब्बीस ब्रेक-अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान का मास्टर होने के लिए अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(च) 'पोत परिवहन अधिनियम' से वाणिज्यिक पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) का अभिप्रेत है,

(छ) 'वाष्प जलयान अधिनियम' से अंतर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 14) अभिप्रेत है,

(ज) 'वस्ती परीक्षण' और 'अक्षर परीक्षण' से रूप और रंग के संबंध में अभ्यर्थी का दृष्टि-परीक्षण अभिप्रेत है।

**अध्याय II****मास्टरों और सारंगों की सक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान**

3. प्रमाणपत्र का जारी किया जाना:—(क) सक्षमता प्रमाणपत्रों का उन व्यक्तियों को अनुदान किया जाएगा जो अपेक्षित परीक्षा उत्तीर्ण करें और अन्यथा अपेक्षित शर्तों का पालन करें।

(ख) इस प्रयोजन के लिए पत्तन पर या कलकत्ता में कालिकतः परीक्षाएं लेने के लिए इन्तजाम किए जाएंगे।

4. परीक्षाएं:—परीक्षा प्रधान अधिकारी:—वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला के द्वारा, यदि वह नाविक अधिकारी है या इस निमित्त उसके द्वारा नियुक्त नाविक सर्वेक्षक द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् परीक्षक के रूप में निश्चित किया गया है) ली जाएगी और परीक्षाएं वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता द्वारा अधिसूचित तारीखों और समयों पर ली जाएंगी।

5. परीक्षा के लिए उपयुक्तता:—(क) परीक्षा के लिए अभ्यर्थी अपने आवेदन समुचित प्ररूप 1 में करेंगे जोकि परीक्षक के सामने या ऐसे पदाधिकारी के सामने, जो उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए, भरा जाएगा, उचित रूप से भरे प्ररूप अभ्यर्थियों के प्रशंसा-पत्रों और सेवा-मुक्ति पत्रों सहित परीक्षा के पूर्व सात दिनों के भीतर परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

6. शंसा-पत्र आदि:—(क) चरित्र, संयतता, अनुभव, योग्यता और बोर्ड फलक पर अच्छे आचरण के लिए शंसा-पत्र जो परीक्षा किए जाने वाले आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती सेवा किए गए कम से कम 12 मास के लिए हो, सभी आवेदकों से अपेक्षित होंगे।

(ख) ऐसे आवेदकों से जिन्होंने बोर्ड फलक पर पिछले बारह मास के भीतर सेवा नहीं की है, यह अपेक्षा की जाएगी कि वे उप-नियम (क) में निदिष्ट शंसा-पत्रों के अतिरिक्त अपने नियोजकों से उसी प्रकार के प्रमाणपत्र या यदि वे नियोजित न हों तो किसी सम्मानित गृह स्वामी से प्रमाणपत्र, पेश करें।

(ग) किसी भी अभ्यर्थी को सब तक परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने समुद्र के या अंतर्वेशीय जल के बोर्ड फलक पर पिछले छह वर्षों के भीतर दो वर्ष तक और पिछले तीन वर्षों के भीतर ऐसे छह मास तक, जो परीक्षा लिए जाने वाले उसके आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती हो, सेवा न की हो।

7. कतिपय शंसा-पत्रों का सबूत:—(क) ऐसे विदेशियों की सेवा के शंसा-पत्रों की, जो विदेशी जलयामों में सेवा कर रहे हैं, जिनका सत्यापन परीक्षक द्वारा नहीं किया जा सकता है, या तो उस देश के कौंसल द्वारा, जिससे वह यान, जिसमें अभ्यर्थी ने सेवा की थी, संबंधित है, या उस देश के किसी अन्य मान्यताप्राप्त सरकारी प्राधिकारी द्वारा या उसी स्थान पर किसी ऐसे निवासनीय व्यक्ति के प्रमाणद्वारा, जिसे सिद्ध किए जाने के लिए अपेक्षित तथ्यों की व्यक्तिगत जानकारी हो, पुष्टि की जाएगी।

(ख) तथापि ऐसे सबूतों का पेश किया जाना अनिवार्य रूप से पर्याप्त नहीं समझा जाएगा।

(ग) प्रत्येक मामले का विनिश्चय उसके अपने गुणगुण पर किया जाएगा और यदि दिए गए सबूतों की पर्याप्तता संवेहपूर्ण प्रतीत होती है तो उस मुद्दे को केन्द्रीय सरकार को निदिष्ट किया जाएगा।

8. अधिप्रमाणित किए जाने वाला शंसापत्र:—(क) अभ्यर्थियों की सेवा के शंसापत्र सामान्यतया उनके नियोजकों के कार्यालय अभिलेखों पर आधारित होंगे।

(ख) धावाकृत ऐसी सेवा जिसका सत्यापन नियोजक के कार्यालय अभिलेखों से नहीं किया जा सकता, ऐसे व्यक्तियों के शपथपत्रों द्वारा जिनके अधीन ऐसी सेवाएं की गई हैं और अभ्यर्थी के स्वयं के शपथपत्र द्वारा भी अधिप्रमाणित की जाएगी।

9. आयु:—यदि किसी अभ्यर्थी की आयु के बारे में कोई संदेह हो तो उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह परीक्षक के समाधानप्रथम रूप में जन्म प्रमाणपत्र या आयु का अन्य दस्तावेजी सबूत पेश करें।

10. विदेशियों के लिए कतिपय भाषाओं का जानना:—विदेशी परीक्षक के समाधानप्रथम रूप में साबित करेंगे कि वे अंग्रेजी भाषा बोल और लिख सकते हैं और हिन्दुस्तानी या कोई ऐसी स्थानीय भाषा जो भारतीय जलयान के फलक पर उनसे अपेक्षित कर्तव्यों का पालन करने के लिए आवश्यक हो, पर्याप्त रूप से अच्छी तरह बोल सकते हैं।

11. दृष्टि परीक्षण:—1. (क) सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी उसको प्रमाणपत्र जारी किए जाने के पूर्व दृष्टि परीक्षण को उत्तीर्ण करेगा।

(ख) दृष्टि परीक्षण कराने के लिए इच्छुक कोई व्यक्ति परीक्षक को प्रारूप 2 में आवेदन करेगा और प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला को चार रुपए की फीस का संदाय करेगा।

2. (क) अक्षर परीक्षण: प्रमाणपत्र के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण कराएगा।

(ख) बत्ती परीक्षण: प्रत्येक अभ्यर्थी ऐसे प्रत्येक अवसर पर जब वह अपने प्रथम सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिए उपस्थित होता है, बत्ती परीक्षण कराएगा, किन्तु यदि वह उस समय उत्तीर्ण हो जाता है तो उससे पश्चात्पूर्वी किसी अवसर पर बत्ती परीक्षण कराने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

12. (क) परीक्षा में उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण होना:—यदि अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण में उत्तीर्ण हो जाता है तो वह बत्ती परीक्षण के लिए जाएगा जब तक कि उसके पास सक्षमता प्रमाणपत्र न हो, किन्तु यदि वह अक्षर परीक्षण में उत्तीर्ण हो जाता है, तो वह:—

(i) बत्ती परीक्षण के लिए जा सकेगा, जिस दशा में दोनों परीक्षणों के परिणाम का यह विनिश्चय करने में ध्यान रखा जाएगा कि उसे उत्तीर्ण किया जाना है या नहीं;

(ii) परीक्षा देने से एक जाएगा और तीन मास से अन्यून में पुनः परीक्षा के लिए उपस्थित होगा।

(ख) (i) यदि अभ्यर्थी अक्षर परीक्षण उत्तीर्ण करने के पश्चात् बत्ती परीक्षण में भी उत्तीर्ण हो जाता है तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

(ii) यदि बत्ती परीक्षण का परिणाम अनिश्चयात्मक है या यदि अभ्यर्थी इसमें अक्षर परीक्षण में अनुत्तीर्ण होने के पश्चात् उत्तीर्ण हो जाता है तो उसका मामला वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता द्वारा बिलित प्रारूप में प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला को भेज दिया जाएगा, जो विनिश्चय करेगा कि वह उत्तीर्ण हुआ है या अनुत्तीर्ण या उसे विशेष परीक्षा के लिए निदिष्ट किया जाएगा।

(iii) यदि अभ्यर्थी बत्ती परीक्षण में उत्तीर्ण होने में असफल रहता है तो परीक्षक उसको नियम 14 का उपबंध बताएगा, जिसके अधीन वह प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला को अपील कर सकता है।

(iv) ऐसे अभ्यर्थी को, जो बत्ती परीक्षण उत्तीर्ण करने में असफल रहता है, पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला यह विनिश्चय न करे कि तीन मास बीत जाने के पश्चात् उसकी पुनः परीक्षा ली जा सकती है और वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला द्वारा यथा-बिलित रूप में प्रमाणपत्र में जोकि अभ्यर्थी को दिया जाता है, कथित होगा कि उसको पुनः परीक्षा ली जा सकती है या नहीं।

13. अनतिरिक्त परीक्षा तथा अपील:—(क) यदि ऐसे मामलों में जो नियम 12 के अन्तर्गत आते हैं, प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला विनिश्चय करता है कि अनतिरिक्त परीक्षा आवश्यक है तो विशेष परीक्षा के लिए इंतजाम किए जाएंगे।

(ख) तथापि यदि परीक्षक की रिपोर्ट पर प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला विनिश्चय करता है कि की गई गलतियों की प्रकृति निश्चयात्मक रूप से यह प्रदर्शित करती है कि किसी अभ्यर्थी की दृष्टि इतनी लुब्धपूर्ण है कि वह उसके कारण प्रमाणपत्र धारण करने के अयोग्य है तो अभ्यर्थी के बारे में ये समझा जाएगा कि वह अनुत्तीर्ण हो गया है।

(ग) ऐसे मामलों में जहाँ परीक्षण की रिपोर्ट पर कोई अभ्यर्थी प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला द्वारा अनुत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाता है और किसी विशेष परीक्षा के मामले में, केन्द्रीय सरकार ऐसे अभ्यर्थी को, जो इस विनिश्चय से असंतुष्ट है, नियम 16 में उपबन्धित शर्तों के अधीन रहते हुए अनतिरिक्त परीक्षा के लिए अपील करने की अनुज्ञा दे सकती है।

(घ) ऐसे अभ्यर्थी के मामले में जो अनतिरिक्त परीक्षा के लिए निविष्ट किया गया है, प्रधान अधिकारी विशेष परीक्षा के लिए इंतजाम करेगा, जिसके लिए कोई अनतिरिक्त फीस नहीं ली जाएगी।

14. विशेष परीक्षा अपील वाले मामले:—कोई अभ्यर्थी, जो बत्ती परीक्षण में अनुत्तीर्ण हुआ न्यायनिर्णीत किया गया है, प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक विभाग कलकत्ता को अपील कर सकता है, जो मामले को विनिश्चय के लिए परीक्षकों के विशेष निकाय को भेजेगा और ऐसे अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह 32 रुपए की विशेष फीस का संदाय करे जो कि उसे, यदि वह विशेष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाता है, तो वापस कर दी जाएगी।

15. विशेष परीक्षा अभ्यर्थियों का नियमित रूप से हाजिर होना:—

(क) उन अभ्यर्थियों को, जिन्हें विशेष परीक्षा के लिए निविष्ट किया गया है या जो स्थानीय परीक्षण के परिणाम के विरुद्ध अपील करते हैं, उक्त प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला के द्वारा वह समय, जब उन्हें विशेष परीक्षा के लिए हाजिर होना चाहिए, अधिसूचित किया जाएगा और उनसे आशा की जाएगी कि वे प्रधान अधिकारी को सूचित करें कि वे उक्त समय हाजिर हो सकेंगे या नहीं।

(ख) कोई अभ्यर्थी जो, उक्त प्रधान अधिकारी को सूचना देने के पश्चात् कि वह आज हाजिर होगा, नियत समय पर हाजिर होने में असफल रहता है उसकी परीक्षा अनिश्चित रूप से स्थगित कर दी जाएगी और यदि उसने नियम 14 के अधीन अपील की है, तो 32 रु० की अपील फीस समपूत कर ली जाएगी और उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह अपनी विशेष परीक्षा के लिए और इंतजाम किए जाने के पूर्व फीस के रूप में ही उतनी रकम की और फीस जमा करें।

16. विशेष परीक्षा में असफलता:—(क) जहाँ विशेष परीक्षा के दौरान उस अभ्यर्थी की दृष्टि में, जिसने अपील की है या जो निविष्ट किया गया है, ऐसी स्थायी लुटि पाई जाती है जोकि उसे सामुद्रिक आजीविका के लिए अयोग्य बनाती है, वहाँ उसे अंतिम रूप से अस्वीकार कर दिया जाएगा और उसे भविष्य में किसी भी अवसर पर पुनः दृष्टि परीक्षण कराने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा परन्तु यदि अभ्यर्थी जब भी असंतुष्ट है तो उसे इस बात की स्वतंत्रता होगी, यदि वह ऐसी वांछा करे तो, कि वह 75 रु० की फीस का संवाय करके प्रपना द्वितीय विशेष परीक्षण करा ले।

(ख) ऐसे अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह किसी मित्र को परीक्षण का वंशक होने के लिए लाए।

(ग) खंड (क) के अधीन द्वितीय परीक्षण पूर्ण रूप से स्वैच्छिक होगा और वह सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा का भाग नहीं होगा।

(घ) केन्द्रीय सरकार ऐसी परीक्षा के परिणाम को यह अवधारण करने में ध्यान में रख सकती है कि प्रमाणपत्र अनुदत्त किया जाए या नहीं।

17. विशेष अपील फीस:—अपील के लिए 75 रु० की विशेष फीस प्रविश्य नहीं होगी जब तक कि किसी व्यक्तिगत मामले की विशेष परिस्थितियों में केन्द्रीय सरकार इसका प्रतिवाद करना ठीक न समझे।

18. सारंग प्रमाणपत्रों के लिए अर्हताएं:—(क) सारंग सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए सभी अभ्यर्थियों की प्रथम परीक्षा ली जाएगी और वर्ग के बारे में दृष्टि परीक्षण किया जाएगा।

(ख) (1) सारंग प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी सत्ताईश से कम आयु का नहीं होगा और संयतता और बुद्धि का समाधानप्रद प्रमाणपत्र पेश करेगा।

(2) उसने समुद्र पर या अंतर्देशीय जलों पर चार वर्ष सेवा की हो, जिसमें से एक वर्ष की सेवा अंतर्देशीय या बंदरगाह वाष्प या मोटर जलयानों पर कर्णधार के रूप में होनी चाहिए और उसके निम्नलिखित विषयों में जानकारी के बारे में मौखिक परीक्षा ली जाएगी, अर्थात्:—

- (1) सड़क के नियम ;
- (2) बंदरगाह यानों की देख-भाल और प्रबन्ध के बारे में सादा प्रश्न ;
- (3) तूफान संकेत ;
- (4) पत्तन नियम और पत्तन में उत्पन्न, प्रकाशों, निविष्ट बिंदुओं, चैनलों, बालुओं, ज्वारों तथा उनकी पड़ुष के रास्ते की जानकारी।

(ग) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी तब तक पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने किसी अंतर्देशीय या बंदरगाह वाष्प या मोटर जलयान पर सुखानी या नाविक के रूप में तीन मास के लिए अनतिरिक्त सेवा न की हो।

19. द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:—(क) द्वितीय वर्ग मास्टर सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए सभी अभ्यर्थियों का प्रथमतः प्रथम परीक्षण किया जाएगा।

(ख) द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी 22 वर्ष से कम आयु का नहीं होगा और संयतता एवं बुद्धि के प्रमाणपत्र पेश करेगा।

(ग) उसने समुद्र पर या अंतर्देशीय जलों पर 5 वर्ष सेवा की होगी, जिसमें से तीन वर्ष की सेवा 40 आंकलित अश्व शक्ति से अन्यून के अंतर्देशीय या बंदरगाह वाष्प जलयान के या 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के मोटर जलयान के सुखानी के रूप में होगी या अनुकूलतः तीन वर्ष की सेवा 15 आंकलित अश्व शक्ति के वाष्प लांच के या 80 ब्रेक अश्व शक्ति के मोटर लांच के ऐसे सारंग भारसाधक के रूप में होगी जिसके पास अंतर्देशीय वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन यात दत्त नियमों के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र हो और निम्नलिखित विषयों में उसे समाधानप्रद रूप में मौखिक परीक्षा पास करनी होगी, अर्थात्:—

- (1) सड़क के नियम ;
- (2) सभी आकस्मिकताओं में छोटे वाष्प और मोटर जलयानों का प्रबन्ध ;
- (3) तूफान संकेत ;
- (4) ज्वार सारणियां ;
- (5) पत्तन नियम ;
- (6) पत्तन में उत्पन्न, प्रकाशों, निविष्ट बिंदुओं, चैनलों, बालुओं और ज्वारों तथा उनकी पड़ुष के रास्ते की जानकारी ;

(7) अभ्यर्थी को विद्युत् चक्र के बिजुओं को पढ़ने में समर्थ होना चाहिए)

(घ) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी तब तक पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने ऐसे सारंग के रूप में, जिसके पास वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवत्त सारंग प्रमाणपत्र हो या 40 आकलित श्रव्य शक्ति से अन्यून के वाष्प जलयान या 226 ब्रेक जलयान के सुखामी के रूप में, तीन मास के लिए अतिरिक्त सेवा न की हो।

20. प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएँ:—(क) प्रथम वर्ग मास्टर सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए सभी अभ्यर्थियों का प्रथमतः प्रवेश परीक्षण किया जाएगा।

(ख) प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए कोई अभ्यर्थी—

- (1) चौबीस वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवत्त द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् अंतर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के द्वितीय वर्ग मास्टर भारमाधक के रूप में उसकी तीन वर्ष से अन्यून की सेवा होनी चाहिए अथवा वाष्प या मोटर जलयान के द्वितीय सारंग के रूप में 4 वर्ष से अन्यून की सेवा होनी चाहिए, या
- (2) बीस वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और उसके पास पोत परिवहन अधिनियम के अधीन या किसी अन्य अधिनियमित के अधीन अनुवत्त विदेश जाने वाले द्वितीय मेट या मेट होम ट्रेड के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र अथवा ऐसा प्रमाणपत्र होना चाहिए जिसे किसी ऐसे अधिनियम के उपबन्ध लागू किए गए हैं और अंतर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के मेट या रिवर फ्लेट के मास्टर के रूप में उसकी एक वर्ष से अन्यून की सेवा होनी चाहिए, या
- (3) चौबीस वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए और उसकी या तो, समुद्र पर तीन वर्ष से अन्यून की और अंतर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के मेट के रूप में या रिवर फ्लेट के मास्टर के रूप में अथवा अंतर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के मेट के रूप में या रिवर फ्लेट के मास्टर के रूप में छह वर्ष से अन्यून की सेवा होनी चाहिए।

(ग) प्रत्येक अभ्यर्थी की प्रथम परीक्षा ली जाएगी और निम्नलिखित विषयों में से प्रत्येक में और सभी में मौखिक परीक्षा ली जाएगी, अर्थात्:

- (1) सड़क के नियम;
- (2) सभी आकस्मिकताओं में किसी भी प्रकार के बंदरगाह या अंतर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान का प्रबन्ध, जिसके अन्तर्गत कर्मनाह का चलाना भी है;
- (3) ज्वार सारणी;
- (4) तूफान सकेत;
- (5) पत्तन नियमों की पूरी जानकारी;
- (6) पत्तन में उत्पन्न, प्रकाशों, निविष्ट बिजुओं, चैनलों, और ज्वारों और उनकी पट्टों के रास्तों की जानकारी; और
- (7) दिक्सूचक की प्रारंभिक जानकारी।

(घ) यदि कोई अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसकी तब तक पुनः परीक्षा नहीं ली जाएगी जब तक कि उसने किसी अंतर्देशीय वाष्प या मोटर जलयान के द्वितीय वर्ग मास्टर भारमाधक के रूप में या किसी अंतर्देशीय या बंदरगाह वाष्प या मोटर जलयान के मेट अथवा द्वितीय भारमाधक के रूप में या रिवर फ्लेट के मास्टर के रूप में तीन मास के लिए अतिरिक्त सेवा न की हो।

21. परीक्षा:—इन नियमों में अंतर्निष्ठ किसी बात के होते हुए भी किसी अभ्यर्थी को प्रथम या द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा में यथास्थिति, नियम 19(ग) की सब (5) और (6) में या नियम 20(ग) की सब (5) और (6) में उल्लिखित विषयों में से परीक्षा ली जाएगी और यदि वह परीक्षा का विहित विषयों की जानकारी के बारे में और साधारणतया वाष्प या मोटर जलयान का भारमाधक होने के लिए अपनी सक्षमता के बारे में समाधान कर देता है तो उसे सक्षमता प्रमाणपत्र अनुवत्त कर दिया जाएगा।

22. निम्न श्रेणी का प्रमाणपत्र:—यदि कोई अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया है किन्तु वे विषय जिनमें वह अनुत्तीर्ण हुआ है, निम्न श्रेणी के प्रमाणपत्र के लिए अपेक्षित विषयों में सम्मिलित नहीं किए गए हैं, तो वह यदि इसकी वांछा करें तो, ऐसी निम्न श्रेणी का प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है।

23. फीस का पुनः संदाय किया जाना:—जब निम्न श्रेणी का प्रमाणपत्र नियम 22 में उपबन्धित रूप में किसी अभ्यर्थी को अनुवत्त किया जाता है तो उसके द्वारा संदाय की गई किसी फीस का कोई भाग उसे वापस नहीं किया जाएगा और उच्च वर्ग के प्रमाणपत्र के लिए पुनः परीक्षा के लिए उसके उपस्थित होने पर, जब वह ऐसा करने का हकदार हो, उसमें अपेक्षा की जाएगी कि वह पूरी फीस का पुनः संदाय करे।

24. फीस:—(क) (i) परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों से, प्ररूप 3 में अपना आवेदन करते समय यह अपेक्षा की जाएगी कि वे कोई कार्रवाई किए जाने के पूर्व, जो चाहे उनकी सेवाओं के बारे में जांच करने के सम्बन्ध में हो या उनकी अर्हताओं का परीक्षण करने के सम्बन्ध में या इन नियमों द्वारा विहित कोई अन्य मार्ग अपनाए जाने के सम्बन्ध में हो, परीक्षा फीस का संदाय करें।

(ii) यदि यह पाया जाए कि उनकी सेवाएं परीक्षा लिए जाने के लिए उन्हें हकदार बनाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं या यदि उनके प्रमाणपत्र असंतोषजनक हैं या यदि उनको किसी अन्य कारण से परीक्षा नहीं ली जाती चाहिए, तो फीस का कोई भाग उन्हें वापस नहीं किया जाएगा, किन्तु जब, यथास्थिति, उन्होंने अपेक्षित सेवा पूरी कर दी हो या वे संतोषजनक प्रमाणपत्र पेश करने में समर्थ हों तो उन्हें पुनः किसी आरक्षित फीस का संदाय किए बिना उसी वर्ग के प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए अनुज्ञात कर दिया जाएगा।

(iii) परीक्षा के लिए फीस का संदाय वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता को किया जाएगा।

(ख) यदि कोई अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो फीस का कोई भाग उसे वापस नहीं किया जाएगा।

(ग) यदि अभ्यर्थी विहित विषयों की अपनी जानकारी के बारे में और साधारणतया पत्तन में चलने वाले वाष्प या मोटर जलयानों को समावेश देने की अपनी सक्षमता के बारे में परीक्षक का समाधान कर देता है तो परीक्षक अभ्यर्थी को प्रमाणपत्र का अनुवत्त करेगा।

(घ) फीस यथा निम्नलिखित होगी:

प्रथम वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र	20 रु०
द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र	15 रु०
सारंग प्रमाणपत्र	10 रु०

25. प्रदासित रिबन:—यदि कोई अभ्यर्थी किसी अधिकारी को उपवान की प्रस्थापना करता है तो यह समझा जाएगा कि उसने दुराचार का कार्य किया है और उसको अस्वीकार कर दिया जाएगा और उसको कम से कम 12 मास की कलावधि जीत जाने तक पुनः परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

26. साधारण:—(क) प्रथम और द्वितीय वर्ग मास्टर प्रमाणपत्र और सारंग प्रमाणपत्र प्ररूप में बनाए और जारी किए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक ऐसा प्रमाणपत्र दो प्रतियों में बनाया जाएगा और ऐसे प्रमाणपत्र के लिए हकदार प्रत्येक व्यक्ति परीक्षक को पासपोर्ट साइज की अपनी फोटो की दो प्रतियां देगा जिसमें से एक-एक प्रमाणपत्र को प्रत्येक प्रति पर चिपकाई जाएगी और प्रमाणपत्र की एक प्रति प्रमाणपत्र के लिए हकदार व्यक्ति को परिदण की जाएगी और दूसरी विहित रीति से रखी और अभिलेखबद्ध की जाएगी।

### अध्याय III

पैरावीप पत्तन में चलने वाले यांत्रिक रीति से मोविट यान के इंजीनियरों और इंजन ड्राइवरों को सक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान

27. इस अध्याय में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) 'इंजीनियर प्रमाणपत्र' से किसी व्यक्ति को पत्तन में चलने वाले किसी आकलित अथवा शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान का इंजीनियर होने के लिए इस अध्याय के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(ख) 'प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र' से किसी व्यक्ति को पत्तन में चलने वाले 100 आकलित अथवा शक्ति से अन्यून के इंजनों वाले वाष्प जलयान का इंजन ड्राइवर होने के लिए इस अध्याय के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(ग) 'प्रथम वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र' से किसी व्यक्ति को पत्तन में चलने वाले 565 ब्रेक अथवा शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान का इंजन ड्राइवर होने के लिए इस अध्याय के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(घ) 'मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र' से किसी व्यक्ति को पत्तन में चलने वाले किसी ब्रेक अथवा शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान इंजीनियर होने के लिए इस अध्याय के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(ङ) 'प्रधान अधिकारी' से प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला अभिप्रेत है,

(च) 'द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र' से किसी व्यक्ति को पत्तन में चलने वाले 40 आकलित अथवा शक्ति से कम के इंजन वाले वाष्प जलयान का इंजन ड्राइवर होने के लिए इस अध्याय के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,

(छ) 'द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र' से किसी व्यक्ति को पत्तन में चलने वाले 226 ब्रेक अथवा शक्ति से कम के इंजन वाले मोटर जलयान का इंजन ड्राइवर होने के लिए इस अध्याय के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।

28. प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकार :—(क)(i) सक्षमता प्रमाणपत्र उन व्यक्तियों को अनुदत्त किए जाएंगे जो अपेक्षित परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं और अन्यथा अपेक्षित शर्तों का पालन करते हैं।

(ii) इस प्रयोजन के लिए पत्तन में या कलकत्ता में कालिकतः परीक्षाएं लेने के लिए इतजाम किए जाएंगे।

(ख) परीक्षाएं इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक, वाणिज्यिक समुद्र विभाग, कलकत्ता जिला (जिसे इसमें इसके पश्चात् परीक्षक के रूप में निर्दिष्ट किया गया है) द्वारा ही जाएंगी और वे वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला द्वारा अधिमूर्चित तारीखों और समयों पर ली जाएंगी।

29. परीक्षा के लिए उपयुक्तता:—(क)(i) परीक्षा के लिए अभ्यर्थी प्ररूप 5 में निर्दिष्ट आवेदन करेगा जो परीक्षक या ऐसे पदधारी के सामने भरा जाएगा जो इस निमित्त उसके द्वारा नियुक्त किया जाए।

(ii) समुचित रूप से भरे हुए प्ररूप अभ्यर्थी के शंसापत्रों सहित परीक्षा के दिन से 7 दिन पूर्व उसके पास भेजा जाएगा।

(ख) (i) आवेदकों से अपेक्षा की जाएगी कि वे सेवामुक्ति अभिलेख के प्राथिक प्ररूपों के अतिरिक्त, संयतता, अनुभव योग्यता और सामान्य अच्छे आचरण के बारे में समाधानप्रद शंसापत्र पेश करें, जो परीक्षा किए जाने वाले आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती जहाज के फक्क पर पिछले कम से कम बारह मास की सेवा के लिए हों, जब तक कि केन्द्रीय सरकार मामले का अन्वेषण करने के पश्चात् यह ठीक न समझे कि समय कम किया जाए।

(ii) आवेदक, जिसके पास पहले से ही इस अध्याय के अधीन अनुदत्त प्रमाणपत्र है और जो किसी उच्च श्रेणी के लिए परीक्षा देने की वांछा करता है, अपने ऐसे प्रमाणपत्र और सभी सेवा-मुक्ति अभिलेख और शंसापत्र, जो उसने निम्न श्रेणी में परीक्षा के लिए आवेदन करने समय प्रस्तुत किए थे और ऐसे सेवा-मुक्ति अभिलेख और शंसापत्र भी, जो उच्च श्रेणी प्रमाणपत्र के लिए आवश्यक हों, पेश करेगा।

(iii) यदि परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों द्वारा शंकास्पद अधिप्रमाणिकरण का निर्देश प्रस्तुत किया जाए तो परीक्षक अभ्यर्थी से अपेक्षा कर सकेगा कि वह उनकी अमलियत का सबूत या उस आशय शपथपत्र दे।

(iv) यदि आवेदकों ने अपने आवेदन से ठीक पहले समुद्र तट पर सेवा की है, तो उन्हें संयतता का प्रमाणपत्र अपने नियोजकों से या यदि वे नियोजित न हों तो सामान्य गृह स्वामियों से पेश करने चाहिए।

(v) किसी अभ्यर्थी को परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने परीक्षा किए जाने वाले उसके आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती पिछले तीन वर्ष के भीतर छह मास के लिए फक्क पर सेवा न की हो।

(ग) चूंकि ऐसे शंसापत्रों और सेवा-मुक्ति पत्रों का अभ्यर्थियों को परीक्षा लिए जाने से पूर्व सत्यापन किया जाना होगा, इसलिए वे, इस प्रयोजन के लिए विहित प्ररूप सहित दिए जाने चाहिए [उपयुक्त क(i) में उल्लिखित]।

(घ) (i) विदेशियों की सेवा के ऐसे शंसापत्रों की, जिनका सत्यापन परीक्षक द्वारा नहीं किया जा सकता है, उस देश के कौंसिल द्वारा, जिसमें वह जलयान, जिसमें अभ्यर्थी ने सेवा की थी, संवर्धित है, या उस देश के किसी अन्य मान्यताप्राप्त प्राधिकारी द्वारा या उसी स्थान पर किसी ऐसे विश्वसनीय व्यक्ति के प्रमाण द्वारा, जिसे निश्चित किए जाने के लिए अपेक्षित तथ्यों की व्यक्तिगत जानकारी हों, पुष्टि की जाएगी।

(ii) तथापि ऐसे सबूतों का पेश किया जाना अनिवार्य रूप से पर्याप्त नहीं समझा जाएगा।

(iii) प्रत्येक मामले का विनिश्चय उसके अपने गुणगुण पर किया जाएगा और यदि दिए गए सबूतों की पर्याप्तता संदेहपूर्ण प्रतीत होती हो उन मुद्दों को केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(ङ) यदि किसी अभ्यर्थी की आयु के बारे में कोई संदेह हो तो उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह परीक्षक के समाधानप्रद रूप में अन्य प्रमाणपत्र या आयु का अन्य दस्तावेजों का सबूत पेश करें।

(च) विदेशियों को परीक्षक के समाधानप्रद रूप में साबित करना चाहिए कि वे अंग्रेजी भाषा बोल और लिख सकते हैं और हिन्दुस्तानी या उर्दू, भारतीय जनयान के फक्क पर उनसे अपेक्षित कर्तव्य का पालन करने के लिए, पर्याप्त रूप से अच्छी तरह बोल सकते हैं।

(छ) (i) अभ्यर्थियों की सेवा के प्रमाणपत्र साधारणतया उनके नियोजकों के कार्यालय अभिलेखों पर आधारित होने चाहिए।

(ii) दावाकृत ऐसी सेवा, जिसका सत्यापन नियोजक के कार्यालय अभिलेखों से नहीं किया जा सकता, ऐसे व्यक्तियों के शपथपत्रों द्वारा, जिनके अधीन ऐसी सेवाओं की गई है और अभ्यर्थियों के स्वयं शपथपत्र द्वारा भी, अधिप्रमाणित की जानी चाहिए।

(iii) समान अर्हताएं वाले प्रमाणित समुद्री इंजीनियरों या यांत्रिक इंजीनियरों से सेवा के संसापत्र स्वीकार किए जाएंगे।

30. द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:—द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी को 21 वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक अवश्य होनी चाहिए, अर्थात्:—

- (क) उसने वाष्प इंजनों के बनाने का या मरम्मत करने में कम से कम तीन वर्ष और स्टीमर के इंजन कक्ष में एक वर्ष शिक्षा के रूप में सेवा की हो, या
- (ख) उसने समुद्र पर स्टीमर के इंजन कक्ष में या वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन अथवा इस अध्याय के अधीन अनुदत्त सक्षमता प्रमाणपत्र रखने वाले किसी इंजीनियर या प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर के अधीन प्रत्यक्ष जलों पर चार वर्ष सेवा की हो, जिनमें से एक वर्ष की सेवा 20 अकालित अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले जलयान में सारंग, टिन्डल या बाष्प के फायरमैन भारसाधक के रूप में हो, या
- (ग) उसने किसी स्टीमर के इंजन कक्ष में पांच वर्ष सेवा की हो, जिनमें एक वर्ष की सेवा वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इस अध्याय के अधीन अनुदत्त प्रथम वर्ग प्रमाणपत्र रखने वाले प्रथम वर्ग इंजन ड्राइवर के अधीन 50 अकालित अश्व शक्ति से अत्युत के जलयान में सारंग टिन्डल, बाष्प के प्रधान फायरमैन या फायरमैन भारसाधक के रूप में होनी चाहिए; या
- (घ) उसने समुचित रूप से अर्हित प्रबंधक या इंजीनियर के अधीन कारखाने या मिल के इंजन के भारसाधक के रूप में 2 वर्ष सेवा की हो, जिनमें से 1 वर्ष की सेवा 15 अकालित अश्व शक्ति से अत्युत के स्टीमर में इंजन कक्ष सारंग टिन्डल या प्रधान फायरमैन के रूप में हो।

31. उसे समुद्री इंजनों और बायलरों के बनाने के बारे में और जुड़नारों के विभिन्न भागों के उपयोग के बारे में और श्रिग काकम मोटर के उपयोग और ऊर्ध्वमन के बारे में नमकीन या गन्दे पानी में बायलरों की देखभाल और निम्नलिखित स्टाफिंग कला और धुंग के निवारण के बारे में मौखिक परीक्षा समाधानप्रद रूप से उत्तीर्ण करनी चाहिए।

32. उसे यदि अपेक्षा की जाए तो अपनी व्यवहारिक अर्हताओं को, सभी ऐसे अन्य परीक्षणों को पूरा करने के पश्चात् जिनको उसे पूरा करना होगा छोटे स्टीमर के इंजनों में वास्तविक रूप से कार्य करके, दर्शा करने में समर्थ होना चाहिए।

33. द्वितीय वर्ग मोटर ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:—द्वितीय वर्ग मोटर इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी 21 वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक होनी चाहिए, अर्थात्:—

- (क) उसने आंतरिक दहन या समुद्री स्टीम इंजनों के बनाने, फिट करने या मरम्मत करने में शिक्षा या जर्नोमेन के रूप में तीन वर्ष से अत्युत के लिए सेवा की हो और इसके प्रतिस्वत उसने 85 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले मोटर जलयान, के इंजन कक्ष में छह मास के लिए या 40 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले जलयान में नौ मास के लिए सेवा की हो।
- (ख) उसने 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के मोटर जलयान के इंजन कक्ष से चार वर्ष से अत्युत की कालावधि के लिए सेवा की हो, जिसमें से एक वर्ष से अत्युत की कालावधि के लिए उसको सेवा सारंग, प्रधान टिन्डल या मुख्य गीजर के रूप में हो;

परन्तु यह कि ऊपर उल्लिखित चार वर्षों में से एक तिहाई में उसकी सेवा 40 अकालित अश्व शक्ति से अत्युत के वाष्प जलयान के इंजन कक्ष में हो सकनी है; या

- (ग) उसने 85 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में पांच वर्ष से अत्युत की कालावधि के लिए या 40 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले जलयान के इंजन कक्ष में छह वर्ष के लिए सारंग, टिन्डल या मुख्य गीजर के रूप में सेवा की हो;

परन्तु यह कि ऊपर वर्णित पांच और छह वर्ष की सेवा में एक तिहाई सेवा 10 अकालित अश्व शक्ति से अत्युत के वाष्प जलयान के इंजन कक्ष में हो सकनी है, या

- (घ) उसने प्रमाणपत्र प्राप्त इंजीनियर के अधीन कारखाने या मिल के इंजन के भारसाधक के रूप में दो वर्ष से अत्युत की कालावधि के लिए और 85 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के मोटर जलयान में इंजन कक्ष में एक वर्ष से अत्युत की कालावधि के लिए या 40 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले मोटर जलयान में अट्टारह मास के लिए सारंग, टिन्डल या मुख्य गीजर के रूप में सेवा की हो;

- (ङ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम या इन नियमों के अधीन अनुदत्त वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् या 85 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में उच्च शक्ति का प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् कम से कम छह मास के लिए या 40 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्युत के इंजनों वाले मोटर जलयान में के नौ मास के लिए सेवा की हो;

- (च) उसने, कम से कम दो वर्ष के लिए, जब उसके पास 10 ब्रेक अश्व शक्ति के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन ड्राइवर के रूप में वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुदत्त अनुज्ञापत्र हो, और 40 ब्रेक अश्व शक्ति से अधिक के इंजनों वाले मोटर जलयान के इंजन कक्ष में तीन वर्ष के लिए सारंग, टिन्डल या मुख्य गीजर के रूप में सेवा की हो;

परन्तु यह कि जब अभ्यर्थी 40 ब्रेक अश्व शक्ति के या कम के इंजनों वाले वास्तवों में ऐसे अनुज्ञापत्र के साथ लम्बी सेवा का सबूत देण करता है तो 40 ब्रेक अश्व शक्ति से अधिक के इंजनों में सेवा की छूट उच्च शक्ति प्राप्त लोगों में छह मास की सेवा के बदले में कम शक्ति प्राप्त लोगों में एक वर्ष की सेवा के अनुपात से दी जा सकनी है और यह छूट अधिकतम अट्टारह मास की हो सकनी है तथा छूट के लिए गणना में ली जाने वाली सेवा 40 अश्व शक्ति के या कम के लोगों में अपेक्षित दो वर्ष की सेवा से अधिक होनी चाहिए।

- (छ) अभ्यर्थी को विभिन्न प्रकार के आंतरिक दहन इंजनों के कार्यकरण पर मौखिक परीक्षा समाधानप्रद रूप से उत्तीर्ण करनी चाहिए और उसे मशीनरी के मुख्य भागों का नाम बताने में समर्थ होना चाहिए।

- (ज) अभ्यर्थी को जानना चाहिए कि मशीनरी के विभिन्न भागों पर कितना ध्यान देने की जरूरत है, उसे विभिन्न वास्तवों, काकम, पाइपों और कनेक्शनों के उपयोग और प्रबंध को समझना चाहिए और मिलिटरी में वायु और फ्रूयल का प्रवाह करने की विभिन्न प्रणालियों से अवगत होना चाहिए।

- (झ) अभ्यर्थी उन मुख्य कारणों का वर्णन करने से, जो कि इंजन का स्टार्ट होना कठिन बनाते हैं और उसको यह स्पष्ट करने



में भी समर्थ होना चाहिए कि वह उसमें सम्बन्धित वृत्तियों को कैसे दूर करेगा और उसे यह दर्शित करने में भी समर्थ होना चाहिए कि वह स्टार्ट करने और रिवर्स करने की व्यवस्थाओं में सम्बन्धित यांत्रिकत्व को समझता है और यह उसकी वृत्तियों को दूर करने में सक्षम है।

- (ज) अभ्यर्थी कार्यकारी पुर्जों का समायोजन करने के लिए और इन्जन को पुनः अक्षी काम चलाऊ हालत में लाने के लिए इन्जन की पूर्ण मरम्मत करने में समर्थ होना चाहिए और उसे यह भी समझना चाहिए कि वह मशीन की माधारण घिसाई से होने वाली क्षति को कैसे दूर कर सकता है और दुर्घटनाओं से होने वाली वृत्तियों को कैसे ठीक कर सकता है।
- (ट) अभ्यर्थी आंतरिक बहन इन्जनों में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न ईंधन तेलों की प्रकृति और गुणों से अवगत होना चाहिए और उसे समझना चाहिए कि 'फ्लैश प्वाइंट' का क्या अर्थ है।
- (ठ) (i) अभ्यर्थी को ईंधन तेल के टैंकों के क्षरण से होने वाले खतरे को जानना चाहिए और विस्फोटन के संबंध में किए जाने वाले पूर्वोपायों को समझना चाहिए।
- (ii) उसे वाष्पित से जब इन्जन बन्द किया जाता है, ज्वलनशील वाष्प के पलायन से उसकी रक्षा करने के लिए आवश्यक पूर्वोपायों को करने में समर्थ होना चाहिए।
- (iii) उसे यह भी जानना चाहिए कि यदि माग लग जाती है तो क्या कार्यवाही की जाए।
- (ड) अभ्यर्थी, यदि अपेक्षा की जाए तो अपनी व्यावहारिक जानकारी, परीक्षक की उपस्थिति में मोटर जलयान के इन्जनों में वास्तविक रूप से कार्य करके, दर्शित करने में समर्थ होना चाहिए।
- (ड) अभ्यर्थी को सहायक वाष्प बायलरों की और उसमें संबंधित मशीनरी की अर्थात् विद्युत लाइट इन्जनों, स्टोयिंग इन्जनों, वाष्प पम्पों और पम्पों की कार्यकारी जानकारी होनी चाहिए।

34. प्रथम वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:— प्रथम वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी 22 वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक होनी चाहिए, अर्थात्—

- (क) उसने वाष्प इन्जनों के बनाने या उनकी मरम्मत करने में कम से कम तीन वर्ष तक शिक्षु के रूप में और वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुदत्त वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाण पत्र धारण करते हुए 80 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के इन्जनों वाले स्टीमर में सहायक इन्जीनियर के रूप में एक वर्ष के लिए सेवा की हो।
- (ख) उसने समुद्र या अन्तर्वेशीय जलों पर स्टीमर के इन्जन कक्ष में पांच वर्ष सेवा की हो, जिनमें से दो वर्ष की सेवा वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाण पत्र धारण करते हुए 30 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण (कम्पाउंड सरफेस कन्टैनिंग) इन्जनों वाले स्टीमर में सारंग प्रधान टिन्डल या वाच के भारसाधक फायरमैन के रूप में होने चाहिए।
- (ग) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् मुख्य ग्रीजर सारंग या प्रधान टिन्डल के रूप में सेवा की हो, या

(घ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन अनुदत्त वाष्प जलयानों के लिए द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् एक वर्ष के लिए सेवा की होनी चाहिए।

(ङ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर के रूप में अष्टारह मास सेवा की हो या इन नियमों के अधीन 30 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के मिश्रित पृष्ठ द्रवण इन्जनों वाले स्टीमर के मुख्य इन्जन और बायलरों पर वाच के भारसाधक के रूप में सेवा की हो।

(च) उसने समुचित रूप से अर्हित प्रबंधक या इन्जीनियर के अधीन कारखाने या मिल के इन्जनों के भारसाधक के रूप में तीन वर्ष और वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 80 आकलित अश्व शक्ति से अत्यून के इन्जनों वाले स्टीमर के सहायक इन्जीनियर, इन्जन कक्ष सारंग या प्रधान टिन्डल के रूप में सेवा की हो।

(छ) उसे द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए नियम 31 द्वारा अपेक्षित के समान किन्तु अधिक उच्च मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए।

(ज) उसे, यदि अपेक्षा की जाए तो अपनी व्यवहारिक अर्हताएं, सभी परीक्षाओं को पूरा करने के पश्चात्, जिनको उसे पूरा करना होगा, स्टीमर के इन्जनों पर वास्तविक रूप से कार्य करके दर्शित करने में समर्थ होना चाहिए।

35. प्रथम वर्ग मोटर इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं:— प्रथम वर्ग मोटर इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी वार्षिक का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताओं में से एक होनी चाहिए, अर्थात्:—

- (क) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए 565 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्यून के मोटर जलयानों के मुख्य इन्जनों पर नियमित वाच पर इन्जन ड्राइवर के रूप में एक वर्ष से अत्यून के लिए सेवा की हो।
- (ख) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन मोटर जलयान के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर के रूप में अष्टारह मास से अत्यून की कालावधि के लिए सेवा की हो।
- (ग) (i) उसने 225 ब्रेक अश्व शक्ति से अत्यून के मोटर जलयान के इन्जन कक्ष में चार वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए सेवा की हो जिनमें से 1 वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् मुख्य ग्रीजर सारंग या प्रधान टिन्डल के रूप में सेवा की हो।
- (ii) यदि मोटर जलयान 170 ब्रेक अश्व शक्ति से कम का न हो तो ऐसे जलयानों में पांच वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए ऐसे जलयान में सेवा की हो, जिनमें से दो वर्ष से अत्यून की कालावधि के लिए उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करते हुए सारंग प्रधान फायरमैन या मुख्य ग्रीजर के रूप में सेवा की हो।

- (घ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयान के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् पञ्चाशत् मास से अन्यून की कालावधि के लिए 113 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के मोटर जलयान के इन्जन के भारमाधक ड्राइवर के रूप में सेवा की हो, या
- (ङ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयान के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के मोटर जलयान में मारंग, प्रधान टिन्डल या मुख्य ग्रीजर के रूप में दो वर्ष से अन्यून के लिए सेवा की हो; या
- (च) उसने प्रमाणित इंजीनियर के अधीन कारखाने या मिल के इन्जनों के भारमाधक के रूप में तीन वर्ष से अन्यून के लिए और वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन मोटर जलयानों के लिए अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करने हुये सहायक इंजीनियर, मारंग, प्रधान टिन्डल या मुख्य ग्रीजर के रूप में 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के मोटर जलयान के इन्जन कक्ष में एक वर्ष से अन्यून के लिए सेवा की हो, या
- (छ) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन वाष्प जलयानों के लिए अनुदत्त प्रथम वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करने के पश्चात् 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के मोटर जलयान के मुख्य इन्जनों पर नियमित बाच पर इन्जन ड्राइवर के रूप में दो वर्ष से अन्यून के लिए सेवा की हो।
- (ज) उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुदत्त द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र धारण करने हुए 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के मोटर जलयान के मुख्य इन्जनों पर नियमित बाच पर इन्जन ड्राइवर के रूप में चार वर्ष से अन्यून के लिए सेवा की हो; या
- (झ) उसके पास पोत परिवहन अधिनियम के अधीन अनुदत्त समुद्र में जाने वाले वाष्प जलयानों के लिए इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र हो और उसने एक वर्ष से अन्यून की कालावधि के लिए 226 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के मोटर जलयान के मुख्य इन्जनों पर नियमित बाच पर सेवा की हो, या
- (ञ) उसे मौखिक परीक्षा जोकि द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र के लिए नियम 33 के खंड (घ) और (ङ) के अधीन अपेक्षित के समान किन्तु अधिक उच्च प्रकार की हो, उत्तीर्ण करनी चाहिए।

36. इन्जीनियर प्रमाणपत्र के लिए अर्हताएं :—इन्जीनियर प्रमाणपत्र के लिए अर्ह्यर्था कम से कम बारह वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित अर्हताएं होनी चाहिए, अर्थात् :—

- (क) (i) उसने चार वर्ष के लिए शिक्षु इन्जीनियर के रूप में सेवा की हो और उसे साबित करना चाहिए कि वह अपनी शिक्षता की कालावधि के दौरान स्टीम इन्जन बायलरों और वेसी ही वस्तुओं के बनाने या मरम्मत करने में नियोजित रहा है ;
- (ii) जर्नीमेन काम समय शिक्षता के बराबर समझा जाएगा ;
- (iii) शिक्षता के अनिवार्य आवेदक ने उसके पश्चात् दो वर्ष 80 आकलित अश्व शक्ति से अन्यून के इन्जनों वाले स्टीमर में सहायक इन्जीनियर के रूप में या वाष्प जलयान अधिनियम के

अधीन या इन नियमों के अधीन अनुदत्त प्रथम वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् मिश्रित प्लेट द्रवण इन्जनों वाले स्टीमर के या 30 आकलित अश्व शक्ति से अन्यून के मिश्रित प्लेट द्रवण इन्जनों वाले स्टीमर के भारमाधक ड्राइवर के रूप में सेवा की हो ;

(iv) उपर्युक्त सेवा में असफल होने पर उसने वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुदत्त प्रथम वर्ग इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् पांच वर्ष 30 आकलित अश्व शक्ति से अन्यून के मिश्रित प्लेट द्रवण इन्जनों वाले स्टीमर के इन्जनों के भारमाधक के रूप में सेवा की हो।

- (ख) उसे बायलरों का और विभिन्न वाल्वों, कावसों, पाइपों और कनेक्शनों के उपयोग और प्रबंध से उनके एक साथ जुड़े रहने की प्रणालियों का समाधानप्रद विवरण देने में समर्थ होना चाहिए।
- (ग) उसे समझना चाहिए कि दुर्घटना क्षय से हुई क्षतियों को कैसे ठीक किया जाए और ऐसी क्षतियों को दूर करने के क्या साधन हैं।
- (घ) उसे जन-प्रसापी, दाब-प्रसापी, बैरोमीटर, थर्मामीटर और लवणता मापी का उपयोग समझना चाहिए और वे मिश्रित समझने चाहिए जिन पर उनकी रचना की गई है।
- (ङ) उसे पंपरी और कोरेमन के कारपी, प्रभावी और उनके सामान्य उपबारों को बताना चाहिए।
- (च) उसे स्माइल वाल्वों की जड़ार्ह का परीक्षण करने और उनमें परिवर्तन की प्रणालियां और शैपों की अनुमा का परीक्षण करने और उनका समायोजन करने की प्रणालियां बताने में समर्थ होना चाहिए।
- (छ) उसे वाष्प बायलरों के लिए यथोचित कार्यकारी दाब की या दी गई लम्बाई चौड़ाई की और केंद्र एक्स् टर्नल शीफ्ट पर प्रति स्कावयर इन्च प्रतिबल की, जब आवश्यकता मारी जा जाए, परिकलना करने में समर्थ होना चाहिए।
- (ज) उसे सहायक मशीनरी की, जो कि उसके भारमाधन में रखी जाए, अर्थात् बिद्युत लाइट इन्जनों (वाष्प और तेल) और डाइने बिद्युत मोटरों, विभिन्न प्रकार के स्टीयरिंग इन्जनों, द्रवचालित और प्रशीतन मशीनरी, की रचना समझनी चाहिए और उसकी वायू अवस्था में बनाए रखने में समर्थ होना चाहिए।
- (झ) उसे अपकेन्ट्री बाल्टी और प्लंबर पम्पों की रचना समझनी चाहिए और वह मिश्रित भी जिन पर वे कार्य करती हैं, समझना चाहिए।
- (ञ) उसे यह बताने में समर्थ होना चाहिए कि मशीनरी के किसी भाग के अपविन्यास की दशा में या उसके पूर्ण रूप से फेल हो जाने की दशा में अस्थायी या स्थायी मरम्मत कैसे की जा सकती है।
- (ट) (i) उसका लेख सुपाठ्य होना चाहिए और उसे साधारण और दशमलव भिन्न और वर्ग और घनमूलों तक का और उनके साध-साध गणित का ज्ञान होना चाहिए।
- (ii) उसे यह भी समझना चाहिए कि सुरक्षा वाल्वों, कोयले की खपत, सामग्री की खपत, टैंकों और बल्बों आदि की क्षमता के बारे में प्रश्नों को ये नियम कैसे लागू हैं।
- (ठ) उसे साधारण उपयोग में आने वाले नाविक इन्जनों की विभिन्न रचनाओं के बारे में उनके बाह्य और आंतरिक विभिन्न कार्यकारी भागों के व्यौरों के बारे में और प्रत्येक भाग के उपयोग के बारे में विश्वसनीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में समर्थ होना चाहिए।

(क) उसे दहन, उष्णता, वाष्प और विद्युत से संबंधित मुख्य तथ्यों की निम्नलिखित जानकारी होनी चाहिए।

(ख) उससे अपेक्षा की जाएगी कि वह वाष्प इंजन के एक या अधिक प्रमुख भागों का बुद्धिमत् हाथ का रेखाचित्र या कार्यकारी रेखाचित्र बनाए और बिना प्रति के, अंकों में सारी आवश्यक लम्बाई चौड़ाई चिह्नित करे, जिसमें कि रेखाचित्र पर कार्य किया जा सके। रेखाचित्र बोर्ड और टी.सी.कायर्स की व्यवस्था की जाएगी किन्तु आवश्यकताओं को अपने साथ रेखाचित्र उपकरणों को, जिनकी उन्हें आवश्यकता हो, लाना होगा।

(ग) उसे मशीनरी के प्रमुख भागों द्वारा परस्पर बहन किए जाने वाले साधारण अनुपात बनाने में और गोल छड़ी में सीधे प्रतिबल, टर्शनल प्रतिबल और बंकन प्रतिबल की और स्टैम्पुलर छड़ों में डाले गए वजन के साथ बंकन प्रतिबल की परिकल्पना करने में समर्थ होना चाहिए।

(घ) उसे समुद्री मोटर इंजनों के विभिन्न प्रकारों, उनके कार्यकरण का और उनके विभिन्न भागों के उपयोगों का वर्णन करने में समर्थ होना चाहिए।

37 मोटर इंजीनियर प्रमाण पत्र के लिए प्रहृताएं:—मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थी बाइस वर्ष का होना चाहिए और उसके पास निम्नलिखित प्रहृताएं होनी चाहिए, अर्थात्:—

(क) (i) उनमेंसे वाष्प या मोटर इंजनों के जो समुद्री इंजीनियरों के लिए लाभदायक प्रशिक्षण देने के रूप में मान्यताप्राप्त हो, बनने में, जोड़ने में और मरम्मत करने में शिक्षु इंजीनियर या जर्नीमैन के रूप में चार वर्ष से अन्यून के लिए सेवा की हो।

(ii) 15 वर्ष की आयु से पूर्व की गई सेवा का कोई समय स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस कालावधि के 3 वर्ष से अन्यून आंतरिक दहन इंजन के जोड़ने, बनाने या मरम्मत करने में व्यतीत किए गए हो।

(iii) शेष वर्ष इस प्रकार के कार्य में या तो पूर्णतः रूप से या भागतः प्र समुद्र में जाने वाले इंजीनियरों की परीक्षा से संबंधित नियमों में यथा उल्लिखित अनुमोदित तकनीकी स्कूल में व्यतीत किए गए हो।

(iv) जर्नीमैन के रूप में सेवा शिक्षुता के समतुल्य समझी जाएगी किन्तु 15 वर्ष की आयु के पूर्व की गई सेवा का कोई समय स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(v) उपर्युक्त से भिन्न कर्मशाला सेवा स्वीकार की जा सकती है यदि वह मोटर इंजीनियर के लाभदायक प्रशिक्षण समझी जाए किन्तु ऐसे सभी मामलों अभ्यर्थी की परीक्षा लिए जाने से पूर्व विचारण के लिए प्रधान अधिकारी का भेजे जाने चाहिए और समुद्री आंतरिक दहन इंजनों पर प्रहृता सेवा के कम से कम अतिरिक्त तीन मास या तो संकसों पर या इन इंजनों द्वारा नौदित जलयानों के मुख्य इंजन कक्ष में नियमित बाल पर इस प्रकार की या ऐसे स्वीकार किए गए दहन इंजनों के बनाने या मरम्मत करने से भिन्न प्रकार की कर्मशाला सेवा के प्रत्येक बारह मास के संबंध में पूरे किए गए हो।

(vi) यदि सेवा पूर्णतः सतोषजनक न हो तो विनिवृष्टि से भिन्न और लम्बी अतिरिक्त अवधि की अपेक्षा की जा सकती है।

(vii) अपेक्षित चार वर्ष की कर्मशाला सेवा में कोई कमी आंतरिक दहन इंजनों द्वारा नौदित 565 ब्रेक अश्व शक्ति में अन्यून के जलयानों के मुख्य इंजन कक्ष में जल मार्गस्थ पण्य सेवा द्वारा या नियमित बाल द्वारा पूरी की जा सकती है।

(viii) यदि जलयान समुद्र में जाने वाला जलयान है तो कम कालावधि की डेढ़ गुनी कालावधि तक सेवा की जानी चाहिए और यदि आंतरिक जलयान है तो कम कालावधि की सेवा दो गुनी कालावधि

तक सेवा की जाने की अपेक्षा की जाएगी, इस प्रकार अभ्यर्थी जिसने कोई कर्मशाला सेवा नहीं की है उसे यथोचित समुद्र में जाने वाले जलयान में छह वर्ष या अपनी शिक्षुता के बचने में अंतर्देशीय जलयान में नौ वर्ष सेवा करनी चाहिए।

(ख) ऊपर वर्णित कर्मशाला सेवा या अनुकल्पी जलमार्गस्थ पण्य सेवा के अतिरिक्त अभ्यर्थी को 565 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के आंतरिक दहन इंजनों द्वारा नौदित समुद्र में जाने वाले पोत के मुख्य इंजन पर इंजीनियर या नियमित बाल के रूप में समुद्र पर अठारह मास या समान अंतर्देशीय जलयान में मल्वाईस मास व्यतीत करने चाहिए।

(ग) (i) उसका लेख सुपाइय होना चाहिए और उसे साधारण और दशमलव भिन्नों और अंकों और घनमूलों तक का और उनके साथ-साथ गणित का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

(ii) उसे कप्तानी या लोवरभारित सुरक्षा और एवजों बालों से संबंधित प्रश्नों को हल करने में समर्थ होना चाहिए।

(iii) तेलों और गामग्रियों की खपत, टैन्को, बकरों आदि की धमना।

(iv) जलयानों की गति और अन्य समान समस्याएं और उसे दो गई लम्बाई चौड़ाई के बाल रिमीवरों के लिए यथोचित कार्यकारी दावों को और मशीनरी के ब्रेक टनल गैपटों और अन्य भागों पर प्रति स्क्वायर इन्च प्रतिबल को, जब आवश्यक आंकड़े दिए जाए, परिकल्पना करने में समर्थ होना चाहिए।

(घ) उसे उन मिश्रितों को स्पष्टीकरण देने में जिन पर तेल, गैस या अन्य आंतरिक दहन इंजन कार्य करते हैं, जिनके अन्तर्गत उबलन की प्रणालियां भी हैं, उनके बीच अंतर बताने में और उदाहरणात्मक रेखाचित्रों द्वारा और अन्यथा यह दर्शाते करने में भी समर्थ होना चाहिए कि वह, साधारण उपयोग में उनकी संरचना के अर्थों को समझता है।

(ङ) उसे विभिन्न प्रकार के इंजनों में मिलिण्डरों के लिए बायु और ईंधन का प्रदाय करने की विभिन्न प्रणालियों से, और ईंधन को कार्बुरेटिंग गेटोमाइजिंग या गैसीभूत करने के लिए उपकरण की रचना से और मिलिण्डर पिस्टनों को ठंडा करने के साधनों से अवगत होना चाहिए।

(च) उसे कर्मशाला में आंतरिक दहन इंजनों की रचना में की गई प्रक्रिया की और पॉल फलक पर मशीन फिट करने में उपयोग की गई पद्धतियों की समाधानप्रद जानकारी होनी चाहिए।

(छ) उसे जानना चाहिए कि मशीनरी के विभिन्न भागों पर किनना ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है और उसे विभिन्न बालों, काकसों, पाइपों और कन्वर्शनों का उपयोग और प्रबंध समझना चाहिए।

(ज) (i) उसे उन मुख्य कारणों का कथन और वर्णन करने में, जो कि इंजन का स्टार्ट करना कठिन बना सकते हैं और यह स्पष्ट करने में समर्थ होना चाहिए कि वह उनमें होने वाली किसी त्रुटि को कैसे ठीक करेगा।

(ii) वह यह दर्शित करने में भी समर्थ होना चाहिए कि वह स्टार्ट करने और रिवर्स करने का व्यवस्थाओं से संबंधित यांत्रिकत्व को समझता है और उसमें होने वाली त्रुटियों को दूर कर सकता है।

(झ) उसे समझना चाहिए कि मशीनरी में होने वाली साधारण घिसाई के नुकसान को कैसे दूर किया जाए, शीपटींग आदि की श्रृंखला का कैसे परीक्षण किया जाए, दुर्घटना, विस्फोट से होने वाली त्रुटियों को कैसे दूर किया जाए और अव्यवस्था या पूर्ण रूप से फेब हो जाने की दशा में कैसे स्थायी या अस्थायी मरम्मत की जाए।

(अ) उसे बाब प्रभावी बैरीमोटर, थर्मोमीटर की रचना की और इंजन कक्ष में उपयोग किए जाने वाले इंजनों और उन गिट्टियों को समझना चाहिए जिन पर वे कार्य करते हैं।

(द) उसे सेन्ट्रीफ्यूगल बाल्टी और प्लंजन पम्पों की रचना और कार्यकरण को और उन सिद्धांतों को समझना चाहिए जिन पर वे कार्य करते हैं।

(ठ) उसे वायु गंपीधकों, गैस उत्पादकों, स्पीयरिंग इंजनों, विद्युत इंजनों और डाइनमो, विद्युत मोटरों, प्रशीतन, हाइड्रोलिक और पोंत फ्लक पर पाई जाने वाली अन्य सहायक मशीनरी की रचना और कार्य-करण को समझना चाहिए।

(ड) उसे सहायक स्टीम बायलरों और मशीनरी का संरचना और प्रबंध की अच्छी कार्यकारी जानकारी होनी चाहिए और उसे दहन उष्मा और स्टीम से संबंधित प्रमुख तथ्यों से अवगत होना चाहिए।

(ढ) उसे आंतरिक दहन इंजनों में साधारणतया उपयोग किए जाने वाले विभिन्न तेलों की प्रकृति और गुणों से अवगत होना चाहिए, उसे समझना चाहिए कि फ्लैश प्वाइंट से क्या अभिप्रेत है और उसे इन तेलों प्राप्ति के द्वारा, जब वह वायु की निश्चित मात्रा के साथ मिश्रित किए जाएं निकाली गई वाष्प पर गैस के विस्फोटक गुणों की होनी चाहिए और उसे नग्न प्रकाश में ऐसी गैस या वाष्प के उद्भावन से या तेल के टैंकों से, विशेष रूप से जलयानों के तलों और असंबाधित स्थानों में या गैस उत्पादकों, पाइप वायुबलों प्राप्ति से कोई क्षरण होने दिए जाने के खतरे से पूर्णरूप से परिचित होना चाहिए।

(ण) (i) उसे तेल या गैस से लगने वाली आग या होने वाले विस्फोटन के संबंध में किए जाने वाले पूर्वोपायों को पूर्णरूप से समझना चाहिए और यह जानना चाहिए कि आग लग जाने की दशा में क्या कार्यवाही की जाए।

(ii) उसे बायर गेज डायग्रामों की क्रिया से जब वे पाइपों में रखे जाएं और तेल के टैंकों में तेल वाष्प के विस्फोटन या ज्वलन का निवारण करने के प्रयोजन के लिए उनके कनेक्शनों से परिचित होना चाहिए।

(त) उसे प्रारंभिक और द्वितीय बेटरियों और प्रेरण कुंडलियों की प्रमुख रचना और व्यवस्थाओं को, जहां तक तेल के इंजन के कुशल प्रबंध के लिए आवश्यक है, स्पष्ट करने में समर्थ होना चाहिए।

(थ) उसे संकेतक डायग्रामा के उपरिचरण और परिकल्पना करने में और सिलिण्डर में गैस की क्रिया, जैसा वहां वर्णित हो, समझने में समर्थ होना चाहिए।

(द) उसे मशीनरी के किसी सादा भाग का लम्बाई चौड़ाई सहित कार्यकारी रेखाचित्र आरेखन बनाने में समर्थ होना चाहिए।

(घ) कोई ऐसा इंजीनियर भी जिनके पास वाष्प जलयान अधिनियम या इन नियमों के अधीन अनुवृत्त प्रथम या द्वितीय वर्ग इंजन ड्राइवर सक्षमता प्रमाणपत्र (वाष्प) हो मोटर इंजीनियर के प्रमाणपत्र के लिए पात्र है।

(न) (i) उसने समुद्र में जाने वाले वाष्प पोतों के लिए पोत परिचहन अधिनियम के अधीन अनुवृत्त या विधिमान्य रूप से मान्यता-प्राप्त प्रथम वर्ग सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करते हुए 565 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के आंतरिक दहन इंजनों द्वारा नौदित समुद्र में जाने वाले पोत के मुख्य इंजनों पर नियमित वाच पर सहायक इंजीनियर के रूप में छह मास से अन्यून के लिए या वैसे ही अनर्देशीय जलयान में दो मास के लिए सेवा को हो।

(ii) उसे परीक्षक का यह भी समाधान करना चाहिए कि वह आंतरिक दहन इंजनों से पूर्णतया अवगत है और उसे निश्चित और मौखिक दोनों परीक्षाओं में भी यह दक्षित करने में समर्थ होना

चाहिए कि उसे नियमों के खंड (ध) में (ज) तक में और खंड (ड) में (घ) तक में दिए गए विषयों की समाधानपत्र जानकारी है।

(प) उसे समुद्र में जाने वाले पोतों के लिए वाणिज्यिक पोत परिचहन अधिनियम के अधीन अनुवृत्त या विधिमान्य रूप से मान्यता-प्राप्त द्वितीय वर्ग सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करते हुए 565 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के आंतरिक दहन इंजनों द्वारा नौदित समुद्र में जाने वाले पोत के मुख्य इंजनों पर नियमित वाच पर सहायक इंजीनियर के रूप में बारह मास से अन्यून के लिए या वैसे ही अनर्देशीय जलयान में अट्ठारह मास से अन्यून के लिए सेवा को हो।

(ii) उसे परीक्षक का यह भी समाधान करना चाहिए कि वह आंतरिक दहन इंजनों से पूर्णतया अवगत है और उसे निश्चित और मौखिक दोनों परीक्षाओं में यह दक्षित करने में समर्थ होना चाहिए कि उसे खंड 1(ध) से 1(स) तक में और खंड (ड) में (घ) तक में दिए गए विषयों की जानकारी है।

(फ) ऐसे इंजीनियरों को, जिनके पास इंजीनियरों के रूप में वाष्प जलयान अधिनियम या इन नियमों के अधीन अनुवृत्त साधारण सक्षमता प्रमाणपत्र है, मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के अनुदान के लिए परीक्षा की जा सकती है।

परन्तु यह तब जब कि वाष्प जलयान अधिनियम के अधीन या इन नियमों के अधीन अनुवृत्त इंजीनियर प्रमाणपत्र धारण करते हुए उन्होंने 565 ब्रेक अश्व शक्ति से अन्यून के आंतरिक दहन इंजनों द्वारा नौदित समुद्र में जाने वाले पोतों के मुख्य इंजीनियरों पर नियमित वाच पर सहायक इंजीनियर के रूप में बारह मास से अन्यून के लिए या वैसे ही अनर्देशीय जलयान पर अट्ठारह मास से अन्यून के लिए सेवा की हो।

38. इंजीनियरों की परीक्षा के बारे में साधारण विनियमः—परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के उपयोग के लिए सभी आवश्यक पुस्तकों की व्यवस्था की जाएगी और आवेदकों को परीक्षा कक्ष में कोई पुस्तक, कागज, दस्तावेज या किसी भी प्रकार का साधन ले जाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी और इसके पश्चात् निदिष्ट उपबन्धों के अध्वधीन रहते हुए उन्हें स्लेट या रूई कागज पर अपने प्रश्नों को हल करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

39. अभ्यर्थी को अपने कार्य का कोई भाग आबंटित समय समय से रद्द करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा और जब अपेक्षित हो, परीक्षक द्वारा अतिरिक्त कागजों का प्रदाय किया जाएगा और वे अनिश्चित कागज परीक्षा पत्रों में संलग्न और उनका भाग होना चाहिये।

40. किसी अभ्यर्थी के दूसरे अभ्यर्थी से प्रतिनिधि करते हुए या दूसरे की कोई सहायता करने हुए या कोई गूचना देते हुए या किसी भी तरह दूसरे के साथ परीक्षा के समय के दौरान सम्पर्क बनाते हुए पकड़े जाने की दशा में, उसे अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए समझा जाएगा और उसे तीन मास के लिए उसी रीति से उसे बापस कर दिया जाएगा मानो वह परीक्षा के प्रयोगात्मक भाग में अनुत्तीर्ण हो गया है और ऐसी फीस का कोई भाग, जो उसने परीक्षा के लिए संवत् की हो, उसे बापस नहीं किया जाएगा।

41. यदि कोई अभ्यर्थी किसी ऐसे प्रश्न का उत्तर देने के पूर्व, जो उसे दिया गया है, कक्ष छोड़ना है, तो उसे तत्पश्चात् उसका उत्तर देने की अनुज्ञा नहीं दी जा सकती, किन्तु परीक्षक अन्य आंकड़े या दूसरे प्रश्न उसकी जगह दे सकता है।

42. मोटर इंजीनियर प्रमाणपत्र के लिए अभ्यर्थियों की परीक्षा के चार भाग होंगे, गणित, आरेखन, प्रारंभिक प्रश्न और मौखिक परीक्षा। जब गणित में प्राप्त किए गए अंक 28 हों अर्थात् अधिकतम के दो तिहाई, तो अभ्यर्थी गणित में उत्तीर्ण होगा।

43. मोटर इन्जीनियर प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी आवेदकों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे ऐसे दस प्रश्नों का लिखित उत्तर दें जोकि उनकी परीक्षा के समय अभ्यर्थियों की जानकारी का अनुमान लगाने के लिए और अभ्यर्थियों को उनके हस्तलेख एवं हिज्जे की तरफ अधिक ध्यान देने के लिए प्रेरित करने के लिए बनाए गए हों।

44. परीक्षक मौखिक परीक्षा में बाध्य हज्जतों और बाधकों के प्रयोगात्मक प्रबंध पर प्रश्न पूछ सकता है।

45. यदि समय की समाप्ति पर अभ्यर्थी ने उसे दिए गए सभी प्रश्नों को सही सही हल कर लिया है और उसने मौखिक परीक्षा में संतोषप्रद उत्तर दिए हैं, तो वह उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा।

46. यदि अनुज्ञात समय की समाप्ति पर उसने उसके लिए गए सभी प्रश्नों को हल नहीं किया है किन्तु यदि ऐसे प्रश्नों के उत्तर के जिन्हें उसने हल किया है, सहयोग से ली गई मौखिक परीक्षा परीक्षक का यह समाधान करने के लिए पर्याप्त है कि आवेदक इन्जनों का भार-साधक हानि के लिए सक्षम है तो वह उत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा।

47. अन्य मामलों में वह अनुत्तीर्ण हुआ घोषित किया जाएगा।

48. परीक्षा की रिपोर्ट और परीक्षा पत्र परीक्षक द्वारा विहित प्ररूप पर प्रधान अधिकारी को भेजे जाएंगे।

49. यदि अभ्यर्थी उत्तीर्ण हो जाता है तो उसे इस आगम्य का प्रारूपिक टिप्पण प्राप्त होगा जिस पर प्रधान अधिकारी ऐसे अभ्यर्थी को, जिसके शंसापत्र आदि उसी समय वापस किए जाएंगे, प्रमाणपत्र देगा।

50. फीस—(क) परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों में अपना आवेदन करते समय अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वे कोई भी कार्यवाई किए जाने के पूर्व जो चाहें उनकी सेवाओं के बारे में जांच करने के संबंध में हो, उनकी अर्हताओं आदि का परीक्षण करने के संबंध में परीक्षा फीस का संदाय करें।

(ख) फीस का कोई भाग किसी भी परिस्थिति में उन्हें वापस नहीं किया जाएगा किन्तु यदि यह पाया जाए कि उनकी सेवाये परीक्षा लिए जाने के लिए उन्हें हकदार बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है या उनके प्रमाणपत्र असंतोषजनक है तो किसी अनिश्चित फीस का संदाय किए बिना, यथास्थिति, जब उन्होंने अपेक्षित सेवा पूरी कर दी हो या वे संतोषजनक प्रमाणपत्र पेश करने में समर्थ हों, उन्हें परीक्षा के लिए उपस्थित होने के लिए अनुज्ञात कर दिया जाएगा।

(ग) परीक्षा के लिए फीस का संदाय वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला को किया जाना चाहिये।

(घ) यदि कोई अभ्यर्थी अपनी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो उसे फीस का, जिसका उसने संदाय किया है, कोई भाग उसे वापस नहीं किया जाएगा।

फीस यथानिमित्तलिखित है:—

द्वितीय वर्ग इन्जन ड्राइवर या द्वितीय वर्ग	
मोटर इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र	10 रु०
प्रथम वर्ग इन्जन ड्राइवर या प्रथम वर्ग मोटर इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र	15 रु०
इन्जन ड्राइवर अनुज्ञा पत्र	10 रु०

51. प्रयासित रिश्तत:— (क) यदि कोई अभ्यर्थी किसी अधिकारी को उपदान की प्रस्थापना करता है तो यह समझा जाएगा कि उसने दुर्गचार का कार्य किया है और उसको अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(ख) उगको कम से कम बारह मास की कामाधि बीन जाने तक पुनः परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

52. असफलता—(क) यदि आवेदक मौखिक परीक्षा में या परीक्षा के प्रयोगात्मक भाग में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो वह तब तक पुनः परीक्षा नहीं दे सकेगा जब तक कि वह जलमार्गस्थ पण्य सेवा में अतिरिक्त तीन मास की सेवा के सबूत न पेश करे।

(ख) यदि वह केवल गणित या चिन्ताकन में अनुत्तीर्ण होता है तो वह किसी भी समय पुनः परीक्षा दे सकेगा;

(ग) इन्जन ड्राइवरों की सारंग या पश्चात टिन्डल या द्वितीय ड्राइवर के रूप में सक्रिय सेवा के छह मास के पश्चात् नए मिरे से परीक्षा ली जा सकेगी, यदि भागतः परीक्षा दणित करती है कि उनसे अहित होने की युक्तियुक्त रूप से आशा की जा सकती है।

53. साधारण—(क) इन्जीनियर और मोटर इन्जीनियर प्रमाणपत्र प्रथम और द्वितीय वर्ग इन्जीनियर ड्राइवर प्रमाणपत्र और प्रथम और द्वितीय वर्ग मोटर इन्जन ड्राइवर प्रमाणपत्र उपबन्ध (ज) में विनिर्दिष्ट—में बनाए जाएंगे और जारी किए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक ऐसा प्रमाणपत्र दो प्रतियों में बनाया जाएगा और ऐसे प्रमाणपत्र के लिए हकदार प्रत्येक व्यक्ति प्रधान अधिकारी को पासपोर्ट साइज की अपनी फोटों की दो प्रतियां देगा जिन में से एक प्रति प्रमाणपत्र की प्रत्येक प्रति पर चिपकाई जाएगी।

(ग) प्रमाणपत्र की एक प्रति प्रमाणपत्र के लिए हकदार व्यक्ति को परिदत्त की जाएगी और दूसरी प्रधान अधिकारी द्वारा रखी और अभिलेखबद्ध की जाएगी।

#### अध्याय 4

54. पैराडीप पत्तन में चलने वाले 40 बेक अरब शक्ति से या 15 आकलित अरब शक्ति से अधिक के मोटर या बाध्य जलयानों के इन्जीनियरों या ड्राइवरों को अनुज्ञा पत्रों का अनुदान

अनुज्ञापत्रों का अनुदान उन व्यक्तियों को किया जाएगा जो अपेक्षित परीक्षाएं उत्तीर्ण करने हैं और अन्यथा अपेक्षित शर्तों का पालन करते हैं तथा इस प्रयोजन के लिए कलकत्ता पत्तन पर कानिक्तः परीक्षाएं लेने के लिए इत्तजाम किए जाएंगे।

55. परीक्षा:—(क) परीक्षाएं वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला द्वारा, जिसे इसमें इसके पश्चात् परीक्षक कहा गया है, ली जाएगी।

(ख) परीक्षाएं पूर्वाह्न में शीघ्र ही प्रारम्भ होंगी और तब तक चालू रहेंगी जब तक कि ऐसे सभी अभ्यर्थियों की परीक्षा नहीं ले ली जाती है जिसके नाम प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला, कलकत्ता को, जिसे इसमें इसके पश्चात् परीक्षा के दिन प्रधान अधिकारी कहा गया है, सूची में दिए गए हैं।

(ग) (1) परीक्षा के लिए अभ्यर्थी अपने आवेदन नीचे दिए गए प्रारूप 7 में करेंगे, जोकि प्रधान अधिकारी के, या ऐसे पदाधिकारी के समक्ष भरा जाएगा, जो उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त किया जाए।

(2) आवेदक की सेवा के शंसापत्रों सहित, जोकि नियोजक के कार्यालय अभिलेखों पर आधारित होने चाहियें, उचित रूप से भरा हुआ प्ररूप परीक्षा के दिन से कम से कम तीन दिन पूर्व प्रधान अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिये।

(घ) परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों से प्ररूप सात में विनिर्दिष्ट प्ररूप में अपने आवेदन करते समय यह भी अपेक्षा की जाएगी कि वे 10 रु० की फीस का संदाय प्रधान अधिकारी को या इस निमित्त उसके द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत अधिकारी को करें।

(ङ) अनुज्ञापत्र के लिए अभ्यर्थियों की प्रायु हकीम बर्ष होनी चाहिये और उसने किसी इन्जीनियरिंग फर्म या फर्मशाला में कम से कम दो लगातार वर्षों तक सेवा की हो जिनमें से छह मास से अन्तुन की सेवा मोटर इन्जन के भारसाधक सहायक ड्राइवर या फिटर की हैसियत से होनी चाहिए।

(ब) उसे मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए और परीक्षक का समाधान करना चाहिए कि—

- (1) वह मोटर इन्जनों का कार्यकरण और प्रबन्ध एवं मैग्नेटों, कारबुरेटर्स, जल संचालन और तेल पम्पों, स्पाकिंग प्लगों आदि का पृथक् उपयोग पूर्णरूप से समझता है और किसी सीमा तक उनकी संक्रियाओं के वास्तविक सिद्धांतों को स्पष्ट करने में समर्थ है;
- (2) वह मोटर इन्जनों को खोलने और उनके किसी आवश्यक भाग की अत्यधिक बिसाई या अन्य कृटि का, जहां वह हो, पता लगा सकने में और उस भाग की पुनः ठीक से लगा सकने में समर्थ है;

(3) वह यह पता लगाने में समर्थ है कि इन्जन के स्टार्ट न होने की दशा में या किसी आवश्यक भाग के अपने उचित रूप से कार्य न करने की वशा में कहां पर त्रुटि है;

(4) वह यह दर्शित करने में समर्थ है कि वह मशीनरी के किसी हिस्से के बेकार हो जाने की वशा में कैसे कार्य करेगा;

(5) वह यह दर्शित करने में समर्थ है कि वह अग्नि के खतरों को पूर्ण रूप से अनुभव करता है और यह भी समझता है कि उसका निवारण करने के लिए क्या आवश्यक पूर्वोपाय किए जाएं और यह भी कि जब वास्तव में आग लग जाए तो क्या करना चाहिए।

(छ) यदि अभ्यर्थी उत्तीर्ण हो जाता है तो प्रधान अधिकारी उसे प्ररूप 8 में अनुज्ञा पत्र देगा।

#### प्राकृप 1

[नियम 5 (क) देखिए]

पैरावीप पत्तन में बजने वाले

100 आकलित अश्व शक्ति/किसी आकलित अश्व शक्ति से कम के इन्जनों वाले वाण्य जलयान

565 ब्रेक अश्व शक्ति/किसी ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इन्जनों वाले मोटर जलयान

के मास्टर

या

40 आकलित अश्व शक्ति से कम के इन्जनों वाले वाण्य जलयान

के मारंग

226 ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इन्जनों वाले मोटर जलयान

के रूप में कार्य करने के प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा लिए जाने के लिए आवेदन

अपेक्षित विधिष्ठियों की भरने के पूर्व अभ्यर्थी को खंड (1) में दी गई सूचना और घोषणा मावधानीपूर्वक पढ़नी चाहिए।

(क) अभ्यर्थी का नाम और विधिष्ठियाँ

पूरा नाम	जन्म की तारीख और स्थान	स्थायी पता जिसमें शहर या ग्राम, गली और गृह की संख्या और उस व्यक्ति का नाम (यदि कोई हो), जिसके साथ निवास कर रहे हैं, कथित हों।
----------	------------------------	---

(ख) सभी पूर्व प्रमाणपत्रों की (यदि कोई हो) विधिष्ठियाँ

संख्या	'संज्ञकता' सेवा या आर०एन० अंकी	कहाँ से जारी किया गया	जारी करने की तारीख	यदि किसी समय रद्द या निर्य- तारीख	कारण
	आर०				बिन किया गया तो बताएं किस न्यायालय या किस प्राधि- कारी द्वारा

(ग) प्रमाणपत्र जो अब अपेक्षित है

अंकी	पता जिस पर उसे भेजा जाना है	तारीख	पत्तन जिसके लिए प्रमाणपत्र अपेक्षित है	वह विषय जिसमें अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हुआ है।
------	-----------------------------	-------	--	--

(घ) यदि अभ्यर्थी अब अपेक्षित प्रमाणपत्र के लिए पूर्व परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है तो उसे यह अवश्य बताना चाहिए कि वह कब अनुत्तीर्ण हुआ है यदि वह अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है, तो उसे इस खंड में लिखित रूप से अवश्य ऐसा बताना चाहिए।

(ङ) प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग का प्रमाणपत्र, घोषणा (1) पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और—र० का फीस मुझे प्राप्त हुई थी।

तारीख

प्रधान अधिकारी  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला

## (च) परीक्षकों का प्रमाणपत्र

परीक्षा की तारीख और स्थान		उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण
तारीख	स्थान	

## (छ) अभ्यर्थी का व्यक्तिगत विवरण

लम्बाई	रंग-रूप	रंग	विलक्षणता का व्यक्तिगत चिह्न, यदि कोई हो
फुट	इन्च	बाल	नेत्र

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि खंड (च) और (छ) में दी गई विनिष्टियाँ ठीक हैं और अभ्यर्थी ने सेवा के समाधान शंकापत्र और सबूत पेश किए हैं।

तारीख

प्रधान अधिकारी  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला

(ज) शंकापत्रों की सम्पूर्ण सूची और प्रारंभ से वा वर्तमान प्रमाणपत्र की तारीख से सेवा का पूर्ण विवरण।

(शंकापत्रों को नीचे दिए गए विवरण के प्रथम स्तम्भ में दी गई संख्या के अनुसार क्रमिक रूप से संबंधित किया जाए)

प्रमाण शंका-पत्रों की सं० यदि कोई हो, संख्या	पोन का नाम	पोन टन मान और आकलित घटक शक्ति की विनिष्टियाँ	आवेदक की सेवा की विनिष्टियाँ			व्यवसाय जिसमें नियोजित था	टिप्पणियाँ	सत्यापक के आदेशाक्षर
		हैमियन	प्रारंभ की तारीख	समाप्ति की तारीख	सेवा काल वर्ष मास दिन			

कुल सेवा

वह सेवाकाल, जिसके लिए अब शंकापत्रों की सबूत पेश किया गया है।

वह सेवाकाल, जिसके लिए कोई सबूत पेश नहीं किया गया है।

(झ) अभ्यर्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा

(सूचना:—कोई व्यक्ति जो अपने लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए मक्षमता प्रमाणपत्र प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ कोई मिथ्या परिचाय करता है या करने के लिए दलाली करता है या करने में सहायता करता है, अभियोजन के लिए दायी होगा)

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उक्त प्रारूप के खंड (क), (ख), (ग), (घ) और (ज) में दी गई विनिष्टियाँ मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और सही हैं और खंड (ज) में परिगणित और इस प्रारूप के साथ भेजे गए दस्तावेज सही और असली दस्तावेज हैं जो उन व्यक्तियों द्वारा दिए गए और हस्ताक्षरित हैं जिनके नाम उनमें दिए हुए हैं। मैं आगे घोषणा करता हूँ कि विवरण (ज) में बिना अपवाद के मेरी सम्पूर्ण सेवाओं का नहीं और ठीक लेखा दिया गया है। और मैं यह घोषणा शुद्ध अंतःकरण से इसको सही मानते हुए करता हूँ।

तारीख

प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला की उपस्थिति में हस्ताक्षरित।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर  
वर्तमान पता

प्रारूप 2

[नियम 11 देखिए]

दृष्टि परीक्षण किए जाने के लिए आवेदन

(क) अभ्यर्थी का नाम आदि

1. पूरा नाम

2. कुल नाम

3. स्थायी पता : शहर या ग्राम, गली और गृह की संख्या और उस व्यक्ति का नाम (यदि कोई हो) जिसके साथ निवास कर रहे हैं, लिखिए।

4. जन्म तारीख

5. जन्म स्थान

शहर या ग्राम

देश और/या जिला

6. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा की है तो निम्नलिखित बताइए:—

- (1) वर्षों की संख्या
- (2) वर्तमान श्रेणी और प्रमाणपत्र की संख्या और वर्ग (यदि कोई हो)

7. यदि अभ्यर्थी ने समुद्र पर सेवा नहीं की है तो निम्नलिखित बताइए:—

- (1) यदि समुद्र पर जाने वाला है
- (2) किस हैमियत से।

(ख) यदि अभ्यर्थी का पहले दृष्टि परीक्षण किया जा चुका है, तो उसे बताना चाहिए कि कब और कहाँ अंतिम परीक्षा ली गई थी और प्रत्येक विषय के सामने, यथास्थिति, 'उत्तीर्ण', 'अनुत्तीर्ण' या 'परीक्षा नहीं ली गई' लिखना चाहिए। यदि अभ्यर्थी सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करता है तो उसका वर्ण के संबंध में दृष्टि परीक्षण नहीं किया जाता चाहिये और परीक्षा नहीं ली गई प्रविष्टि खण्ड II में की जानी चाहिये।

8. तारीख

9. पत्तन

10. दृष्टि परीक्षण का प्राप्ति

पुराना नया

11. वर्ण-दृष्टि परीक्षण

(ग) अभ्यर्थी द्वारा की जाने वाली घोषणा।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि हम प्ररूप के खंड (क) और (ख) में दी गई विशिष्टियाँ मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और सही हैं।

और मैं यह घोषणा शुद्ध अंतःकरण से इस सही समझते हुए करता हूँ।

तारीख

(अभ्यर्थी के हस्ताक्षर)

(घ) फीस के लिए प्रधान अधिकारी की रसीद

12. प्राप्त की गई रकम : एक रुपया

13. प्राप्ति की तारीख

14. स्थान जहाँ प्राप्त की गई।

उपर्युक्त घोषणा पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और ताबित फीस मुझे प्राप्त हुई थी।

प्रधान अधिकारी

वाणिज्यिक समुद्री विभाग

कलकत्ता जिला

(ङ) परीक्षा का प्रमाण-पत्र

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर सामित अभ्यर्थी का मैंने रूप और वर्ण के संबंध में इस दिन दृष्टि परीक्षण किया था और उसका निम्नलिखित परिणाम हुआ :

15. रूप \*दृष्टि परीक्षण

पुराना नया

\*'उत्तीर्ण' या 'परीक्षा नहीं ली गई', जैसी भी दृष्टि परीक्षण में स्थिति हो यहाँ प्रविष्ट कीजिए, यदि अभ्यर्थी सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करता है तो प्रविष्टि 'परीक्षा नहीं ली गई' होनी चाहिए।

16. वर्ण दृष्टि परीक्षण

परीक्षक का पत्तन

तारीख :

सेवा में,

प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग,

कलकत्ता जिला।

परीक्षक को इस प्ररूप को भरना चाहिए और परीक्षा के दिन निम्नलिखित को भेजना चाहिए।

प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग,

कलकत्ता जिला।



## प्ररूप-3

[नियम 24(क) देखिए]

अंतर्वेशीय बाष्प जलयान के बगं मास्टर/सारंग के रूप में सक्षमता प्रमाण-पत्र के लिए

परीक्षा लिए जाने के लिए आवेदन

टिप्पणी :—यह प्ररूप पतन कार्यालय में निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। इस प्ररूप के खंड (क), (ख), (ग), (घ), (ङ) और (छ) परीक्षा के लिए अभ्यर्थी द्वारा भरे जाएंगे और उसके प्रशंसापत्रों और पूर्व प्रमाण-पत्रों, यदि कोई हों के साथ वाणिज्यिक समुद्री विभाग की दिए जाएंगे।

अपेक्षित विनिष्टियों को भरने से पूर्व आवेदक को संलग्न सूचना मावधानीपूर्वक पढ़नी चाहिए।

(क) आवेदक का नाम और विनिष्टियां।

पूरा पता	पिता का नाम	स्थायी पता जिसमें शहर, गली और गृह की संख्या और उस व्यक्ति का नाम (यदि कोई हो) जिसके साथ निवास कर रहा है, कथित हो।
(1)	(2)	(3)

जन्म तारीख			कहां जन्म हुआ		
तारीख	मास	वर्ष	शहर या ग्राम और थाना	देश या जिला	
(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	

(ख) सभी पूर्व प्रमाण-पत्रों (यदि कोई हो) की विनिष्टियां, जहाँ वे भारत में दिए गए हों या अत्यंत।

संख्या	'सक्षमता' या 'सेवा' वर्तमान या पूर्ववर्ती	श्रेणी	कहां दिया गया	दिए जाने की तारीख	यदि किसी समय निर्दिष्ट या रद्द किया गया हो तो बतलाइए	तारीख	कारण
(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)

(ग) प्रमाण-पत्र को अब अपेक्षित है।

श्रेणी	अंतर्वेशीय बाष्प जलयानों के लिए	वाणिज्यिक समुद्री कार्यालय, जिसको यह भेजा जाना है
(17)	(18)	(19)
पैरावीप/कलकत्ता		

(घ) यदि आवेदक अब अपेक्षित प्रमाणपत्र के लिए पिछली परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है तो उसे यहां यह बताना चाहिए कि कब और कहां। यदि वह अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है तो उसे इस खंड के सामने लिखित रूप में ऐसा बताना चाहिए।

दिन	मास	वर्ष	पतन
(20)	(21)	(22)	(23)
पैरावीप/कलकत्ता			

(इ) आवेदक द्वारा की जाने वाली घोषणा।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि इस प्ररूप के खंड (क), (ख), (ग), (घ) और (छ) में दी गई बिनिष्टियां मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और सही हैं और खण्ड (छ) में परिगणित इस प्ररूप के साथ भेजे गए वस्तावेजों सही और असली वस्तावेज हैं जो उन व्यक्तियों द्वारा दिए गए और हस्ताक्षरित हैं जिनके नाम उनमें दिए हुए हैं। मैं आगे घोषणा करता हूँ कि बिनिष्टिणी (छ) में बिना अपवाद के मेरी संपूर्ण सेवाओं का सही और ठीक लेखा दिया गया है।

और मैं यह घोषणा शुद्ध अंतः कारण से इसको सही मानने हुए करता हूँ।

तारीख

प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग कलकत्ता जिला की उपस्थिति में हस्ताक्षरित।

पैरादीप/कलकत्ता में

अध्यर्थी के हस्ताक्षर,

सर्वमान पता—

(ज) उपर्युक्त घोषणा (इ) पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए और ..... नं० की प्रीम मुहुरे प्राप्त हुई थी।

तारीख :

कलकत्ता/पैरादीप में

समुद्री सर्वेक्षक,

कलकत्ता/पैरादीप

(छ) शंसापत्रों की सूची और समुद्र या जलमार्ग पथ पर सेवा का विवरण।

(शंसापत्रों की नीचे स्तम्भ 24 में दी गई संख्या के अनुसार क्रमिक रूप से सांख्यिकित किया जाएगा)।

#### आवेदक की सेवा

प्रमाणपत्रों की यदि कोई संख्या	पोत का नाम	आकलित अधवर्षाव	रजिस्ट्री-करण का पक्ष और पोत की शासकीय सं०	व्यवसाय जिसमें नियोजित था						टिप्पणियां	सत्यापक के आदेशाक्षर	
				ट्रेनियत	प्रारम्भ की तारीख	समाप्ति की तारीख	प्रत्येक पोत में समय					
							वा०	मा०	दि०			
24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36

समुद्र या जलमार्ग पथ पर कुल सेवा/मिथा काल जिसके लिए अब प्रमाण पत्र पेश किया गया है।

(ज) परीक्षक का प्रमाणपत्र।

टिप्पणी :—परीक्षकों को खंड (ज) और (झ) की सभी सामग्री में यथाशीघ्र भरना चाहिए और इस कागज को प्रधान अधिकारी कलकत्ता/पैरादीप को भेजना चाहिए। यदि आवेदक उत्तीर्ण हो जाता है तो उसके प्रमाणपत्र और पूर्व प्रमाण पत्र, यदि कोई हों, इस कागज के साथ प्रधान अधिकारी को भेजे जाने चाहिए। तथा प्रमाण पत्र और गगणपत्र आवेदक को खंड (ग) स्तम्भ 19 के कार्यालय लेखा में परिदत्त किए जाएंगे।

परीक्षा की तारीख और स्थान

रैंक जिसके लिए उत्तीर्ण हुआ है

तारीख	स्थान	
37	38	39

पैरादीप/कलकत्ता

(झ) आवेदक का व्यक्तिगत वर्णन

लम्बाई		रूपरंग	व्यक्तिगत चिह्न या बिलक्षणताएँ, यदि कोई हों	संग	
फुट	इंच			बाल	नेत्र
40	41	42	43	44	45

4

हम इसके द्वारा प्रमाणित करते हैं कि खण्ड (ज) और (झ) में अंतर्बिष्ट बिनिष्टियां ठीक हैं। यह प्ररूप और शंसापत्र प्रधान अधिकारी को अग्रेषित किए जाते हैं।

तारीख :

प्रमाणपत्र प्राप्त अंतर्देशीय मास्टर

समुद्री सर्वेक्षक

वाणिज्यिक समुद्री विभाग

प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग

परीक्षकों के हस्ताक्षर

अध्यक्ष

**आवेदक सूचना को फाइलेंगी और अपने पास रखेगा**

1. परीक्षा के समय, स्थान और विषयों आदि के बारे में सूचना के लिए और संपूर्ण साधारण जानकारी के लिए आवेदक को या तो प्रधान अधिकारी से आवेदन करना चाहिए या इन नियमों के प्रति निर्देश करना चाहिए।

2. सक्षमता प्रमाणपत्र उन व्यक्तियों को अनुदान किए जाएंगे जो अपेक्षित परीक्षाएं उत्तीर्ण करने हैं और अन्यथा अपेक्षित णर्मा का पालन करते हैं।

3. परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को अपने आवेदन प्रारूप 3 में भेजने चाहिए और परीक्षा फीस का संदाय कोई कार्यवाही किए जाने के पूर्व, जो उन्हें उनकी सेवाओं के संबंध में जांच किए जाने के बारे में हो या अर्हताओं का परीक्षण आदि करने के बारे में करना चाहिए। यदि यह पाया जाए कि उनकी सेवा उन्हें परीक्षा देने का हकदार बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है तो फीस का कोई भाग वापस नहीं किया जाएगा किन्तु उन्हें अनिर्भर फीस का संदाय किए बिना उसी श्रेणी के प्रमाणपत्र के लिए, जब उन्होंने अपेक्षित सेवा पूरी कर दी हो, परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

4. अरिज और संयतता, अनुभव, योग्यता और पोट के फलक पर आवरण के संसापत्र सभी आवेदकों से परीक्षा किए जाने वाले आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती कम से कम 12 मास की सेवा के लिए, अपेक्षित होंगे और उन्हें पेश किए बिना किसी व्यक्ति की परीक्षा नहीं ली जाएगी।

5. सेवा के संसापत्र साधारणतया उनके नियोजकों के कार्यालय अभिलेखों पर आधारित होने चाहिए।

6. वांछित सेवाएं, जिनका सत्यापन नियोजक के कार्यालय अभिलेखों से नहीं किया जा सकता, उन व्यक्तियों के शपथ पत्रों द्वारा, जिनके अधीन ऐसी सेवाएं की गई हैं और अभ्यर्थी के स्वयं के शपथ पत्र द्वारा अधिप्रमाणित की जानी चाहिए।

7. प्रमाणपत्र प्राप्त मास्टरों और भारगात्रक सारंगों से सेवा के शमा-पत्र जो जलयान के स्वामी या समुद्री अधीक्षक द्वारा सम्यक रूप से अधिप्रमाणित हों, स्वीकार किए जाएंगे।

8. ऐसे अभ्यर्थियों के सभी मामले जो उपबर्णित नियमों में न आने हैं किसी अभ्यर्थी की परीक्षा के लिए अनुज्ञात किए जाने से पूर्व सरकार के विशेष विचारण के लिए भेजे जाएंगे।

9. चूंकि ऐसे व्यक्तियों के मामले हुए हैं जो अपाधता से पीड़ित होते हैं और एक ऐसी असमर्थता से सिजसे वे कतिपय रंगों के बीच भिन्नता नहीं कर सकते, इस लिए सरकार ने विनिश्चय किया है कि मास्टर और सारंग प्रमाणपत्रों के लिए परीक्षा के लिए सभी अभ्यर्थियों का ऐसे रंगों में भिन्नता करने की उनकी योग्यता के बारे में परीक्षण किया जाना चाहिए। यह परीक्षा वाणिज्यिक समुद्र में सेवारत या सेवा प्रारम्भ करने वाला कोई भी व्यक्ति दे सकेगा।

**सक्षमता प्रमाणपत्रों के लिए अर्हताएं**

10. निम्न वर्णित रैंकों के लिए अपेक्षित अर्हताएं यथानिम्नलिखित होंगी—प्रथम वर्ग मास्टर की आयु चौबीस वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और वाष्प जलयान के भारसाधक द्वितीय वर्ग मास्टर के रूप में उसकी सेवा तीन वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए या वह बाईस वर्ष से कम आयु का नहीं होना चाहिए, उसके पास किसी अधिनियमित के अधीन अनुवर्त द्वितीय सेट के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र होना चाहिए और अंतर्देशीय वाष्प जलयान के सेट के रूप में या समतल नदी के मास्टर के रूप में उसकी सेवा एक वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए अथवा उसकी आयु चौबीस वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और उसकी सेवा या तो समुद्र पर तीन वर्ष से अन्यून और नदी के स्टीमर के सेट के रूप में तीन वर्ष या समतल नदी के मास्टर के रूप में तीन वर्ष की होनी चाहिए

या नदी के स्टीमर के सेट के रूप में या समतल नदी के मास्टर के रूप में छह वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।

द्वितीय वर्ग मास्टर की 22 वर्ष से कम आयु नहीं होनी चाहिए और उसे संयतता और बुद्धिमान का समाधानप्रद प्रमाणपत्र पेश करना चाहिए। उसकी सेवा समुद्र पर या अंतर्देशीय जलों पर कम से कम पांच वर्ष होनी चाहिए जिनमें से अन्तिम तीन वर्ष की सेवा 45 आकलित अश्व शक्ति के वाष्प जलयान के मुख्य कर्णधार के रूप में होनी चाहिए या अनुकल्पन: 3 वर्ष की सेवा 15 आकलित अश्वशक्ति के वाष्प जलयान के प्रमाणपत्र प्राप्त सारंग के रूप में होनी चाहिए।

सारंग की आयु इक्कीस वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और उसे संयतता और बुद्धि का समाधानप्रद प्रमाणपत्र पेश करना चाहिए। उसकी सेवा समुद्र पर या अंतर्देशीय जलों पर 4 वर्ष होनी चाहिए। जिनमें से अन्तिम वर्ष की सेवा अंतर्देशीय वाष्प जलयान पर कर्णधार के रूप में होनी चाहिए।

परीक्षा के लिए, फीस का संदाय प्रमुख अधिकारी को किया जाना चाहिए। किसी ऐसे मामले में जिसमें अभ्यर्थी किसी अन्य अधिकारी की धन की प्रस्थापना करता है और पत्तन में भिन्न स्थान में कार्यालय में करता है तो धन की प्रस्थापना करने वाला अभ्यर्थी के बारे में यह माना जाएगा कि उसने बुराचार का कार्य किया है और उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा और बारह मास तक पुनः परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

प्रारूप 4

(नियम 26)

पैरावीप पत्तन में चलने वाले 100 आकलित अश्व शक्ति/  
किसी आकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प  
जलयान ..... के मास्टर  
565 ब्रेक अश्व शक्ति/किसी ब्रेक अश्व शक्ति से कम के  
इंजनों वाले मोटर जलयान

या

40 आकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प  
जलयान ..... के सारंग  
226 ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान  
के रूप में सक्षमता का प्रमाणपत्र

सेवा में,

आप, परीक्षा के पश्चात् पैरावीप पत्तन में चलने वाले 100  
आकलित अश्व शक्ति/किसी आकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले  
वाष्प जलयान ..... के मास्टर  
565 ब्रेक अश्व शक्ति/किसी ब्रेक अश्व शक्ति से कम के  
इंजनों वाले मोटर जलयान

40 आकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जाल-  
यान ..... सारंग

226 ब्रेक अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर  
जलयान के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए सम्यक रूप से अर्हित मास्टर/सारंग  
पाए गए हैं, मैं इसके द्वारा आपको उक्त पत्तन में चलने के लिए ऐसे  
के रूप में इस सक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान करता हूं।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से किया गया।

प्रधान अधिकारी,  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,  
कलकत्ता जिला।

तारीख :

प्रमाणपत्र की संख्या

.....वाहक.....का पुत्र श्री.....

तारीख\* और जन्म स्थान जिसके साथ ग्राम, थाना और जिला दर्शित हों  
\* यदि ठीक न मासूम हो तो सर्वोत्तम जानकारी या उपलब्ध साक्ष्य पर लिखी जानी चाहिए।

निवास स्थान जिसके साथ ग्राम, थाना और जिला दर्शित हों।

ऊंचाई :

व्यक्तिगत वर्णन जिसमें विशेष रूप में कोई स्थायी चिह्न या निशान बताया गया हो।

रजिस्टर टिकट की संख्या

हस्ताक्षर :

टिप्पणी :—प्रमाणपत्र के स्वामी से भिन्न किसी व्यक्ति से, जिसके कब्जे में यह प्रमाणपत्र आ जाए अपेक्षा की जाती है कि वह उसे तत्काल प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला, कलकत्ता को भेज दे।

तारीख.....को दिया गया।

रजिस्ट्रीकृत  
प्रधान अधिकारी  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग  
कलकत्ता जिला

टिप्पण :—जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्ररूप 5

[नियम 30(क) देखिए]

पैरादीप में चलने वाले किसी आकलित अथवा शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान.....के इंजीनियर किसी ब्रेक अथवा शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर जलयान या

40 आकलित अथवा शक्ति से कम/100 आकलित शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान.....के इंजन ड्राइवर

226 ब्रेक अथवा शक्ति से कम के/565 ब्रेक अथवा शक्ति से कम के इंजन वाले मोटर जलयान

के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र के लिए परीक्षा किए जाने वाले आवेदन।

टिप्पणी :—यह प्ररूप इंजीनियर या पोत सर्वेक्षक के कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

इस दस्तावेज के खंड (क), (ख), (ग), (घ), (ङ) और (छ) परीक्षा के लिए आवेदक द्वारा उक्त इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक के समक्ष भरे जाएंगे और उसे अभ्यर्थी के संसाधनों और पूर्व प्रमाणपत्रों, यदि कोई हों, के साथ लिए जाएंगे।

पलन के किसी अधिकारी या सेवकों का किसी पारिश्रमिक या उपदान, की इन नियमों में वर्णित फीस से अन्यथा प्रस्थापना नहीं की जानी चाहिए या उन्हें इसको प्राप्त नहीं करना चाहिए। भारत सरकार का कोई अधिकारी संदेश वाहक या सेवक, जो कोई सेंट या उपदान स्वीकार करता है तुरन्त अपने पद से मुक्त कर दिया जाएगा और धन की प्रस्थापना करने वाले ऐसे अभ्यर्थी के बारे में यह माना जाएगा कि उसने तुराचार का कार्य किया है और उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा और बारह मास तक परीक्षा लिए जाने के लिए अनुज्ञान नहीं किया जाएगा।

(क) आवेदक का नाम आवेदक।

1. पूरा नाम
2. कुल नाम
3. पिता का नाम
4. स्थायी पता जिसमें शहर, गली और सफाई की संख्या, और उस व्यक्ति का (यदि कोई हो) नाम जिसके साथ आवेदक निवास कर रहे है, लिखिए।
5. जन्म-तिथि
6. जन्म-स्थान

(क) शहर या ग्राम और थाना

(ख) देश, देश या जिला

(ख) सभी पूर्व प्रमाणपत्रों की (यदि कोई हों) विशिष्टियाँ, क्या वे यूनाइटेड किंगडम, ब्रिटिश अधिकृत देशों से या अन्यत्र लिए गए हैं।

संख्या	सक्षमता या सेवा	श्रेणी	कहाँ से जारी किया गया	जारी करने की तारीख	यदि किसी समय निलम्बित या रद्द किया गया हो तो लिखिए कि किस न्यायालय या प्राधिकार द्वारा किया गया।	तारीख	कारण
7	8	9	10	11	12	13	14

(ग) प्रमाणपत्र, जो अब अपेक्षित है।

15 श्रेणी

16 सक्षमता या सेवा।

17 पता जिस पर जिसे भेजा जाना है।

(घ) यदि आवेदक अब अपेक्षित प्रमाणपत्र के लिए पूर्व परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है तो उसे यह यह बताया चाहिए कि कब और कहाँ यदि वह अनुत्तीर्ण नहीं हुआ है तो उसे इस खंड के सामने लिखित रूप में ऐसा कथन करना चाहिए।

(ङ) आवेदक द्वारा की जाने वाली घोषणा।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उक्त प्ररूप के खंड (क) (ख), (ग), (घ) और (ङ) में दी गई विशिष्टियाँ मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक और सही हैं और खंड (छ) में परिगणित और हम प्ररूप के साथ भेजे गए दस्तावेज सही और श्रमणीय दस्तावेज है, जो उन व्यक्तियों द्वारा दिए गए और हस्ताक्षरित है जिसके नाम उनमें दिए हुए हैं। मैं आगे घोषणा करता हूँ कि विवरणी (छ) में बिना अपवाद के मेरी संपूर्ण सेवाओं का सही और ठीक लेखा रिया गया है।

और मैं यह घोषणा शुद्ध अंतःकरण से इसको मही मानते हुआ करता हूँ।

मैं हस्ताक्षरित

तारीख :

की उपस्थिति

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

वर्तमान पता

उपर्युक्त घोषणा (उ) पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और .....ह० की फीस मुझे प्राप्त हुई थी।

तारीख :

हस्ताक्षर

पदाभिधान

(छ) शंसापत्रों की सुर्खा और किनारे पर और समुद्र पर सेवा का विवरण। शंसापत्रों को नीचे स्तम्भ 8 में दी गई सेवा के अनुसार क्रमिक रूप से संशोधित किया जाएगा।

(ख) इंजीनियर या पोत सर्वेक्षक

शंसापत्रों की सं०	कहा नियो-	यदि फलक पर सेवा हो	आवेदक की सेवा	व्यवसाय सत्यापक के
प्रति कोई	जिन	हज्जन की	रजिस्ट्रीपोत हैसियत	पारम्भ की
था	अथ शक्ति	जलयान की	तारीख	सेवाकाल
या	शामकीय	संख्या	वर्ष	मास
जल-	यान	का	दिन	के
नाम				
18	19	20	21	22
23	24	25	26	27
28	29			

वाष्प जलयानों पर कुल सेवा

किनारे पर कुल सेवा

उक्त सेवा का योग

प्रकरण 6

[नियम 53 (क)]

टिप्पण.— परीक्षकों का खण्ड (ज) और (झ) का सभी मामलों में यथाशीघ्र भरना चाहिए और इस प्ररूप की प्रधान अधिकारी वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला, कलकत्ता को भेजना चाहिए। यदि आवेदक उत्तीर्ण हो जाता है तो उसके शंसापत्र और पूर्व प्रमाणपत्र, यदि कोई हो, इस प्ररूप के साथ प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला, कलकत्ता को भेजे जाने चाहिए। नया प्रमाणपत्र और शंसापत्र, आवेदक को खंड (ग) स्तम्भ 17 में नामित पते पर पत्रित किए जाएंगे।

30. परीक्षा की तारीख और स्थान

31. नीचे की प्रत्येक मद के सामने उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण लिखिए।

(1) प्रश्नों को हल करने में

(2) मौखिक परीक्षा में

32. रैंक जिसके लिए उत्तीर्ण हुआ है

आवेदक का व्यक्तिगत वर्णन

33. उंचाई

फुट इंच

34. रूप-रंग

35. व्यक्तिगत चिह्न या बिलक्षणता, यदि कोई हों।

36. निम्न का रंग

1. बाल 2. नेत्र

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि खंड (अ) और (झ) में अन्तर्विष्ट विविष्टियाँ ठीक हैं।

यह प्ररूप और शंसापत्र प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला, कलकत्ता को भेजे जाने हैं।

तारीख :

परीक्षक के हस्ताक्षर

सेवा में

प्रधान अधिकारी,

वाणिज्यिक समुद्री विभाग,

कलकत्ता जिला,

कलकत्ता।

पैरादीप पलन में चलने वाले 40/100 आकलित अथव शक्ति से कम के इंजनों वाले वाष्प जलयान ..... के इंजन इंडिकर 565 ब्रेक अथव शक्ति से कम के इंजनों वाले मॉटर जलयान

या

किन्हीं आकलित अथव शक्ति के इंजनों वाले वाष्प जलयान के इंजीनियर किसी ब्रेक अथव शक्ति के इंजनों वाले जलयान के रूप में संक्षमता प्रमाणपत्र।

सेवा में,

आप, परीक्षा के पश्चात् पैरादीप पलन में चलने वाले ..... इंजनों वाले जलयान के .....

(यहाँ समुचित वर्ग का कथन कीजिए)

के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए समस्यक रूप से अहित पाए गए हैं,

मैं इसके द्वारा आपको ..... के रूप में संक्षमता प्रमाणपत्र का अनुदान करता हूँ।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से दिया गया।

तारीख :

प्रमाणपत्र की संख्या

वाहक ..... पुत्र ..... जाति ..... जन्म-तारीख \* और स्थान जिसके गाथ ग्राम, धाना और जिला भी दर्शित हों।

निवाग स्थान जिसके गाथ ग्राम, धाना और जिला भी दर्शित हों।

उंचाई

व्यक्तिगत वर्णन जिसमें विशेष रूप से किसी स्थायी चिह्न या निशान का कथन हो।

..... यदि ठीक न मालूम हो तो सर्वोत्तम जानकारी या उपलब्ध साक्ष्य पर निर्वाह जानी चाहिए।

रजिस्ट्री टिकट की संख्या

तारीख ..... को जारी किया गया।

हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत

प्रधान अधिकारी,

वाणिज्यिक समुद्री विभाग,

कलकत्ता जिला

टिप्पण :—प्रमाणपत्र स्वामी से सिवा किसी व्यक्ति से, जिसके कब्जे में यह प्रमाणपत्र आ जाए, अपेक्षा की जाती है कि वह उसे तत्काल प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला, कलकत्ता को भेज दे।

टिप्पण :—यह प्रमाणपत्र ऐसे व्यक्तियों द्वारा, जो हिन्दुस्तानी या तमिल या मलयालम या तेलुगू या बंगाली या उर्दू या उड़िया बोल सकते हैं, पूर्ण रूप से रक्षित और अधिभुक्त अलयातों के लिए विश्विमान्य है।

टिप्पण :—जब प्रमाणपत्र अंग्रेजी जानने वाले अभ्यर्थी को अनुदान किया जाए तो उपर्युक्त टिप्पण को काट दिया जाना चाहिए।

## प्रकरण-7

## आवेदन का प्रकरण

[नियम 55(घ) देखिए]

पैरादीप पत्तन में चलने वाले 40 या 40 से कम ब्रैक अश्व शक्ति/15 या 15 से कम आकलित अश्व शक्ति से कम के इंजनों वाले मोटर/वाष्प जलवाहन के इंजीनियर मोटर ड्राइवर के रूप में कार्य करने के अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन।

1. आवेदक का पूरा नाम
2. पिता का नाम
3. स्थायी पता
4. आवेदक की जन्म-तिथि और स्थान
5. यदि पूर्व परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है, और यदि ऐसा है तो कब और कहाँ

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त विवरण सही है।

(-----)

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

अभ्यर्थी का वर्तमान पता-----

तारीख :

6. उपर्युक्त घोषणा पर मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे और 10/- रु० की फीस मुझे प्राप्त हुई है।

हस्ताक्षर

पदाभिधान

7. शंसापत्रों की सूची और सेवा का विवरण :

पेश किए गए शंसापत्रों की सं०	कहा नियोजित था	सेवा के आरम्भ की तारीख	सेवा की समाप्ति की तारीख	सेवा का काल	टिप्पणियाँ
------------------------------	----------------	------------------------	--------------------------	-------------	------------

8. परीक्षक का प्रमाणपत्र

(क) परीक्षा की तारीख और स्थान

(ख) उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण

9. आवेदक का व्यक्तिगत वर्णन

(क) ऊँचाई

- (ख) रंग
- (ग) व्यक्तिगत चिह्न
- (घ) बालों का रंग
- (ङ) नेत्रों का रंग

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संख्या 8 और 9 में अनिवार्य विनिर्दिष्टों ठीक है।

यह प्ररूप और शांसापत्र प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला को 'अनुज्ञापत्र' जारी करने के लिए भेजे जा रहे हैं।

परीक्षक के हस्ताक्षर

तारीख :

प्ररूप 8

[नियम 55 (घ) देखिए]

पैरादीप पत्तन में चलने वाले 40 ब्रैक अश्व शक्ति या कम के/15 आकलित अश्व शक्ति या कम के मोटर/.....  
वाष्प जलयान के इंजन के भारसाधन के लिए अनुज्ञापत्र।

सेवा में

आप परीक्षा के पश्चात् पैरादीप पत्तन में चलने वाले 40 ब्रैक/15 आकलित अश्व शक्ति या कम के इंजनों वाले मोटर जलयान या वाष्प जलयान के इंजन चलाने के लिए सम्यक रूप से अर्हित पाए गए हैं।

मैं इसके द्वारा आपको इस अनुज्ञापत्र का अनुदान करता हूँ।

मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा से दिया गया।

प्रधान अधिकारी,  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,  
कलकत्ता जिला,  
कलकत्ता

तारीख :

अनुज्ञापत्र की संख्या

वाहक ..... पुत्र श्री .....

जन्म-तिथि

जन्म-स्थान

वर्तमान निवासस्थान

ऊर्ध्वार्ध

व्यक्तिगत चिह्न

हस्ताक्षर

टिप्पणी :—अनुज्ञापत्र स्वामी से भिन्न किसी व्यक्ति से, जिसके कब्जे में यह अनुज्ञापत्र आ जाए अपेक्षा की जाती है कि वह उसे तत्काल प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग, कलकत्ता जिला, कलकत्ता को भेज दे।

तारीख :

को जारी किया गया।

रजिस्ट्रीकरण

प्रधान अधिकारी,  
वाणिज्यिक समुद्री विभाग,  
कलकत्ता जिला,  
कलकत्ता

[फा० सं० पी० एल० जी०-93/75]

एम० वार्ड० राव, निदेशक

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

## (Transport Wing)

New Delhi, the 20th June, 1978

**G.S.R. 883.**—The following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by clause (k) of sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), is hereby published as required by Sub-section (2) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration after 50 days from the date of publication of this notification in the official gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

## DRAFT RULES

## CHAPTER I

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Paradip Port Certificate of Competency (Harbour Craft) Rules, 1978.

(2) They shall come into force.

2. Definition.—In these rules unless the context otherwise requires :—

- (a) "First Class Masters' Certificate" means a Certificate of Competency granted under these rules to a person to be Master of a Steam vessel having engines of any nominal horse-power or of a motor-vessel having engines of any brake horse power plying in the Port;
- (b) "Form" means a form appended to these rules;
- (c) "Port" means Port of Paradip;
- (d) "Second Class Masters' Certificate" means a Certificate of competency granted under these orders to a person to be master of a steam-vessel having engines of less than 100 nominal horse power, or of a motor vessel having engines of less than 565 brake horse power plying in the Port;
- (e) "Syrang's Certificate" means a certificate of Competency granted under these orders to be a person to be master of a steam vessel having engines of less than 40 nominal horse power, or of a motor vessel having engines of less than 226 brake horse power, plying in the Port;
- (f) "Shipping Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);
- (g) "Steam Vessels Act" means the Inland Steam Vessels Act, 1917 (14 of 1917).
- (h) "Lantern test" and "Letter test" mean the tests of eyesight of the candidates' vision of form and colour;

## CHAPTER II

## Grant of Certificate of Competency to Masters and Syrans

3. Issue of Certificate.—(a) Certificates of Competency shall be granted to those persons who pass the requisite examination and otherwise comply with the requisite conditions.

(b) For this purpose arrangements shall be made for holding examinations periodically at the Port of Calcutta.

4. Examinations.—Examination shall be held by the Principal Officer Mercantile Marine Department, Calcutta District if he is a Nautical Officer or by a Nautical Surveyor appointed by him in this behalf (here-in-after referred to as the Examiner) and they shall be held on the dates and timings notified by the Mercantile Marine Department Calcutta.

5. Suitability for Examination.—(a) Candidates for examination shall make their applications in the appropriate Form 1 which shall be filled up before the examiner or such official

as may be appointed by him in this behalf; the forms properly filled in, together with the candidates' testimonials and discharges, shall be lodged with examiner not later than seven days before the day of examination.

6. Testimonials etc.—(a) The testimonials of character and of sobriety, experience, ability and good conduct on board-ship for atleast the last twelve months served preceding the date of application to be examined shall be required from all applicants.

(b) Applicants who have not served on board ship within the last twelve months shall be required to produce in addition to the testimonials referred to in sub-rule (a), certificates of a like nature from their employers, or if unemployed from some respectable householder.

(c) No candidate shall be allowed to be examined unless he has served on board ship at a sea or on inland water two years within the last six years, and six months within the last three years preceding the date of his application to be examined.

7. Proof of certain testimonials.—(a) The testimonials of service of foreigners serving in foreign vessels, which cannot be verified by the examiner shall be confirmed either by the consul of the country to which the vessel in which the candidate served belonged, or by some other recognised official authority of that country or by the testimony of some creditable person on the spot having personal knowledge of the facts required to be established.

(b) The production, however, of such proofs shall not necessarily be deemed sufficient.

(c) Each case shall be decided on its own merits, and if the sufficiency of the proofs given appears to be at all doubtful the point shall be referred to the Central Government.

8. Testimonials to be authenticated.—(a) Testimonials of service of candidates shall ordinarily be based on their employers office records.

(b) Service claimed which can not be verified from the employer's office records shall be authenticated by affidavits of men under whom such services have been performed and also by an affidavit of the candidate himself.

9. Age.—Should any doubt exist as to the age of a candidate, he shall be required to produce a certificate of birth or other documentary proof of age, to the satisfaction of the examiner.

10. Foreigners to know certain languages.—Foreigners shall prove to the satisfaction of the examiner that they can speak and write the English language and speak Hindi or any of the local languages sufficiently well to perform the duties required of them on board an Indian Vessel.

11. Sight Test.—1. (a) Every candidate for a certificate of competency shall pass the sight test before a certificate can be issued to him.

(b) A person desirous of being examined in sight test shall make an application to the examiner in Form 2 and pay a fee of rupees (four) to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District.

2. (a) Letter Test : Every candidate for a certificate shall undergo the letter test.

(b) Lantern Test.—Every candidate shall undergo the lantern test on every occasion on which he presents himself for examination for his first certificate of competency, but if he then passes he shall not be required to undergo lantern test on any subsequent occasion.

12. (a) Passing or failure in examination.—If the candidate passes the letter test, he shall proceed to the lantern test unless he holds a certificate of competency, if he fails in the letter test, he may :—

(i) proceed to the lantern test, in which case the result of both the tests shall be taken into consideration in deciding whether he is to be passed; or

(ii) break off the examination and present himself for re-examination is not less than three months time.



(b) (i) If the candidate passes the lantern test after passing the letter test, he shall be deemed to have passed the examination.

(ii) If the result of the lantern test is inconclusive, or if the candidate passes it after failing in the letter test, his case shall be submitted in the Form prescribed by M.M.D., Calcutta, to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District, who shall decide whether he has passed or failed, or whether he shall be referred for a special examination.

(iii) If the candidate fails to pass a lantern test, the examiner shall point out to him the provision of Rule 14 under which he can appeal to the Principal Officer, MMD, Calcutta District.

(iv) A candidate who fails to pass the lantern test shall not be re-examined unless the Principal Officer Mercantile Marine Department, Calcutta District decides that he may be re-examined after a lapse of three months and the certificate in the form as prescribed by Mercantile Marine Department, Calcutta District which is issued to the candidate shall state whether he may or may not be re-examined.

13. Further examination and appeals.—(a) If in the cases covered by Rule 12 the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District decides that a further examination is necessary arrangements shall be made from special examinations.

(b) If, however, on the report of the examiner, the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District decides that the nature of the mistakes made, shows conclusively that a candidate's sight is so defective as to render him unfit to hold a certificate the candidate shall be considered to have failed.

(c) In cases where, upon the report of the Examiner, a candidate is declared to have failed by the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District as well as in the case of a special examination, the Central Government may allow a candidate who is dissatisfied with this decision to appeal for a further examination, subject to the conditions set out in rule 16.

(d) In the case of a candidate who is referred for further examination the Principal Officer shall make arrangements for a special examination for which no additional fee shall be charged.

14. Special Examination : Appeal Cases.—A candidate who is adjudged to have failed in the lantern test may appeal to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta who shall remit the case to a special body of examiners for decision and such candidate shall be required to pay a special fee of Rs. 32 which shall be returned to him if he is declared to have passed the special examination.

15. Special Examination : Candidates to attend Punctually.—(a) Candidates who are referred for a special examination or who appeal from the result of the local test shall be notified by the said Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District of the time at which they should attend for special examination and are expected to inform the Principal Officer, whether or not they will be able to attend at that time.

(b) Any candidates who, after informing the said Principal Officer that he will attend, fails to appear at the time appointed shall be liable to have his examination postponed indefinitely and also if he has appealed under rule 14 shall forfeit the appeal fee of Rs. 32 and shall be required to deposit a further fee of the same amount before further arrangements are made for his special examination.

16. Failure in Special Examination.—(a) Where during the course of a special examination, a candidate who has appealed or has been referred is found to have a permanent defect in his eyesight such as to render him unfit for a sea career, he shall be finally rejected and shall not be allowed to be examined again in the sight test on any future occasion, provided, that if the candidate is still dissatisfied, it shall be open to him, if he so desires to present himself for a second special examination on payment of a fee of rupees seventy-five.

(b) Such candidate shall be required to bring with him a friend to witness the examination.

(c) Second examination under clause (a) shall be entirely voluntary and shall form no part of the examination for a certificate of competency.

(d) The Central Government may take into consideration the result of such examination in determining whether a certificate shall be granted.

17. Special Appeal Fee.—The special fee of rupees seventy five for appeal shall not be refundable, unless, in the special circumstances of an individual case, the Central Government considers fit to refund it.

18. Qualifications for syrang's certificates.—(a) All candidates for a syrang's Certificate of competency shall be examined in the letter and the colour vision test.

(b) (i) A candidate for syrang's Certificate shall be not less than twenty one years of age and shall produce satisfactory certificate of sobriety and intelligence.

(ii) He shall have served four years at sea or on inland waters one year of which service should have been on an inland or harbour Steam or motor vessel as a helmsman and shall be examined viva voce as to his knowledge in the following subjects, namely :—

- (1) the rules of the road ;
- (2) Simple questions on the handling and management of harbour crafts ;
- (3) the storm signals ;
- (4) the port rules and knowledge of buoys, lights landmarks, channels, sands and set of tide in the Port and its approaches.

(c) If a candidate fails, he shall not re-examined until he has rendered additional service for three months on an inland or harbour steam or motor vessel as a helmsman or as deckhand.

19. Qualifications for second class master's Certificate.—(a) All candidates for a second Class Master's Certificate of competency shall first be examined in the letter test.

(b) A candidate for a second Class Master's Certificate shall be not less than twenty-two years of age, and shall produce certificates of sobriety and intelligence.

(c) He shall have served atleast five years at Sea or on inland waters, three years of which service shall have been as helmsman (Sukhani) of an inland or harbour Steam vessel of not less than 40 nominal horse power or a motor vessel of not less than 226 brake horse power or an alternative service of three years as syrang-in-charge of a steam launch of over 15 nominal horse power or a motor launch of over 80 brake horse-power holding a certificate of competency granted under the Inland Steam Vessels Act or under these rules and shall pass a satisfactory viva voce examination in the following subject namely :—

- (1) the rules of the road ;
- (2) the management of small steam and motor vessels under all contingencies ;
- (3) Storm-signals ;
- (4) tide tables ;
- (5) the Port Rules ;
- (6) Knowledge of buoys, lights, landmarks, channels, sands and set of tides in the Port and its approaches ;
- (7) Compass (the candidate should be able to read the points of the compass).

(d) If a candidate fails, he shall not be re-examined till he has rendered additional service for three months as a syrang holding a syrang's Certificate granted under the Steam Vessels Act, or under these rules or as helmsman (Sukhani) of an inland or harbour steam-vessel of not less than 40 nominal horse power or a motor vessel of not less than 226 brake horse power.

20. Qualifications for First Class Master's Certificate.—(a) All candidates for a First Class Master's Certificate of competency shall first get examined in the letter test.

(b) A candidate for a first Class Master's Certificate :—

- (i) should be not less than 24 years of age, and should have served as Second Class Master-in-charge of an inland Steam or motor vessel for not less than three years or while possessing a Second Class Master's Certificate granted under the Steam Vessels Act or under these rules or have served as Second Syrang of a steam or motor vessel for not less than four years; or
- (ii) should be not less than 22 years of age and hold a Certificate of Competency as Second Mate, Foreign going or Mute Home Trade, granted under the Shipping Act and any other enactment or a Certificate to which the provisions of any such Act have been made applicable and have served as a Mate of an inland Steam or motor Vessel or master of a river flat for not less than one year, or
- (iii) should be not less than 24 years of age and should have served either, not less than three years at sea and three years as Mate of an inland Steam or motor vessel or Master of a River flat, or not less than six years as a Mate of an inland steam or motor vessel of matter of a river flat.

(c) Each candidate shall be examined apart, and viva voce in each and all of the following subjects namely :—

- (1) the rules of the road;
- (2) the management of any type of harbour or inland steam or motor vessel under all contingencies including the handling of tugs;
- (3) tide table;
- (4) storm signals;
- (5) a thorough knowledge of the Port rules;
- (6) knowledge of buoys, lights, landmarks, channels, sands and set of tide in the Port and its approaches; and
- (7) elementary knowledge of the compass.

(e) If a candidate fails, he shall not be re-examined until he has rendered additional service for three months either as Second Class Master in-charge of an inland harbour steam or motor vessels as mate or second in-charge of an inland harbour steam or motor vessel as mate or second in-charge of an inland or harbour steam or motor vessel or as Master of a river flat.

21. Examination.—Notwithstanding anything contained in these rules any candidate in an examination for a First, or Second Class Master's Certificate shall be examined in the subjects mentioned in items (5) and (6) of rule 19(c) or items (5) and (6) of rule 20(e), as the case may be, and if he satisfied the examiner as to his knowledge of the prescribed subject and generally as to his competency to be in-charge of a steam or motor vessel he shall be granted a Certificate of Competency.

22. Certificate of lower grade.—If a candidate has failed in his examination, but the subjects in which he has failed are not included in the subjects required for a certificate of a lower grade, he may, if he desires it receive a Certificate of such lower Grade.

23. Fee to be paid again.—When a Certificate of lower grade is granted to a candidate as provided in rule 22 no part of any fee paid by him shall be returned to him, and on presenting himself when entitled so to do, for re-examination for the higher grade of certificate he shall be required to pay again the full fee.

24. Fees.—(a) (i) Candidates for examination in making their application in Form 3 shall be required to pay the examination fee before any step is taken, whether by inquiring into their services or testing their qualifications or by following any other course prescribed by these rules.

(ii) Should it be found that their services are not sufficient to entitle them to be examined, or should their testimonials be unsatisfactory, or should they, from any other cause, not be examined, no part of the fee shall be returned to them, but when they have fulfilled the requisite service or are able to

produce satisfactory testimonials, as the case may be they shall be allowed to again present themselves for examination for a certificate of the same grade without paying any further fee.

(iii) The fee for examination shall be paid to the Mercantile Marine Department, Calcutta.

(b) If a candidate fails in his examination, NO PART OF THE FEE SHALL BE RETURNED TO HIM.

(c) If the candidate satisfies the examiner, as to his knowledge of the prescribed subjects, and generally as to his competency to command a steam or motor vessel plying in the Port the examiner shall grant a certificate to the candidate.

(d) The fees shall be as follows :

First Class Master's Certificate.	Rs. 20.00
Second Class Master's Certificate.	Rs. 15.00
Syrang's Certificate.	Rs. 10.00

25. Attempted Bribery.—If a candidate offers a gratuity to any Officer, he shall be regarded as having committed an act of misconduct and shall be rejected and he shall not be allowed to be examined again until a period of atleast 12 months has elapsed.

26. General.—(a) First and second class master's certificate and syrang's Certificate shall be made and issued in Form 4.

(b) Every such certificate shall be made in duplicate and every person entitled to such certificate shall supply the examiner with two copies of his photograph, passport size, one of which shall be affixed on each of the copies of certificate and one copy of the certificate shall be delivered to the person entitled to the certificate, and the other shall be kept and recorded by the examiner.

### CHAPTER III

#### Grant of Certificate of Competency to Engineers and Engine Drivers of Mechanically propelled craft plying in the port of Paradip

27. In this chapter, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Engineer's Certificate" means a Certificate of Competency granted under this chapter to a person to be engineer of a steam vessel having engines of any nominal horse power plying in the Port;
- (b) "First Class Engine Driver's Certificate" means a certificate of Competency granted under this Chapter to a person to be engine driver of a steam vessel having engines of less than 100 nominal horse power plying in the Port;
- (c) "First Class Motor Engine Driver's Certificate" means a Certificate of Competency granted under this Chapter to a person to be engine driver of a motor vessel having engines of less than 565 brake horse power plying in the Port;
- (d) "Motor Engineer's Certificate" means a certificate of competency granted under this Chapter to a person to be Engineer of a motor vessel having engines of any brake horse power plying in the Port;
- (e) "Principal Officer" means the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District.
- (f) "Second Class Engine Driver's Certificate" means a Certificate of Competency granted under this Chapter to a person to be engine driver's of a steam vessel having engines of less than 40 nominal horse-power plying in the Port;
- (g) "Second Class Motor Engine Driver's Certificate" means a Certificate of Competency granted under this Chapter to a person to be engine driver of a motor vessel having engines of less than 226 brake horsepower lying in the Port.

28. Authority to issue Certificate.—(a) (i) Certificate of Competency shall be granted to those persons who pass the requisite examinations and otherwise comply with the requisite condition.

(ii) For this purpose arrangements shall be made for holding examinations periodically at the Port or at Calcutta.

(b) The examinations shall be held by the Engineer and Ship Surveyor, Mercantile Marine Department, Calcutta District (here-in-after referred to as the Examiner) and they shall be held on the dates and timing notified by the Mercantile Marine Department, Calcutta District.

29. Suitability for Examination.—(a) (i) Candidates for examination shall make their applications specified in Form 5 which shall be filled in before the Examiner or such official as may be appointed by him in this behalf.

(ii) The form properly filled in together with the candidates testimonials, shall be lodged with him not later than seven days before the day of examination.

(b) (i) Applicants shall be required to produce, in addition to the usual forms of discharge of service record satisfactory testimonials as to sobriety, experience, ability and general good conduct for atleast the last 12 months' service on board a ship preceding the date of application to be examined unless the Central Government after having investigated the matter shall see fit to reduce the time.

(ii) An applicant already possessed of certificate granted under this Chapter and wishing to appear for one of a higher grade shall produce his certificate and all the discharges or service records and testimonials he submitted when he applied for examination in the lower grade and the discharges or service records and testimonials necessary for the higher grade certificate.

(iii) Should reference of doubtful authenticity be submitted by candidates for examination the examiner may require proof from the candidate of their genuineness or an affidavit made to that effect.

(iv) If applicants have served on shore immediately preceding their application, certificates of sobriety should be produced from their employers or from a respectable house holder if unemployed.

(v) No candidate shall be allowed to be examined unless he has served on board ship six months within the last three years preceding the date of his application to be examined.

(c) As such testimonials and discharges may have to be verified before the candidates can be examined, they should be handed over, together with form prescribed for this purpose, (mentioned in a(1) above).

(d) (i) The testimonials of service of foreigners which cannot be verified by the examiner, shall be confirmed by the consul of the country to which the vessel in which the candidate served belonged, or by some other recognised official authority of that country or by the testimony of some creditable person on the spot, having personal knowledge of the facts required to be established.

(ii) The production, however, of such proofs shall not necessarily be deemed sufficient.

(iii) Each case shall be decided on its own merits; and if the sufficiency of the proofs given appears to be at all doubtful the point shall be referred to the Central Government.

(e) Should any doubt exist as to the age of a candidate he shall be required to produce a certificate of birth or other documentary proof of age to the satisfaction of the examiner.

(f) Foreigners should prove to the satisfaction of the examiner that they can speak and write the English language and speak Hindi or Oriya sufficiently well to perform the duties required for them on board an Indian vessel.

(g) (i) Testimonials of service of candidates should ordinarily be based on their employees' office records.

(ii) Service claimed which cannot be verified from the employers' office records should be authenticated by affidavits of men under whom such services have been performed and by an affidavit of the candidate himself.

(iii) Testimonials of service from certified Marine Engineers or Mechanical Engineers with comparable qualifications shall be accepted.

(h) Candidates shall be required to account for any gaps in their services with documentary evidence.

30. Qualifications for Second Class Engine Driver's Certificate.—A candidate for a Second Class Engine Driver's Certificate should have attained the age of twenty one years and must possess one of the following qualifications namely :—

(a) He should have served an apprenticeship of at least three years in the making or repairing of steam engines, and one year in the engine room of a steamer; or

(b) He should have served four years in the engine room of a steamer at sea, or on inland waters under an Engineer or First Class Engine Driver possessing Certificate of Competency granted under the Steam Vessels Act or under this Chapter one year of which service should have been as a Serang, Tindal or Fireman in-charge of a Watch in a Vessel having Engines of not less than twenty nominal horsepower; or

(c) He should have served five years in the engine room or a Steamer, one year of which service should have been as a Serang, Tindal, Principal Fireman or Fireman in charge of watch in a Vessel of not less than 15 nominal horsepower under a First Class Engine Driver Certificate under the Steam Vessels Act or under this Chapter; or

(d) He should have served two years in charge of the engine of a factory or mill under a appropriately qualified manager or Engineer, and one year as Engine Room Serang, Tindal or Principal Fireman in a Steamer of not less than 15 nominal horsepower.

31. He should satisfactorily pass a Viva Voce Examination as to the making of marine engines, and boilers and the uses of the different parts and fittings, also as to the use of bring cocks the alinometer and blowing off, the care of boilers in salt or foul water, and the art of economical stocking and prevention of smoke.

32. He should be able, if required, to show his practical qualification and actually working the engines of a small steamer, after fulfilling all the other tests to which he shall be subjected.

33. Qualification for Second Class Motor Driver's Certificate.—A candidate for a Second Class Motor Engine Driver's Certificate should have attained the age of twenty one years and should possess one of the following qualifications, namely :—

(a) He should have served for not less than three years as an apprentice or journeyman in the making, fitting or repairing of internal combustion or marine steam engines and in addition he should have served for six months in the engine room of a motor vessel having engines of not less than 85 brake horsepower or nine months in a vessel with engines of not less than 40 brake horsepower; or

(b) He should have served for a period of not less than four years in the engine room of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower, of which period not less than one year should have been served as a Serang, Principal Tindal or Chief Greaser;

Provided that of the four years mentioned above one-third may be served in the engine room of a steam vessel of not less than 40 nominal horsepower; or

(c) He should have served for a period of not less than five years in the engine room of a motor vessel having engines of not less than 85 brake horsepower, or six years in the engine room of a vessel having engines of not less than 40 brake horsepower as Serang, Tindal or Chief Greaser;

Provided that of the five and six year's service mentioned above, one third may be served in the Engine Room of a Steam Vessel of not less than 10 nominal horsepower; or

(d) He should have served for a period of not less than two years in charge of the engine of a factory or mill under a certificated engineer, as well as for a period of not less than one year in the engine room of a Motor vessel of not less than 85 brake horsepower, or eighteen months in a motor vessel having engines of not less than 40 brake horsepower, as a Serang, Tindal or Chief Greaser; or

(e) He should have served for at least six months with a Second Class Engine Driver's Certificate for Steam Vessels

granted under the Steam Vessels Act or under these rules, or with a Certificate of a higher grade in the Engine room of a motor vessel having engines of not less than 85 brake horsepower or for nine months in a motor vessel having engines of not less than 40 brake horsepower.

(f) He should have served for at least two years, whilst in possession of a permit granted under the Steam Vessels Act or under these rules as an engine driver of a motor vessel having engines of 40 brake horsepower or under followed by three years service in the Engine room of a motor vessel having engines or more than 40 brake horsepower as Serang, Tindal or Chief Greaser;

Provided that when the candidate produces proof of long service with such a permit in launches having engines of 40 brake horsepower or under, remission of service with engines of over 40 brake horsepower may be allowed in the ratio of one year lower powered launches in lieu of six months' service in higher powered launches with a maximum remission of eighteen months and the service to count for remission should be in excess of the two years required in launches of 40 brake horsepower or under.

(g) The candidate should satisfactorily pass a viva voce examination on the working of the various types of internal combustion engines and be able to name the principal parts of the machinery.

(h) The candidate should know what attention is required by the various parts of the machinery, understand the use and management of the different valves, cocks, pipes and connections and be familiar with the various methods of supplying air and fuel to the cylinders.

(i) The candidate should be able to describe the Chief causes which may make the engine difficult to start and to explain how he would proceed to remedy and defects connected therewith he should also be able to show that he understands the mechanism on the starting and reversing arrangements and that he is competent to deal with defects therein.

(j) The candidate should be able to overhaul the engine to adjust the working parts and to put the engine together again in good working condition and he should also understand how to make good the result of ordinary wear and tear to the machinery and how to correct defects from accidents.

(k) The candidate should be familiar with the nature and properties of the various fuel oils used in internal combustion engines and he should understand what is meant by 'flash point'.

(l)(i) The candidate should know the danger resulting from leakage from the fuel oil tanks and should understand the precautions to be taken against explosion.

(ii) He should also be able to take the necessary precautions to guard against the escape of inflammable vapour from the vaporiser when the engines are stopped.

(iii) He should also know how to deal with fire should it break out.

(m) The candidate should also be able, if required, to know his practical knowledge by actually working the engines of a motor vessel in the presence of the examiner.

(n) The candidate should possess a working knowledge of the auxiliary steam boilers and machinery connected therewith, namely, electric light engines, steering engines evaporators and pumps.

**34. Qualifications for First Class Engine Driver's Certificate.**—A candidate for a first class engine driver's certificate should have attained the age of twenty two years and should possess one of the following qualifications, namely :—

(a) He should have served an apprenticeship of at least three years in the making or repairing of steam-engines and one year as Assistant Engineer in a steamer having engines of not less than 80 nominal horsepower whilst holding a second class engine driver's certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules.

(b) He should have served five years in the engine-room of a steamer at sea or on inland waters, two years of which

service should have been as Serang, Principal Tindal or Fireman in charge of a watch in a steamer having compound surface condensing engines of not less than 30 nominal horsepower whilst holding a second class engine driver's certificate for steam-vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules.

(c) He should have served one year as second driver with a second class engine driver's certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules in charge of watch on the main engines and boilers of a steamer having compound surface condensing engines of not less than 30 nominal horsepower; or

(d) He should have served one year with a Second Class Engine Driver's Certificate for steam vessels granted under the Steam Vessel Act, or under these rules as driver in charge of the engines of a steamer having compound surface condensing engines of not less than 20 nominal horsepower; or

(e) He should have served eighteen months as Serang or Principal Tindal with a Second Class Engine Driver's Certificate for Steam Vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules in charge of a watch on the main engine and boilers of a steamer having compound surface of condensing engines of not less than 30 nominal horsepower; or

(f) He should have served three years in charge of the engines of a factory or mill under an appropriately qualified Manager or Engineer, as well as two years as Assistant Engineer, engine room Serang or Principal Tindal of a Steamer having engines of not less than 80 nominal horsepower whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules.

(g) He should pass a Viva Voce Examination similar to that required by rule 31 for a Second Class Engine Driver's Certificate but more advanced.

(h) He should also be able, if required, to show his practical qualifications by actually working the engines of a Steamer after fulfilling all the other tests to which he will be subjected.

**35. Qualifications for First Class Motor Engine Driver's Certificate.**—A candidate for first class motor engine driver's certificate should have attained the age of twenty two years and should possess one of the following qualifications, namely :—

(a) He should have served for not less than one year as Engine driver on regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 565 brake horsepower whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act, or under these rules.

(b) He should have served for a period of not less than 18 months as Second Driver with a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules in charge of a watch on the main engines of a motor vessels of not less than 226 brake horsepower; or

(c)(i) He should have served for a period of not less than 4 years in the engine room of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower, of which period not less than one year should have served as Chief Greaser, Serang or Principal Tindal whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessel granted under the Steam Vessels Act or under these rules.

(ii) If the motor vessel is of not less than 170 brake horsepower, he should have served for a period of not less than five years in such vessel of which period not less than two years should have been served as a Serang, Princippal Oilman or Chief Greaser whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules; or

(d) He should have served for a period of not less than 18 months with a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules as driver in charge of the engine of a motor vessel of not less than 113 brake horsepower; or

(e) He should have served for not less than two years as a Serang, Principal Tindal or Chief Greaser with a Second

Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules in a motor vessel of not less than 226 brake horsepower; or

(f) He should have served for not less than three years in charge of the engines of a factory or mill under a certified engineer as well as for not less than one year in the engine room of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower as Assistant Engineer, Serang, Principal Tindal or Chief Greaser whilst holding a Second Class Engine Driver's Certificate for motor vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules; or

(g) He should have served for not less than two years as engine driver on regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower whilst holding a first class engine driver's certificate for steam vessels granted under the Steam Vessels Act or under these rules;

(h) He should have served for not less than four years as engine driver on regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower whilst holding a second class engine driver's certificate granted under the Steam Vessels Act or under these rules; or

(i) He should hold an engine Driver's certificate for sea-going steamships granted under the Shipping Act, and should have served on regular watch on the main engines of a motor vessel of not less than 226 brake horsepower for period not less than one year; or

(j) He should pass a Viva Voce Examination, similar to that required under clauses (g) and (m) of rule 33 for a Second Class Engine Driver's Certificate but of a more advanced character.

36. Qualifications for Engineer's Certificate.—A candidate for an Engineer's certificate should be not less than twenty two years of age and should possess the following qualifications, namely :—

(a) (i) He should have served as an apprentice engineer for four years and prove that during the period of his apprenticeship, he has been employed on the making or repairing of steam engines boilers and similar things.

(ii) Journeyman's time shall be considered equivalent to apprenticeship.

(iii) In addition to the apprenticeship the applicant should have served two years thereafter as Assistant Engineer in a Steamer having engines of not less than 80 nominal horsepower or with a first class engine driver's certificate granted under the Steam Vessels Act or under these rules as driver in charge of the engines of a steamer having compound surface condensing engines of not less than 30 nominal horsepower.

(iv) Failing the above service he should have served four years with a first class engine driver's certificate granted under the Steam Vessels Act or under these rules in charge of the engines of a steamer having compound surface condensing engines of not less than 30 nominal horsepower.

(b) He should be able to give a satisfactory description of boilers and the methods of staying them together with the use and management of the different valves, cocks, pipes and connections.

(c) He should understand how to correct defects from accident, decay and the means of repairing such defects.

(d) He should understand the use of the watergauge pressure-gauge, barometer, thermometer and salinometer and the principles on which they are constructed.

(e) He should state the causes, effects and usual remedies for incrustation and corrosion.

(f) He should be able to explain the methods of testing and altering the setting of the slide valves, and methods of testing of fairness of shafts and adjusting them.

(g) He should be able to calculate the suitable working pressure for a steam-boiler or given dimensions and the stress, per square inch on crank and turner shaft when the necessary data are furnished.

(h) He should understand the construction of, and be able to maintain in working condition, the auxiliary machinery

which may be placed under his charge, namely, Electric light engines (steam and oil) and dynamos, electric motors, the various types of steering engines, hydraulic and refrigerating machinery.

(i) He should understand the construction of centrifugal bucket and plunger pumps, and the principle on which they act.

(j) He should be able to state how a temporary or permanent repair could be effected in case of derangement of a part of the machinery, or total breakdown.

(k) (i) He should write a legible hand and have a good knowledge of arithmetic up to and including vulgar and decimal fractions and square and cube roots.

(ii) He should also understand the application of these rules to questions about safety valves, coal consumption, consumption of stores, capacities of tanks and bunkers etc.

(l) He should be able to pass a creditable examination as to the various constructions of crew engines in general use, as to the details, of the different working parts, external and internal, and the use of each part.

(m) He should possess a creditable knowledge of the prominent facts relating to combustion, heat, steam and electricity.

(n) He shall be required to make an intelligible hand sketch, or a working drawing of some one or more of the principal parts of a steam-engine, and to mark in without a copy, all the necessary dimensions in figures, so that the sketch or drawing could be worked in Drawing Boards and T. Squares shall be provided but applicants shall have to bring with them any drawing instruments they may require.

(o) He shall be able to state the general proportions borne by the principal parts of the machinery to each other, and to calculate the direct stress, the tensional stress, and the bending stress in round bars and the direct stress and the bending stress in rectangular bars with given loads.

(p) He should be able to described different types of marine motor engines, their working and uses of the several parts.

37. Qualifications for Motor Engineer's Certificate.—A candidate for a motor engineer's certificate should have attained the age of 22 years and should possess the following qualifications, namely :—

(a) (i) He should have served for not less than four years as an apprentice engineer or journeyman at the making, fitting, and repairing of steam or motor engines such as would be recognised as affording useful training for a marine engineer.

(ii) No time served before the age of 15 shall be accepted. Not less than three years of this period should have been spent at fitting, erecting or repairing internal combustion engines.

(iii) The remaining year may have been spent either wholly or in part on work of this nature, or at an approved technical school relating to examination of sea-going engineers.

(iv) Service as journeyman shall be considered as equivalent to apprenticeship but no time served before the age of 15 is reached shall be accepted.

(v) Workshop service other than the above may be accepted if it is considered useful training for a motor-engineer, but all such cases should be submitted to the Principal Officer for consideration before the candidate is examined and at least an additional three months of qualifying service on marine internal combustion engines either in the works or on regular watch in main engine room of vessels propelled by these engine should have been performed in respect of each twelve months of workshop service of this nature or other than on the making or repairing of internal combustion engines so accepted.

(vi) If the service is not altogether satisfactory, a longer additional period than that specified may be required.

(vii) Any deficiency in the requisite four years' workshop service may be made up by service afloat or regular watch in the main engine room of a vessel of not less than 565 brake horsepower propelled by internal combustion engines.

(viii) If the vessel is a sea-going vessel one and half times the period of deficiency should be served and if an inland vessel, two and a quarter times the period of deficiency shall be required, thus a candidate who has no workshop service should serve six years in a suitable sea-going vessel, or nine years in an inland vessel in lieu of his apprenticeship.

(b) In addition to the workshop service as above described or the alternative service afloat the candidate should have spent 18 months at sea as an engineer or regular watch on the main engines of a sea-going ship propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or 27 months in a similar inland vessel.

(c) (i) He should write a legible hand and have good knowledge of arithmetic up to and including vulgar and decimal fractions and square root.

(fi) He should also be able to work out questions relating to spring or lever-loaded safety and relief valves.

(iii) Consumption of oils and stores, capacities of tanks, bunkers etc.

(iv) Speed of vessels, and other similar problems and be able to calculate suitable working pressures for air receivers of given dimensions and the stress per square inch on crank tunnel shafts and other parts of the machinery when the necessary data are furnished.

(d) He should be able to give a clear explanation of the principles on which oil, gas or other internal combustion engines work including the methods of ignition, to point out the differences between them, and to show by means of illustrative sketches and otherwise that he understands the details of the construction of those in general use.

(e) He should be familiar with the various methods of supplying air and fuel to the cylinders in the different types of engines, the construction of the apparatus for carbureting, atomising or gasifying the fuel, and the means for cooling cylinders pistons.

(f) He should have a satisfactory knowledge of the process employed in the construction of internal combustion engines in the workshop and of the methods used in fitting the machinery on board ship.

(p) He should know what attention is required by the various parts of the machinery, and understand the use and management of the different valves, cocks, pipes and connections.

(h) (i) He should be able to state and describe the Chief Causes which may make the engines difficult to start and to explain how he would proceed to remedy any defects arising therefrom.

(ii) He should also be able to show that he understands the mechanism of the starting and reversing arrangements, and to deal with defects therein.

(i) He should understand how to make good the results of ordinary wear and tear to the machinery, how to test the fairness of hawing etc., Low to correct defects from accident, delay, and how a temporary or permanent repair could be effected in the case of derangements or total breakdown.

(j) He should understand the construction of the pressure gauge, barometer, thermometer, and other instruments used in the engine-room and the principles on which they work.

(k) He should understand the construction and working of centrifugal bucket and plunger pumps and the principles on which they act.

(l) He should understand the construction and working of air compressors, gas producers, steering engines, electric light engines and dynamos, electric motors, refrigerating, hydraulic and other auxiliary machinery found on boardship.

(m) He should possess a good working knowledge of the construction and management of auxiliary steam boilers and machinery, and be familiar with the prominent facts relating to combustion, heat and steam.

(n) He should be familiar with the nature and properties of the various oils, generally used in internal combustion

engines, should understand what is meant by flash point; and have a knowledge of the explosive properties of gas on the vapour given off by these oils, etc., when mixed with definite quantities of air, and be thoroughly conversant with the danger of exposing such gas or vapour to a naked light; or of allowing any leakage from the oil tanks particularly into the vessels bilges, and unventilated spaces or from gas producers, pipes vapourizers etc.

(o) (i) He should thoroughly understand the precautions to be taken against fire or explosion from oil or gas and knowhow to deal with fire should it break out.

(ii) He should also be familiar with the action of wire gauge diaphragms when placed in pipes and connections to oil tanks for the purpose of preventing the explosion or ignition of oil vapour therein.

(p) He should be able to explain the principal construction and arrangements of primary and secondary batteries and induction coils so far as is necessary for the efficient management of an oil engine.

(q) He should be able to take off and calculated Indicator diagrams and understand the action of the gas in the cylinder as shown thereby.

(r) He should be able to make a dimensioned working sketch drawing of some simple part of the machinery.

(s) An engineer in possession of a (steam) certificate of competency as a first or second class engine driver granted under the Steam-Vessels Act or under these rules is also eligible for a motor engineer's certificate.

(t) (i) He should have served for not less than six months as an Assistant Engineer on regular watch on the main engines of a sea-going ship propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or nine months in a similar inland-vessel whilst holding a first class certificate of competency for seagoing steamships granted or recognised as valid under the Shipping Act.

(ii) He should also satisfy the examiner that he is fully conversant with internal combustion engines and be able to show both in writing and in viva voce examination that he has satisfactory knowledge of the subjects covered by rules clause (d) to (i) and clause (m) to (q) or

(u) (i) He should have served for not less than 12 months as an Assistant Engineer on regular watch on the main engines of a sea-going ship propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or 18 months in a similar inland vessel whilst holding a second class certificate of competency for sea-going ships granted or recognised as valid under the Merchant Shipping Act.

(ii) He should also satisfy the examiner that he is fully conversant with internal combustion engines and be able to show both in writing and in viva voce examination that he has satisfactory knowledge of the subjects covered by clauses (d) to (i) and clauses (m) to (q).

(v) (i) Engineers in possession of ordinary certificates of competency as engineers granted under the Steam Vessels Act or under these rules may be examined for the grant of a motor-engineer's certificate.

Provided that they have served for not less than 12 months as Assistant Engineer on regular watch on the main engines of Sea-going ships propelled by internal combustion engines of not less than 565 brake horsepower or 18 months or a similar inland-vessel whilst holding an engineer's certificate granted under the Steam-vessels Act or under these rules.

38. General regulations as to examination of Engineers.—All books necessary for the use of candidates under examination shall be provided, and applicants shall not be permitted to take into the examination room any book, paper, document or memoranda of any description whatever; and subject to the provisions referred to hereafter, they shall also not be allowed to work out their problems on a slate or on waste paper.

39. Candidates shall be allowed in the time allotted to cancel any part of their work, and when required, additional papers shall be supplied by the examiner and those additional papers should be attached to and form part of the examination papers.

40. In the event of any candidate being discovered copying from another, or affording any assistance or giving any information to another, or communicating in any way with another during the time of examination, he shall be regarded as having failed in his examination, and shall be turned back for three months in the same manner as if he had failed in the practical part of examination, and no part of the fees he may have paid for examination shall be returned to him.

41. If a candidate leaves the room before answering any question which has been given to him, he cannot afterwards be permitted to answer it, but the examiner may substitute other data or another question.

42. The examination of candidates for motor engineer certificate consists of four parts; Arithmetic, drawing, Elementary questions and viva voce; when the number of marks obtained in Arithmetic amounts to 28, that is two thirds of the maximum, the candidate passes in Arithmetic.

43. All applicants presenting themselves for examination for motor-engineer's certificates shall be required to give written answers to ten questions framed to estimate the candidates knowledge at the time of his examination, and also to induce the candidates to pay more attention to their handwriting and spelling.

44. The examiner may add to the viva voce question on the practical management of steam-engines and boilers.

45. If at the expiration of the time allowed the candidate has worked out correctly the whole of the question set to him and given satisfactory answers in the viva voce examination, he shall be declared to have passed.

46. If at the expiration of the time allowed he has not worked out the whole of the questions set to him, but if the viva voce examination taken in conjunction with the answer to such of the questions as he has worked out, is sufficient to satisfy the examiner that the applicant is competent to take charge of engines, he shall be declared to have passed.

47. In other cases he shall be declared to have failed.

48. A report of the examination, and the examination papers shall be forwarded by the examiner to the Principal Officer on the prescribed form.

49. If the candidate passes he shall receive a formal note to that effect upon which the Principal Officer shall issue the certificate to the candidate, whose testimonials, etc. shall be returned at the same time.

50. Fees.—(a) Candidates for examination, in making their application shall be required to pay the examination fees before any step is taken, whether by inquiring into their services or testing their qualifications, etc.

(b) No part of the fee shall under any circumstances be returned to them; but should it be found that their service is not sufficient to entitle them to be examined, or that their testimonials are unsatisfactory they shall be allowed to present themselves for examination without paying any further fee when they have fulfilled the requisite service or are able to produce satisfactory testimonials, as the case may be.

(c) The fee for examination should be paid to the Mercantile Marine Department, Calcutta District.

(d) If a candidate fails in his examination, no part of the fee he has paid shall be returned to him.

The fees are as follows :—

Second-Class Engine-Driver's or Second Class Motor Engine-Driver's Certificate	..Rs. 10
First-Class Engine-driver's or first class motor-engine-driver's Certificate	..Rs. 15
Engineer's or Motor Engineer's Certificate	..Rs. 20
Engine Driver's permit.	..Rs. 10

51. Attempted Bribery.—(a) If a candidate offers a gratuity to any Officers, he shall be regarded as having committed an act of misconduct and shall be rejected.

(b) He shall not be allowed to be examined again until a period of at least twelve months has elapsed.

52. Failure.—(a) If the applicant fails in the viva voce or practical part of the examination, he may, not present himself for re-examination until he can produce proofs of three months further service afloat.

(b) If he fails in Arithmetic or Drawing only, he may come up again at any time.

(c) Engine Drivers may be examined de novo after six months active service as syrang or principal tindal or.....second river if the part examination showed that they might reasonably be expected to qualify.

53. General.—(a) Engineer's and Motor Engineer's Certificates, first and second class engine Driver's Certificate, and first and second class motor engine-driver's certificates, shall be made out and issued in Form G.

(b) Every such certificate shall be made in duplicate and every person entitled to such certificate shall supply the Principal Officer with two copies of his photograph of pass-port size one of which shall be affixed on each of the copies of the certificate.

(c) One copy of the certificate shall be delivered to the person entitled to the certificate and the other shall be kept and recorded by the Principal Officer.

#### CHAPTER IV

54. Grant of Permits to Engineer or Drivers of Motor or Steam vessels of not more than 40 BHP 15 Nominal Horse-power plying in the port of Paradip.

Permits shall be granted to those persons who pass the requisite examinations and therewith comply with the requisite conditions and for this purpose arrangements shall be made for holding examinations periodically at the Port of Calcutta.

55. Examination.—(a) The Examinations shall be held by the Mercantile Marine Department, Calcutta District, hereinafter called the examiner.

(b) They shall commence early in the forenoon and shall be continued until all the candidates whose names appear in the list of the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District, Calcutta, hereinafter called the Principal Officer on the day of Examination are examined.

(c) (i) Candidates for examination shall make their applications in Form 7 which shall be filed in before the Principal Officer or such official as may be appointed by him in this behalf.

(ii) The form, properly filled in together with the testimonials, of the applicant's service, which should be based on his employer's office records must be lodged with the Principal Officer not later than 3 days before the day of examination.

(d) Candidates for examination, in making their applications in form specified in Form 7, shall also be required to pay a fee of Rs. 10 to the Principal Officer or such Officer duly authorised by him in this behalf.

(e) A Candidate for a permit should have attained the age of 21 years and should have served in an engineering firm or workshop for at least two continuous years of which not less than 6 months must have been spent in the capacity of an assistant driver in charge of a motor engine or of a fitter.

(f) He should pass VIVA VOCE examination satisfying the examiner that—

(i) he fully understands the working and management of motor engines and separate use of magnets, carburettors, water circulating and oil pumps, sparking plugs, etc. and is able to some extent to explain their actual means of operation.

(ii) He is able to dismantle motor engines and any necessary part of them detect excessive wear or other defect where it exists and correctly reassemble the part;

(iii) he is able to detect what is wrong in the event of the engine failing to start up or the failure of any necessary part to perform its proper duty;

- (iv) he is able to show how he would act in case of breakdown of any portion of the machinery. to prevent it and what to do when fire actually breaks out.
- (v) he is able to show that he fully realises the dangers of fire and understands the precautions necessary (g) If the candidate passes, the Principal Officer shall issue to him a permit in Form 8.

## FORM 1

[See rule 5(a)]

Application to be examined for a certificate to act as

Steam vessel having engines of less than 100 n.h.p/any n.h.p.

Master of a

Motor vessel having engines of less than 565 b.h.p/any b.h.p

or

Steam vessel having engines of less than 40 n.h.p

Syrang of a

Motor vessel having engines of less than 226 b.h.p

playing in the port of Paradip.

Before filling in the required particulars the candidate should read carefully the notice and the declaration in Division (I).

## (A) Name &amp; particulars of candidate

Name in full Date and place of birth Permanent address, stating town, or village, street and number of house and name of person (if any) with whom residing

## (B) Particulars of all previous certificates (if any)

Number	"Competency Service or RNR	Grade where issued	Date of issue	If at any time cancelled or suspended, state by what court or authority	Date	Cause
--------	----------------------------	--------------------	---------------	---	------	-------

## (C) Certificate now required

Grade	Address to which it is to be sent	Date	Port for which the certificate is required	Subject in which the candidate failed
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

(D) If the candidate has failed in a previous examination for the certificate now required, he must here state when. If he has not failed, he must state so in writing across this division.

(F) Certificate of the Principal Officer, Mercantile Marine Department,

The declaration (I) was signed in my presence/of

and the

fee of Rs.

Dated at

the

day of

19

Principal Officer,  
Mercantile Marine Department,  
Calcutta District.

(F) Certificate of Examiners

Date and place of Examination

Passed or Failed

Date

Place



## (G) Personal description of the candidate.

Height		Complexion	Colour of		Personal mark of peculiarities, if any
Feet	Inches		Hair	Eyes	
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

I hereby certify that particulars contained in Divisions (F) and (G) are correct and the candidate has produced satisfactory testimonials and proofs of service.

Dated this

day of

19

Principal Officer,  
Mercantile Marine Department  
Calcutta District.

## (H) Complete list of testimonials and full statement of service from beginning or from date of present certificate.

(The testimonials to be numbered consecutively according to the number given in the first column of the statement below)

No. of testimonials, if any	Ship's name	Particulars of ship tonnage and NHP	Particulars of Applicant's Service				Trade in which employed	Remarks	Initials of verifier
			Capacity	Date of Commencement	Date of termination	Length of Service Yr. M. Ds.			
1.									
2.									
3.									
4.									
5.									

Total Service.

Time served for which official proof is now produced.

Time served for which no proof is produced.

## (I) Declaration to be made by the Candidate.

(NOTICE:—Any person who makes, or procures to be made, or assists in making, any false representation for the purpose of obtaining for himself or for any other person a certificate of competency is liable to prosecution.)

I do hereby declare that the particulars contained in Division (A), (B), (C), (D) and (H) of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief, and that the papers enumerated in division (H) and sent with this form the true and genuine documents, given and signed by the persons whose names appear on them. I FURTHER DECLARE THAT THE STATEMENT (H) CONTAINS A TRUE AND CORRECT ACCOUNT OF THE WHOLE OF MY SERVICES WITHOUT EXEMPTION.

And I make this declaration conscientiously believing the same to be true.

Dated at

the

Day of

19

Signed in the presence of the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District.

Signature of Candidate  
Present Address

## FORM-2

[See rule 11]

## Application to be examined in sight tests

## (A) Name etc. of Candidate.

1. Name at full length:

2. Surname:

3. Permanent Address:

Stating town or village, street and No. of house and name of person (if any) with whom residing.

4. Date of Birth:

5. Place of Birth Town or Village :

Country and/or District.

6. If candidate has served at sea, state:—

(i) No. of years.

(ii) Present rating and No. and grade of Certificate (if any).

## 7. If candidate has not served at sea state:—

(i) If about to go to sea

(ii) In what capacity.

(B) If candidate has been previously examined in the sight tests, he should here state when and where the last examination took place and insert 'Passed'; 'Failed' or 'Not Examined' as the case may be against each subject. If the candidate holds a certificate of competency he should not be examined in colour vision and the entry 'Not Examined' should be made in Division II.

8. Date:

9. Port:

10. For of vision Test:

Old

New

11. Colour Vision Test:

(C) Declaration to be made by Candidate:

I hereby declare that the particulars contained in Division (A) and (B) of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief.

And I make this declaration conscientiously believing it to be true.

Dated at

this

day of

19

(Signature of the candidate)

(D) Principal Officer's receipt for fee.

12. Amount received : One Rupee

13. Date of receipt:

14. Place at which received:

The declaration above was signed in my presence and the fee named has been received by me.

Principal Officer  
Mercantile Marine Department  
Calcutta District.

(E) Certificate of Examiner.

I hereby certify that the candidate named above was examined by me this day in the tests for Form and colour vision with the following result:

15. Form Vision Test:

Old\*

New\*

16. Colour Vision Test:

Port of

Examiner

This day of

19

To

The Principal Officer,  
Mercantile Marine Department,  
Calcutta District.

The Examiner should fill up this form and forward on the day of examination to:

Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District.

\*\*Insert 'Passed' or 'Not examined' as the case may be in colour vision, if the candidate holds a certificate of competency, the entry should be 'Not examined'.

## FORM 3

[See rule 24(a)]

## Application to be examined for a certificate of Competency as Class Master/Serang of an Inland Steam Vessel

Note:—This form can be obtained at the Port office, free of charge. Divisions (A), (B), (C), (D), (E) and (G) of this paper are to be filled up by the applicant for examination and banded in at the Mercantile Marine Department with his Testimonials and former Certificate, if any.

Before filling in the required particulars, the Applicant should read carefully the attached notice.

## (A) Name &amp; particulars of Applicant.

Name at full length	Father's Name	Permanent address—stating town, street and number of house, and name of person (if any) with whom residing, or village, thana and district					
1	2	3					
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							
Date of birth		Where born					
Date	Month	Year	Town or village and thana		Country or District		
4	5	6	7		8		
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

## (B) Particulars of all previous Certificates (if any), whether issued in India or elsewhere

Number	"Competency" or "Service" now or formerly	Grade	Where issued	Date of issue	If at any time suspended or cancelled state what Court or authority	Date	Cause
9	10	11	12	13	14	15	16
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

## (C) Certificate now required

Grade	For inland steamvessels	Mercantile Marine Office to which it is to be sent
17	18	19
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
Paradip/Calcutta		

## (D) If Applicant has failed in a previous Examination for the Certificate now required should here state when and where. If he has not failed, he should state so in writing across this division.

Day	Month	Year	Port
20	21	22	23
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
Paradip/Calcutta			

## (E) Declaration to be made by Applicant.

I do hereby declare that the particulars contained in Division (A), (B), (C), (D) and (G) of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief and that the PAPERS enumerated in Division (G) and sent with this Form are true and genuine documents, given and signed by the persons whose names appear on them. I further declare that the Statement (G) contains a true and correct account of the whole of my services without exemption.

And I make this Declaration conscientiously believing the same to be true.

Dated at Paradip, this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_.

Calcutta,

Signed in the presence of Nautical Surveyor,  
Mercantile Marine Department,  
Paradip/Calcutta District.

Signature of Applicant  
Present Address.

## (F)

The declaration (E) above was signed in my presence and the fee of Rupees \_\_\_\_\_

received by me.

Dated, at Calcutta, this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_

Paradip.

Nautical Surveyor,  
Calcutta/Paradip.

## (G) List of Testimonials and statement of service at Sea or Afloat.

(The testimonials to be numbered consecutively according to the number given in Column 24 below).

No. of Testimonials if any	Ship's name	Nominal horse power	Port of Registry and official No. of ship	Service of Applicant						Trade in which employed	Remarks	Initial of verifier
				Capacity	Date of commencement	Date of termination	Time in each ship					
							Yr.	M.	D.			
24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
1.												
2.												
3.												
4.												
5.												

Total Service at Sea or Afloat—

Time served for which Certificate are now produced—

## (H) Certificate of Examiner.

Note:—The Examiners should fill up Divisions (H) and (I) and in all cases as soon as possible and forward this paper to the Principal Officer, Calcutta/Paradip. If the Applicant passes, his Testimonial and previous certificates if any, should be sent with this paper to Principal Officer. The new certificate and Testimonials will be delivered to applicant at the office account in Division (C) column 19.

Date and Place of Examination		Rank for which passed
Date	Place	
37	38	39
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

Paradip/Calcutta

## (I) Personal Description of Application

Height		Complexion	Personal marks or peculiarities, if any	Colour of	
Feet	Inches.			Hair	Eyes
40	41	42	43	44	45

1.  
2.  
2.  
4.  
5.

We hereby certify that the particulars contained in Division (H) and (I) are correct. This Form and the Testimonials are forwarded to the Principal Officer.

Dated this— day of—19

Certificated Inalnd Master,  
Nautical Surveyor,  
Mercantile Marine Department.

Signature of Examiners.

Principal Officer, Mercantile Marine Department.....President.

**Notice to be torn off and kept by the Applicant**

1. For information as the Time, Place and Subjects for Examination, and for fuller information generally, the applicants should either apply to the Principal Officer or refer to these rules.

2. Certificates of Competency shall be granted to those persons who pass the requisite examinations and otherwise comply with the requisite conditions.

3. Candidates for Examination should make their applications on Form 3 and pay the examination fee before any step is taken, whether by inquiring into their services or testing qualifications, etc. Should it be found at their service is not sufficient to entitle them to be examined, no part of the fee will be returned, but they will be allowed to present themselves again for examination for a certificate of the same grade without further fee when they have completed the requisite service.

4. Testimonials of character, and of sobriety, experience, ability, and conduct on boardship, shall be required of all applicants for at least the twelve months of service immediately proceeding the date of application to be examined and without producing them, no person shall be examined.

5. Testimonials of service should ordinarily be based on their employer's office records.

6. Services claimed which cannot be verified from the employer's office records should be authenticated by affidavits of men under whom such services have been performed as well as by an affidavit of the candidate himself.

7. Testimonials of service from Certificated Masters and Serangs-in-Charge duly attested by the owner of the Vessel or Marine Superintendent shall be accepted.

8. All cases not coming within the candidates set forth on the rules should be submitted for the special consideration of the Government before any candidate can be allowed up for examination.

9. As cases have occurred of persons who suffer from what is called colour blindness, that is to say an inability to distinguish certain colours, the Government have decided that all candidates for Examination for Masters' and Sarangs' Certificates should be tested as to their ability to distinguish such colours. This examination shall also be open to any person serving, or about to serve, in the Mercantile Marine.

**QUALIFICATIONS FOR CERTIFICATES OF COMPETENCY**

10. The qualifications required for the ranks under-mentioned as follows:—

A first-class master should be not less than twenty-four years of age, and should have served as second-classmaster in charge of a steam-vessel for not less than three years; or he should be not less than twenty-two years of age, hold a certificate of competency as second mate granted under any enactment and have served as mate of an inland steam-vessel or master of a river flat for not less than one year; or he should be not less than twenty-four years of age, and should have served, either not less than three years at sea and three years of mate of a river steamer or master of a river flat, or not less than six years as mate of a river steamer or master of river flat.

A second class Master should be not less than twenty-two years of age, and should produce satisfactory certificate of sobriety and intelligence. He should have served at least five years at sea or on inland water, the last three years of which service should have been as chief helmsman of a steam-vessel of over 45 nominal horsepower, or an alternative service of three years as Certificated Serang or a steam vessel of an 15 nominal horsepower.

A Serang should be not less than twenty-one years of age and should produce satisfactory certificate of sobriety and intelligence. He should have served four years at sea

or on inland waters, the last year of which service must be as helmsman on an inland steam-vessel.

The fee for examination should be paid to the Principal Officer. In any case in which a candidate offers money to any other Officer, and in any place but Port in the Office, the candidates offering money shall be regarded as having committed an act of misconduct, and shall be rejected and not allowed to be again examined for twelve months.

**FORM-4**

Certificate of competency as a  
Steam vessel having engines of less than  
100 n.h.p./any n.h.p.  
Master of a  
Motor vessel having engines of less than  
565 b.h.p./any b.h.p.  
or  
Steam vessel having engines of less than  
40 n.h.p.  
Syrag of a  
Motor vessel having engines of less than  
226 b.h.p. plying in the port of Paradip.

To.

Whereas you have been found, after examination, duly qualified to fulfil the duties of a

Steam vessel having engines of less than 100 n.h.p./any n.h.p.

Master of a  
Motor vessel having engines of less than  
565 b.h.p./any b.h.p.

or  
Steam vessel having engines of less than  
40 n.h.p.

Syrag of a  
motor vessel having engines of less than 226 b.h.p.  
plying in the Port of Paradip, I do hereby grant you this

**CERTIFICATE OF COMPETENCY** as such Master/  
Syrag, to ply in the said port.

Given under my hand and seal:

**PRINCIPAL OFFICER  
MERCANTILE MARINE DEPARTMENT  
CALCUTTA DISTRICT**

This.....day of

No. of Certificate.....

Bearer son of

Date\* and place of Birth, Showing village, Thana and District

Residence, showing village, Thana and District.

Height:

Personal descriptions, stating particularly any permanent marks or scars.

Numbers of Register Ticket :

Signature :

N.B. Any person other than the owner thereof becoming possessed of this certificate is required to transmit to it forthwith to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District, Calcutta

Issued at on the  
day of 19

**REGISTERED  
PRINCIPAL OFFICER  
MERCANTILE MARINE DEPARTMENT  
CALCUTTA DISTRICT**

\*If not known exactly, must be stated on the best information or evidence available.

Note.—Strike out which one is inapplicable.

## FORM—5

[See rule 30(a)]

Application to be examined for a certificate of competency.

as Engineer of a Steam vessel having engines of any n.h.p.  
Motor vessel having engines of any b.h.p.  
 or  
 as Engine driver of a Steam vessel having engines of less than 40 n.h.p./less than 100 n.h.p.  
Motor vessel having engines of less than 226 b.h.p./less than 565 b.h.p.  
Plying in the Port of Paradip

Note : This form can be obtained at the office of Engineer &amp; Ship Surveyor free of charge.

Division (A), (B), (C), (D), (E) and (G) of this paper are to be filled in by the applicant for examination before the said E. & S.S. and handed over to him with the candidate's testimonials and former certificate if any. No remuneration or gratuity whatever must be offered to or received by any officers or servants of the Port beyond the fees mentioned in these rules. Any officer, messenger or servant of the Government of India who accepts any present or gratuity, shall be immediately discharged from his office and any candidate so offering money shall be regarded as having committed an act of misconduct and shall be rejected and not allowed to be examined for 12 months.

## (A) Name etc. of applicant.

1. Name at full length.
2. Surname.
3. Father's name.
4. Permanent address, stating town, street and No. of house, and name of person (if any) with whom residing.
5. Date of birth.
6. Where born.
  - (a) town or village and thana.
  - (b) Country, country or district.

## (B) Particulars if all previous certificates (if any) where issued in the United Kingdom, the British possessions, or elsewhere.

Number	Competency or service	Grade	Where issued	Date of issue	If at any time suspended or cancelled, state by what court or authority	Date	Cause
7	8	9	10	11	12	13	14

## (C) Certificate now required.

- (15) Grade
- (16) Competency or service.
- (17) Address in which it is to be sent.

## (D) If applicant has failed in a previous examination for the certificate now required, he must here state when and where. If he has not failed, he must state so in writing across this division.

## (E) Declaration to be made by applicant.

I do hereby declare that the particulars contained in divisions (A), (B), (C), (D) and (G) of this form are correct and true to the best of my knowledge and belief, and that the papers enumerated in division (G) and sent with this form are true and genuine documents given and signed by the persons whose names appear on them. I further declare that the statement (G) contains a true and correct account of the whole of my services without exception.

And I make this declaration conscientiously believing the same to be true. Signed in the presence of the E. & S.S.

Date.

Signature of applicant

Present address.

## (F) Engineer &amp; Ship Surveyor.

The declaration (E) above was signed in my presence, and the fee of Rs. .... has been received by me.

Date.

Signature  
Designation.

(G) List of testimonials and statement of service on shore and at sea. (The testimonials to be numbered consecutively according to the number given in column 18 below).

No. of testimonials (if any)	Where employed or vessel's name.	If service on board			Service on applicant			Trade in which employed	Initials of verifier
		Horse power of engines.	Port of Registry and official No. of vessel.	Capacity	Date of commencement.	Date of termination.	Time employed in this service.		
							Y M D.		
18	19	20	21	22	23	24	25 26 27	28	29

Total service on steam vessels.

Total service on shore.

Total of above service.

NOTE : The examiner should fill up divisions (H) and (I) and in all cases as soon as possible forward this paper to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District Calcutta. If the applicant passes, his testimonials and previous certificate, if any, must be sent with this paper to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District, Calcutta. The new Certificate and the testimonials shall be delivered to the applicant at the address named in Division (C) 17.

30. Date and place of examination.

31. Insert passed or failed against each item below—

(i) In working out the question.

(ii) In the viva voce examination.

32. Rank for which passed :

(I) Personal Description of applicant.

33. Height feet inches.

34. Complexion.

35. Personal marks or peculiarities, if any.

36. Colour of

(i) Hair,

(ii) Eyes.

I hereby certify that the particulars contained in divisions (H) and (I) are correct.

This form and the testimonials are forwarded to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District, Calcutta.

Date :

To

The Principal Officer,  
Mercantile Marine Department,  
Calcutta District, Calcutta.

Signature of the examiner.

#### FORM-6

[Rule 53(a)]

Certificate of Competency as

Steam Vessel having engines of less than  
40/100 n.h.p.

Engine Driver of a -----

Motor Vessel having engines of less than  
565 b.h.p.

or

Steam vessel having engines of any n.h.p.

Engineers -----

Motor vessel having engines of any break horse  
power playing in the Port of Paradip

To,

Whereas you have been found after examination duly  
qualified to fulfil the duties of -----  
(Here state of appropriate category)  
of a ----- vessels having engines -----  
playing in the Port of Paradip, I do hereby grant you this  
Certificate of Competency as such -----

Given under my hand and seal.

This

day of

19

No. of Certificate :

bearer son of by cast

Date\* and place of birth, showing village, thana and distt.

Residence showing village, thana and district.

Height :

Personal description, stating particularly any permanent  
marks or scars :

Number of Register Ticket :

Signature :

N.B. Any person other than the owner thereof becoming  
possessed of this certificate is required to transmit it forthwith  
to the Principal Officer, Mercantile Marine Department,  
Calcutta District, Calcutta.

Issued at on the day of 19

REGISTERED  
PRINCIPAL OFFICER  
MERCANTILE MARINE DEPARTMENT  
CALCUTTA DISTRICT

Note.—This certificate is valid only for -----  
vessels manned and officered entirely by persons who can  
speak Hindustani or Tamil or Malayam or Telugu or Bengali  
or Urdu or Oriya.

N.B. The above note should be struck out when the  
Certificate is granted to an English-knowing candidate.

\*If not known exactly, must be stated on the best infor-  
mation or evidence available.

**FORM 7**  
**FORM OF APPLICATION**

[See rule 5 (d)]

Application for a permit to act as Engineer Motor Driver of a Motor/Engine vessel having engines of 40 or less than 40 brake horse power/15 or less than 15 nominal horsepower plying in the Port of Paradip.

- (1) Name of applicant in full.
- (2) Father's name :
- (3) Permanent Address :
- (4) Date and place of birth of applicant. :
- (5) If failed in previous examination, and if so, when and where

I hereby declare the above statement to be true.

Signature of applicant  
Present address of applicant.

Date at \_\_\_\_\_ this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_  
(6) The above declaration was signed in my presence and the fee of Rs.10 has been received by me.

Signature :  
Designation :

(7) List of testimonials and statement of service :—

No. of testimonials produced.	Where employed.	Date of commencement of service.	Date of termination of service.	Time employed in this service.	Remarks
1.					
2.					
3.					

(8) Certificate of examiner :—

- (a) Date and place of examination.
- (b) Passed/failed.

9. Personal description of applicant :

- (a) Height.
- (b) Complexion.
- (c) Personal marks.
- (d) Colour of hair.
- (e) Colour of eyes.

I do hereby certify that the particulars contained in Nos. 8 and 9 are correct.

This form and the testimonials are forwarded to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta distt. for issue of a 'permit'.

**SIGNATURE OF THE EXAMINER.**

Dated at \_\_\_\_\_ this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_

**FORM 8**  
[See rule 55(g)]

Permit to take charge of engines a motor/steam vessel of 40 brake horsepower or less/15 nominal horsepower or less plying in the Port of Paradip.

To

Whereas you have been found, after examination, duly qualified to drive the engines of a motor vessel or steam vessel having engines of 40 brake/15 nominal horsepower or under plying in the Port of Paradip.

I do hereby grant you this permit.

Given under my hand and seal.

**PRINCIPAL OFFICER**  
**MERCANTILE MARINE DEPARTMENT**  
**CALCUTTA DISTRICT, CALCUTTA**

This \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_\_

No. of permit.

Bearer \_\_\_\_\_ son of \_\_\_\_\_

Date of birth.

Place of birth.

Present residence.

Height.

Personal Marks.

Signature

NB :— Any person other than the owner thereof becoming possessed of this permit is required to transmit it forthwith to the Principal Officer, Mercantile Marine Department, Calcutta District, Calcutta.

Issued at \_\_\_\_\_ on the \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_\_ Registered

**PRINCIPAL OFFICER**  
**MERCANTILE MARINE DEPARTMENT**  
**CALCUTTA DISTRICT, CALCUTTA**  
[F. No. PGL-93/75]  
M. Y. RAO, Director.



## निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 मई, 1978

सांकांनि० 884—सर्विधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुके द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत सरकार लेखन सामग्री कार्यालय तथा क्षेत्रीय लेखन-सामग्री विधो (श्रेणी-III पद) भर्ती नियम, 1974 में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाए हैं; अर्थात्—

1. (1) इन नियमों को भारत सरकार लेखन-सामग्री कार्यालय तथा क्षेत्रीय लेखन सामग्री विधो (श्रेणी-III) पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1978 कहा जायगा।

(2) ये सरकार का राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार लेखन सामग्री कार्यालय तथा क्षेत्रीय लेखन सामग्री विधो (श्रेणी-III पद) भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में क्रम संख्या 14 तथा उससे संबंधित इन्दराजी के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या तथा उनसे संबंधित इन्दराज किए जाएंगे, नामतः—

अनुसूची						
1	2	3	4	5	6	7
"14(क) केयर टेकर ग्रेड-I	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग' अराजपक्षित अभिविकर्षणीय	330-12-440-द०रो०-15-560-द०रो०-20-640 रुपये	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
14 (ख) केयर टेकर ग्रेड-II	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपक्षित अभिविकर्षणीय	260-6-290-द०रो०-6-326-8-366-द०रो०-8-390-10-400 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : उच्च श्रेणी लिपिक जिनकी 5 वर्ष की सेवा हो। निम्न श्रेणी लिपिक जिनकी 15 वर्ष की सेवा हो। प्रतिनियुक्ति :		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	100 प्र० श० प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	निम्न श्रेणी लिपिक (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)		लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

[फाईल नं० ए०-12018/1/76/स्टेशनरी]

ऊषा निगम, प्रवर सचिव।

## MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 10th May, 1978

G.S.R. 884.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Government of India Stationery Office and Regional Stationery Depots (Class III posts) Recruitment Rules, 1974; namely :—

1. (1) These rules may be called the Government of India Stationery Office and Regional Stationery Depots (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Government of India Stationery Office and Regional Stationery Depots (Class III posts) Recruitment Rules, 1974, for the serial number 14 and entries relating thereto the following serial numbers and entries relating thereto shall be substituted, namely :—

## SCHEDULE

1	2	3	4	5	6	7
"14(a). Caretaker Grade I.	1	General Central Service 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 330-12-440-EB-15-560-EB-20-640.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
14 (b). Caretaker Grade II.	1	General Central Service 'C' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Upper Division Clerks with 5 years service and Lower Division Clerks with 15 years service.	Not applicable	Not applicable
Not applicable	Not applicable	100% by transfer on deputation	Deputation : Lower Division Clerks (Period of deputation ordinarily not exceeding three years).	Not applicable	Not applicable

[File No. A-12018/1/76-Sty.]  
USHA NIGAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जून, 1978 :

**सा०का०नि० 885**—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3 और वर्ग 4 औद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3 और वर्ग 4 औद्योगिक पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार मुद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली (वर्ग 3 और वर्ग 4 औद्योगिक पद) भर्ती नियम, 1974 की अनुसूची में,—

(क) मोनो-ऑपरेटर पद से सम्बन्धित क्रम सं० 8 के सामने स्तम्भ 11 में की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“प्रोन्नति :

3 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी-1 के कम्पोजीटर जिसके न हो सकने पर श्रेणी-1 और 2 में मिलाकर 10 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी-1 के कम्पोजीटर और दोनों के न हो सकने पर 10 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी 2 के कम्पोजीटर, परन्तु शर्त यह है कि उन्होंने मोनो मशीन पर न्यूनतम 6 मास की शिक्षार्थ अवधि पूरी कर ली हो और व्यवसाय परीक्षा पास कर ली हो।

प्रतिनियुक्ति :

अन्य भारत सरकार मुद्रणालयों से मोनो ऑपरेटर, जिसके न हो सकने पर अन्य मुद्रणालयों के 3 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी 1 के कम्पोजीटर, जिन्होंने मोनो मशीनों पर कम से कम 6 मास की शिक्षार्थ अवधि पूरी कर ली हो, यदि वे व्यवसाय परीक्षा पास कर लें (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।”;

(ख) लाइनो ऑपरेटर के पद से सम्बन्धित क्रम संख्या 10 के सामने, स्तम्भ-11 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“प्रोन्नति :

3 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी 1 के कम्पोजीटर, जिसके न हो सकने पर श्रेणी 1 और 2 में मिलाकर 10 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी 1 के कम्पोजीटर और दोनों के न हो सकने पर 10 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी 2 के कम्पोजीटर, परन्तु शर्त यह है कि उन्होंने लाइनो मशीनों पर न्यूनतम 6 मास की शिक्षार्थ अवधि पूरी कर ली हो और व्यवसाय परीक्षा पास कर ली हो।

प्रतिनियुक्ति :

अन्य भारत सरकार मुद्रणालयों से लाइनो ऑपरेटर, जिसके न हो सकने पर अन्य मुद्रणालयों के 3 वर्ष की सेवा वाले श्रेणी-1 के कम्पोजीटर, जिन्होंने लाइनो मशीनों पर कम से कम 6 मास की शिक्षार्थ अवधि पूरी कर ली हो यदि वे व्यवसाय परीक्षा पास कर लें (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्षों से अधिक नहीं होगी)।”।

[सं० ए०-120 18/10/74-मुद्रण-(1)]

एन० के० प्रसाद, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 26th June, 1978

**G.S.R. 885.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Government of India Press, Minto Road, New Delhi, (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974 namely :—

1. (1) These rules may be called Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Government of India Press, Minto Road, New Delhi (Class III and Class IV Industrial Posts) Recruitment Rules, 1974,—

(a) against the serial number 8 relating to the post of Mono-Operator, for the entry in Column 11, the following entry shall be substituted, namely :—

“Promotion :

Compositors Grade I with 3 years' service, falling which Compositors Grade I with 10 years' service in Grades I and II taken together, failing both Compositors Grade II with 10 years' service provided they have completed the minimum period of learnership of Mono machines for 6 months and qualified at a trade test.

Deputation :

Mono Operators of other Government of India Presses, failing which Compositors Grade I with 3 years' service, who have completed the period of learnership on Mono machines for 6 months, of other Presses subject to their qualifying in a trade test (Period of deputation generally not to exceed 3 years).”;

(b) against serial number 10 relating to the post of Line-Operator, for the entry in Column 11, the following entry shall be substituted, namely :—

Promotion :

Compositors Grade I with 3 years' service, failing which Compositors Grade I with 10 years service

in Grades I and II taken together and failing both Compositors Grade II with 10 years service provided they have completed the minimum period of learnership on Lino machines for 6 months and qualified at a trade test.

Deputation :

Lino Operators of other Government of India Presses, failing which Compositors Grade I with

3 years' service, who have completed the period of learnership on Lino machines for 6 months, of other Presses subject to their qualifying in a trade test (Period of deputation generally not to exceed 3 years)".

[No. A-12018/10/74-Ptg.(i)]  
N. K. PRASAD, Jt. Secy.

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 16 जून, 1978

सा० का० नि० 886.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति इसके द्वारा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) के अधीन मुख्य विकास व पुनर्वास आयुक्त का कार्यालय, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह में कृषि अधिकारी/कृषि विस्तार अधिकारी, सहायक भू-संरक्षण अधिकारी और सहायक सर्वेक्षण अधिकारी के पदों पर भर्ती को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ.—(1) ये नियम मुख्य विकास व पुनर्वास आयुक्त का कार्यालय कृषि अधिकारी/कृषि विस्तार अधिकारी, सहायक भू-संरक्षण अधिकारी और सहायक सर्वेक्षण अधिकारी के पदों पर) अर्थात् नियम, 1978 कहलाएंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान.—इन पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और वेतनमान संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में दिए गए हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, योग्यताएं इत्यादि.—उपर्युक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, योग्यताएं और इससे संबंधित अन्य बातें, उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में दी गई हैं।

4. अयोग्यताएं—(क) कोई व्यक्ति जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसका पति या पत्नी जीवित हो, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवित रहते किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में सन्तुष्ट हो जाए कि उक्त व्यक्ति पर तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर जो वैयक्तिक कानून लागू होता है उसके अधीन ऐसा विवाह किया जा सकता है तथा ऐसा करने के आधार है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति.—यदि केन्द्रीय सरकार की ऐसी राय हो कि ऐसा करना उचित या आवश्यक है तो वह लिखित कारणों के आधार पर तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश देकर किसी भी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के लिए इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत कर सकती है।

6. अपवाद.—इन नियमों में दी गई कोई भी बात अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को इस संदर्भ में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के आधार पर दिए जाने वाले आरक्षण तथा रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद है अथवा गैर-चयन पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
1. कृषि अधिकारी/कृषि विस्तार अधिकारी	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित	650-30 चयन पद 740-35-810-द.रो.-35-880-40-1000-द.रो.-40-1200 रुपये।		35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट है)। टिप्पणी:— आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में उम्मीदवारों से आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी। (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप के उम्मीदवारों को छोड़कर)।	अनिवार्य:— 'क' (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि में मास्टर डिग्री या समकक्ष (2) कृषि विस्तार कार्य में 3 वर्ष का अनुभव। अथवा 'ख' (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान में स्नातक। (2) कृषि विस्तार कार्य में 5 वर्ष का अनुभव। टिप्पणी: 1: अन्य रूप से योग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेक से योग्यताओं में छूट दे सकता है।

1	2	3	4	5	6	7
						टिप्पणी 2 :
						यदि चयन की किसी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव वाले उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है तो संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेक से उसके मामले में अनुभव संबंधी योग्यता/योग्यताओं में छूट दे सकता है।
						वांछनीय :
						विशेषतया विस्तार कार्य से संबंधित विस्तार प्रशिक्षण प्राप्त किया हो।

क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा योग्यताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी	परिक्षा की अवधि यह कोई हो।	भर्ती की विधि सीधी भर्ती द्वारा, या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती होनी हो तो वे क्षेत्र जिन से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति नमिति हो तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है
8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं। शर्णांक योग्यताएं— कालम 11 में दो गई सीमा तक।	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा, इसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तथा दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : क्षेत्र पर्यवेक्षक के पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति होने के पश्चात् 8 वर्ष की सेवा तथा किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से कृषि स्नातक की डिग्री या समकक्ष। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों या संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों के अधीन अमान पदों पर कार्य कर रहे ऐसे अधिकारी जिनकी क्रमशः 500-900 रु०/425-700 रु० या उसके समकक्ष वेतनमान में 3/8 वर्ष की सेवा हो गई हो तथा सीधी भर्ती के लिए कालम 7 में निर्धारित योग्यताएं रखते हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह 'ब' विभागीय पदोन्नति समिति :— 1. मुख्य विकास व पुनर्वास आयुक्त, पोर्ट ब्लेयर—अध्यक्ष। 2. कृषि निदेशक, पोर्ट ब्लेयर—सदस्य। 3. विशेष कार्य अधिकारी (प्र०) पोर्ट ब्लेयर—सदस्य। 4. भू संरक्षण अधिकारी (पुनर्वास) पोर्ट ब्लेयर—सदस्य।	सीधी भर्ती करते समय तथा राज्य सरकार के किसी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।

1	2	3	4	5	6	7
						अनिवार्य :
2. सहायक भूसंरक्षण अधिकारी	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित	650-30-740-35-810-द.रो-35-880-40-1000-द.रो-40-1200 रुपये।	चगन पद	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट है)। टिप्पणी :— आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में उम्मीदवारों से आवेदनपत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी (ग्रैंडमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप के उम्मीदवारों को छोड़कर)।	(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से भू-विज्ञान/भू-विज्ञान में विशेषज्ञता गृहित कृषि में मास्टर डिग्री या उसके समकक्ष। (2) भू-संरक्षण कार्य में 3 वर्ष का अनुभव। टिप्पणी 1 :— अन्य रूप में योग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेक से योग्यताओं में छूट दे सकता है। टिप्पणी 2 :— यदि चयन की किसी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग को यह राय हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव वाले उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है तो संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेक से उनके मामले में अनुभव संबंधी योग्यता/योग्यताओं में छूट दे सकता है।
8	9	10	11	12	13	
आयु—नहीं शैक्षण योग्यताएं :— कालम 11 में दी गई सीमा तक।	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा, इसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा तथा दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति : इंजीनियरिंग ओवरगमवर के पद पर 3 वर्ष की नियमित सेवा और कम से कम मित्रिल इंजीनियरिंग तथा भू-संरक्षण प्रशिक्षण में डिप्लोमा किया हो तथा भू-संरक्षण सहायक के पद पर 5 वर्ष की नियमित सेवा और कम से कम कृषि इंजीनियरिंग में स्नातक हो या भू-संरक्षण प्रशिक्षण सहित कृषि/विज्ञान में स्नातक की डिग्री हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों या संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों के अधीन समान पदों पर कार्य कर रहे ऐसे अधिकारी जिनकी क्रमण: 550-900 रु०/550-750 या उसके समकक्ष वेतनमान में 3/5 वर्ष की नियमित सेवा हो तथा पदोन्नति के लिए उपर्युक्त निर्धारित योग्यताएं रखते हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह 'ख' विभागीय पदोन्नति समिति :— 1. मुख्य विकास व पुनर्वास आयुक्त, पोर्ट ब्लेयर —प्रध्यक्ष 2. कृषि निदेशक, पोर्ट ब्लेयर—सदस्य। 3. विशेष कार्य अधिकारी (प्र०) पोर्ट ब्लेयर—सदस्य। 4. भू-संरक्षण अधिकारी (पुनर्वास) पोर्ट ब्लेयर—सदस्य	सीधी भर्ती करने समय तथा राज्य सरकार के किसी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।	

1	2	3	4	5	6	7
3. सहायक भू सर्वेक्षण अधिकारी	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित	650-30-740-35-810-द.रो-35-880-40-1000-द.रो-10-1200 रुपये	चयन पद	35 वर्ष से अधिक नहीं। (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट है) टिप्पणी: आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में उम्मीदवारों से आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी (अंतिमान और निको-बार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप के उम्मीदवारों को छोड़कर)।	अतिवार्य: (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से भू-विज्ञान/भू-विज्ञान में विशेषज्ञता सहित कृषि में मास्टर डिग्री का समकक्ष। (2) भू-सर्वेक्षण कार्य में 3 वर्ष का अनुभव। टिप्पणी-1: अन्य रूप से योग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेक से योग्यताओं में छूट दे सकता है। टिप्पणी-2: यदि चयन का किसी अवस्था में संघ लोक सेवा आयोग को यह राय हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों का भरने के लिए अपेक्षित अनुभव वाले उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है तो संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेक से उनके मामले में अनुभव संबंधी योग्यता/योग्यताओं में छूट दे सकता है।

8	9	10	11	12	13
आयु—नहीं। शैक्षणिक योग्यताएं—कालम 11 में दी गई सीमा तक।	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा, इसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा तथा दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	वरिष्ठ भू-सर्वेक्षक के पद पर 3 वर्ष की नियमित सेवा और कम से कम किंगी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से कृषि में डिग्री या भू-सर्वेक्षण प्रशिक्षण समकक्ष योग्यता। प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण: केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों के अधीन समान पदों पर कार्य कर रहे या ऐसे अधिकारी जिनकी क्रमशः 500-900/550-750 रु० के वेतनमान में 3/5 वर्ष की नियमित सेवा हो तथा पदोन्नति के लिए उपयुक्त निर्धारित योग्यताएं रखते हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि समान्यतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'ख' विभागीय पदोन्नति समिति :- 1. मुख्य विकास पुनर्वास आयुक्त, पोर्ट ब्लेयर—अध्यक्ष। 2. कृषि निदेशक, पोर्ट ब्लेयर—सदस्य। 3. विशेष कार्य अधिकारी (कृषि) पोर्ट ब्लेयर—सदस्य। 4. भू-सर्वेक्षण अधिकारी (पुनर्वास) पोर्ट ब्लेयर—सदस्य।	सीधी भर्ती करते समय तथा राज्य सरकार के किसी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।

## (Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 16th June, 1978

**G.S.R. 986.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Agricultural Officer/Agricultural Extension Officer, Assistant Soil Conservation Officer and Assistant Survey Officer in the office of the Chief Development-Cum-Rehabilitation Commissioner, Andaman and Nicobar Islands, under the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) namely :—

1. Short Title and Commencement :—(1) These rules may be called the office of the Chief Development-Cum-Rehabilitation Commissioner (Agricultural Officer/Agricultural Extension Officer, Assistant Soil Conservation Officer and Assistant Survey Officer) Recruitment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of pay :—The number of posts, their classification the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, Age limit, Qualifications etc :—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualification and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification :—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax :—When the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Agricultural Officer/Agricultural Extension Officer	2	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government Servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : 'A' (i) Master's degree in Agriculture from a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience of Agricultural Extension work OR 'B' (i) B.Sc. in Agriculture from a recognised University or equivalent. (ii) 5 Years' experience of Agricultural Extension. Note 1 :—Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 :—The qualification/qualifications regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Extension Training with particular reference to Agricultural Extension.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion/deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age : No Educational Qualification : To the extent indicated in column 11.	2 years	By promotion failing which by trasfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion : Field Supervisors with 8 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing at least a degree in Agriculture from a recognised University or equivalent. Transfer on deputation : Officers under the Central Government or State Governments or Union Territories holding analogous posts or with 3/8 years' of service in the scale of Rs. 550-900/425-700 or equivalent respectively and possessing qualifications prescribed for direct recruits in column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee. 1. Chief Development-cum-Rehabilitation Commissioner, Port Blair—Chairman. 2. Director of Agriculture Port Blair—Member. 3. Officer on Special Duty (A) Port Blair—Member. 4. Soil Conservation Officer (Rehabilitation), Port Blair—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission while making direct recruitment and appointing a State Government Officer on deputation.	
1	2	3	4	5	6	7
2. Assistant Soil Conservation Officer	2	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshdweep).	Essential : (i) Master's degree in Soil Science/Agriculture with specialisation in Soil Science of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience in Soil Conservation work. Note 1 :—Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 :—The qualification/qualifications regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number and candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.



8	9	10	11	12	13
Age : No Educational Qua- lification : To the extent indicated in column 11	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruit- ment.	Promotion : Engineering Overseer with 3 years' regular service in the grade and possess- ing at least a diploma in Civil Engineering and Soil Conservation train- ing and Soil Conserva- tion Assistants with 5 years' regular service in the grade and possessing at least a degree in Agri- cultural Engineering or degree in Agriculture/ Science with Soil Con- servation training. Transfer on deputation : Officers under the Central Government/State Go- vernments/Union Terri- tories holding analogous posts or with 3/5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 550- 900/550-750 respectively and possessing qualifi- cations prescribed above for promotees. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee. 1. Chief Development- cum-Rehabilitation Commissioner, Port Blair—Chairman. 2. Director of Agricul- ture, Port Blair— Member. 3. Officer on Special Duty (A), Port Blair— Member. 4. Soil Conservation Offi- cer (Rehabilitation) Port Blair—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while mak- ing direct recruit- ment and appoint- ing a State Govern- ment Officer on de- putation.

1	2	3	4	5	6	7
3. Assistant Soil Survey Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted	Rs. 650-30-740- 35-810-EB-35- 880-40-1000- EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants). Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applica- tions from candi- dates in India (other than those in Anda- man and Nicobar Islands and Laksh- dweep).	Essential : (i) Master's degree in Soil Science/Agriculture with spe- cialisation in Soil Science of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' experience in Soil Survey work. Note 1 : Qualifications are relax- able at the discretion of the Union Public Service Commi- ssion in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification/qualifi- cations regarding experience is/ are relaxable at the discretion of the Union Public Service Co- mission in the case of candi- dates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commi- ssion is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possess- ing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

8	9	10	11	12	13
Age : No. Educational Qualification : To the extent indicated in column 11	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion : Senior Soil Surveyor with 3 years' regular service in the grade and possessing at least a degree in Agriculture from a recognised University or equivalent with Soil Survey Training.  Transfer on deputation : Officers under the Central Government/State Governments/Union Territories holding analogous posts or with 3/5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 550-900/550-750 respectively and possessing qualifications prescribed above for promotees.  (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee. 1. Chief Development-cum-Rehabilitation Commissioner, Port Blair—Chairman. 2. Director of Agriculture Port Blair—Member. 3. Officer on Special Duty Agriculture Port Blair—Member. 4. Soil Conservation Officer (Rehabilitation), Port Blair—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and appointing a State Government Officer on deputation.

[No. 4(2)/76-Adm. III]  
S. L. MEDIRATTA, Under Secy.

### रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 2 जून, 1978

सा० का० नि० 887:—रेलवे सुरक्षा दल अधिनियम, 1957 (1957 का 23) की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार रेलवे सुरक्षा दल नियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है:—

- (1) ये नियम रेलवे सुरक्षा दल (संशोधन) नियम, 1978 कहलायेंगे।
  - (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. रेलवे सुरक्षा दल नियम, 1959 में नियम 31 के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“31. अधिवर्षता—दल के वरिष्ठ अधिकारी एवं सदस्य सेवा से निम्नलिखित उपबंधों के अनुसार सेवा-निवृत्त होंगे:—

- (क) सिवाय जहाँ इस नियम में अन्यथा उपबन्धित हो, दल का प्रत्येक वरिष्ठ अधिकारी एवं सदस्य उसके द्वारा अग्रुपन वर्ष की आयु प्राप्त करने के दिन सेवानिवृत्त होगा।
- (ख) दल के किसी वरिष्ठ अधिकारी एवं सदस्य, जिस पर उपरोक्त उपनियम (क) लागू होता है, की सेवा को, उसकी अग्रुपन वर्ष की आयु हो जाने के बाद, उपर्युक्त प्राधिकारी की स्वीकृति से बढ़ाया जा सकता है बशर्ते ऐसा करना अनिवार्य में हो और इसके कारणों को लिखित रूप में दर्ज किया जाय। किन्तु उपरोक्त उपनियम के अन्तर्गत साठ वर्ष की आयु के बाद सेवा में विस्तार केवल अति विशेष परिस्थितियों में ही किया जायेगा।
- (ग) इस नियम में की गई व्यवस्था के बावजूद, नियुक्तकर्ता प्राधिकारी को, यदि वह ऐसा करना अनिवार्य में आवश्यक

मामले को, दल के किसी उच्च अधिकारी या सदस्य को, तीन माह से अन्यून अवधि की लिखित सूचना देकर या ऐसी सूचना के बदले तीन महीने का वेतन और अर्द्धा देकर, निम्नलिखित शर्तों के अधीन सेवा-निवृत्त करने का पूर्ण अधिकार होगा:—

- (1) यदि ऐसा अधिकारी या सदस्य श्रेणी 1 या श्रेणी 2 के सेवा या पद पर हो और वह सरकारी सेवा में 35 वर्ष की आयु होने से पूर्व प्रविष्ट हुआ हो तो उसके पचास वर्ष की आयु हो जाने के बाद।
- (2) अन्य सभी मामलों में जब उसकी पचपन वर्ष की आयु हो जाय।

- (घ) दल का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी या कोई भी सदस्य यदि वह श्रेणी 1 या श्रेणी 2 की सेवा में या पद पर हो और उसने सरकारी सेवा 35 वर्ष की आयु से पूर्व आरम्भ की हो तो उसकी 50 वर्ष की आयु हो जाने पर तथा, अन्य सभी मामलों में उसकी 55 वर्ष की आयु हो जाने पर, नियुक्तकर्ता प्राधिकारी को 3 महीने से अन्यून अवधि की लिखित सूचना देकर सेवा से निवृत्त हो सकता है।

बशर्ते कि नियुक्तकर्ता प्राधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह उपरोक्त उप नियम के अधीन दल के किसी ऐसे उच्च अधिकारी या सदस्य को सेवानिवृत्त होने की अनुमति देने से इंकार कर दे जा निम्नलिखित किया गया हो।

टिप्पणी:—उप नियम (ग) तथा (घ) के प्रयोजन के लिए “सरकारी सेवा” के अन्तर्गत भूतपूर्व कम्पनी तथा भूतपूर्व राज्य रेलवे में की गयी सेवा भी शामिल है।

(इ) उप-नियम (क) से (घ) तक की गयी व्यवस्था के बावजूद मन्त्र प्राधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह दल के किसी ऐसे उच्च अधिकारी या सदस्य से, जो निवृत्त किया गया हो, अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त होने की तारीख के बाद भी सेवा में बने रहने के लिए कहें, ऐसी हालत में उगे उक्त प्राधिकारी द्वारा सेवा निवृत्त होने की अनुमति नहीं दी जायेगी और उसे सेवा में तब तक रखा जायेगा जब तक उक्त प्राधिकारी द्वारा ऐसा करना अपेक्षित समझा जाय।

(च) उप-नियम (ग) में की गयी किसी प्रकार की व्यवस्था के बावजूद किसी नियुक्तकर्ता प्राधिकारी को, यदि वह अनर्हित में ऐसा करना आवश्यक समझे, श्रेणी 3 सेवा या पद में दल के किसी सदस्य को, जो किसी पेंशन द्वारा शामिल नहीं है, उसके द्वारा 30 वर्ष की सेवा पूरी कर लिये जाने के बाद, निश्चित रूप में 3 महीने में अन्यून अवधि की सूचना देकर या ऐसी सूचना के बदले 3 महीने का वेतन और भत्ता देकर, सेवा निवृत्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

(छ) श्रेणी 3 सेवा या पद में दल का कोई सदस्य जो किसी पेंशन नियम द्वारा शामिल नहीं है उसके द्वारा 30 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद, नियुक्तकर्ता प्राधिकारी को 3 महीने में अन्यून अवधि की निश्चित सूचना देकर सेवा-निवृत्त हो सकता है।

टिप्पणी :—'नियुक्तकर्ता प्राधिकारी' से अभिप्राय ऐसे प्राधिकारी से है जो उस ग्रेड में, जिसमें दल का उच्च अधिकारी या सदस्य, जैसा भी मामला हो, तत्समय हो, प्रथम नियुक्ति करने के लिए मन्त्र हो।

टिप्पणी (2) :—उप-नियम (ग), (घ), (ङ) या (छ) में उल्लिखित तीन महीने की सूचना दल के उच्च अधिकारी या सदस्य, जैसा भी मामला हो, द्वारा उपनियम (ग) और (घ) में विनिर्दिष्ट आयु पूरी कर लिये जाने या दल के सदस्य द्वारा उपनियम (ङ) और (छ) में विनिर्दिष्ट 30 वर्ष की सेवा पूरी कर लिये जाने के पहले ही जा सकती है बशर्ते कि उसे उसकी सम्बद्ध आयु हो जाने के बाद या उसके द्वारा 30 वर्ष की सेवा पूरी कर लिये जाने जैसा भी मामला हो, के बाद, सेवा-निवृत्त किया जाता हो।

[फाइल सं० 73-सेक (स्पेशल)/6/31]

पी० एन० मॉल्लिने, सचिव एवं पदेन संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 2nd June, 1978

**G.S.R. 887.**—In exercise of the powers conferred by section 21 of the Railway Protection Force Act, 1957 (23 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules to further amend the Railway Protection Force Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Railway Protection Force (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Railway Protection Force Rules, 1959, for rule 31 the following shall be substituted, namely :—

"31. Superannuation.—Superior officers and members of the Force shall retire from service in accordance with the following provisions :—

(a) Except as otherwise provided in this rule, every superior officer and every member of the Force

shall retire on the day he attains the age of fifty eight years.

(b) A superior officer and a member of the Force to whom sub-rule (a) applies, may be granted extension of service after he attains the age of fifty-eight years with the sanction of the appropriate authority, if such extension is in the public interest and the grounds therefor are recorded in writing. Provided that no extension under this sub-rule shall be granted beyond the age of sixty years except in very special circumstances.

(c) Notwithstanding anything contained in this rule, the appointing authority shall, if it is of the opinion that it is in the public interest to do so, have the absolute right to retire any superior officer or any member of the Force by giving him notice of not less than three months in writing or three months' pay and allowances in lieu of such notice :

(i) if he is in class I or class II service or post and had entered Government service before attaining the age of thirty-five years after he has attained the age of fifty years.

(ii) in any other case after he had attained the age of fifty five years.

(d) Any superior officer and any member of the Force may by giving notice of not less than three months in writing to the appointing authority, retire from service if he is in class I or class II service or post and had entered Government service before attaining the age of thirty-five years after he has attained the age of fifty years, and in all other cases after he has attained the age of fifty-five years.

Provided that it shall be open to the appointing authority to withhold permission to a superior officer or a member of the Force under suspension who seeks to retire under this sub-rule.

NOTE: For the purpose of sub-rules (c) and (d) the expression "Government service" includes service rendered in ex-company and ex-State railway.

(e) Notwithstanding anything contained in sub-rules (a) to (d), the competent authority may require a superior officer or a member of the force under suspension to continue in service beyond the date of his compulsory retirement, in which case he shall not be permitted by that authority to retire from service and shall be retained in service till such time as required by that authority.

(f) Notwithstanding anything contained in sub-rule (c), the appointing authority shall, if it is of the opinion that it is in public interest to do so, have the absolute right to retire a member of the Force in class III service or post who is not governed by any pension rules, after he has completed thirty year's service by giving him notice of not less than three month's in writing or three month's pay and allowances in lieu of such notice.

(g) A member of the Force in class III service or post who is not governed by any pension rules may, by giving notice of not less than three months in writing to the appointing authority, retire from service after he has completed thirty years' service.

NOTE: 'Appointing Authority' means the authority competent to make the first appointment to the grade

which the superior officer or the member of the force as the case may be, for the time being holds.

नई दिल्ली, 28 जून, 1978

### शुद्धि-पत्र

NOTE 2: The three months' notice referred to in sub-rules (c), (d), (f) or (g) may be given before the superior officer or the member of the force as the case may be, attains the age as specified in sub-rules (c) and (d) or the member of the force has completed 30 years of service specified in sub-rules (f) and (g), provided that the retirement takes place after he has attained the relevant age or has completed 30 years service as the case may be".

सा० का० नि० 888.—संवालय की अधिसूचना सं० 77/संरक्षा (द० तथा नि०)/29/10(69) दिनांक 3 मई, 1978 जो भारत राजपत्र भाग II, खण्ड 3 (i) दिनांक 20 मई, 1978 के अंक में पृष्ठ 1125 पर सा० का० नि० 658 के अन्तर्गत प्रकाशित हुई है, में नियम 2 के खण्ड (क) की प्रथम पंक्ति में "अंतर्प्राप्ति" शब्द के स्थान पर "अन्तर्प्राप्ति" पढ़ा जाए।

[File No. 73-Sec.(Spl)/6/31]

P. N. MOHILE, Secy. and Ex-Officio Jt. Secy.

[सं० 77/संरक्षा (द० तथा नि०)/29/10(69)]

टी० एल० नन्दा, उप निदेशक, संरक्षा, रेलवे बोर्ड

### संसार मंत्रालय

#### (डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 28 जून, 1978

सा० का० नि० 889.—संविधान की धारा 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा डाक-तार नर्सों (गैर आवासी) भर्ती नियम 1964 का अधिकरण करते हुए राष्ट्रपति डाक-तार विभाग में नर्सों (गैर आवासी) के भर्ती के तरीकों को नियमित बनाने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं यथा—

1. लघु शीर्ष और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का नाम डाक-तार विभाग नर्स (गैर आवासी) भर्ती नियम 1978 होगा।  
(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. वर्गीकरण तथा बेतनमान:—कथित पदों का वर्गीकरण और बेतनमान वही होगा जैसा कि इन नियमों के अनुबद्ध अनुसूची के कालम 2 और 3 में निर्धारित है।
3. भर्ती का तरीका, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि:—कथित पदों पर भर्ती के तरीके, आयु-सीमा, अर्हताएं तथा इसमें संबंधित अन्य मामलों कथित सूची के कालम 4 से 12 में दिए गए हैं।
4. अयोग्यता:—कोई भी व्यक्ति,  
(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया हो या विवाह का करार किया हो, जिसके पहले से ही एक जीवित पति/पत्नी है अथवा  
(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित रहते किसी व्यक्ति के साथ विवाह कर लिया हो या विवाह का करार किया हो  
तब तक उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।  
जब तक केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट होकर कि ऐसे व्यक्ति और विवाह की दूसरी पार्टी के साथ लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसे विवाह की अनुमति दी जा सकती और कि ऐसा करने के लिए और भी आधार है, इस नियम के लागू होने में किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है।
5. छूट देने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके आदेश द्वारा किसी वर्ग या श्रेणी के व्यक्तियों को छूट दे सकेगी।
6. अपवाद:—केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति तथा अन्य विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए किए जाने वाले आरक्षणों और रियायतों के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को जो आरक्षण और रियायतें दी जानी चाहियें, उन पर इन नियमों का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

#### अनुसूची

पद का नाम	वर्गीकरण	बेतनमान	क्या वह चुनाव पद है या गैर चुनाव पद है	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु-सीमा	सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6
नर्स (गैर आवासी)	सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप 'सी' अराज-पत्रित लिपिक-बर्गीय	र० 330-8-370- 10-400-द०अ०- 10-480	लागू नहीं	भर्ती वाले वर्ष 1 जुलाई को 18 से 35 वर्ष के बीच निर्धारित आयु-सीमा को समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति अथवा अन्य विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के मामले में छूट दी जाएगी।	हाई स्कूल या इसके समकक्ष तथा पंजीकृत 'ए' ग्रेड नर्स बायीं जिसे सामान्य उपचर्या में एक वर्ष का अनुभव हो।

क्या सीधी भर्ती वालों परीक्षा की अवधि के लिए निर्धारित यदि कोई हो।	अर्ती का तरीका अर्ती द्वारा या पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा अर्ती के मामले में वे पदक्रम जिसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना है	चुनाव बोर्ड का सुजन	अर्ती करने में किन परिस्थितियों में सभ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है		
7	8	9	10	11	12
लागू नहीं	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा टिप्पणी : जिस विशेष सर्कल के लिए भर्ती की गई है उम्मीदकर्ता में सेवा करने के लिए लेकिन यदि बहुत जरूरी समझा गया अथवा उसकी सेवाओं की अपेक्षा हुई तो उसे भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है।	लागू नहीं	(1) निदेशक (दूर संचार) या निदेशक सेवा या उप महाप्रबंधक या जिला प्रबन्धक टेलीफोन। (2) संबंधित डिस्पेंसरी के डाक्टर इंचार्ज। (3) निम्नलिखित द्वारा नामित किया गया कोई अधिकारी (क) दूर संचार सर्कलों या टेलीफोन जिलों में चुनाव के मामले में समीपवर्ती डाक सर्कल तथा (ख) डाक सर्कल में चुनाव के मामले में समीपवर्ती टेलीफोन दूरसंचार सर्कल या टेलीफोन जिला उपर्युक्त (क) और (ख) के स्थान पर राज्य के स्वास्थ्य सेवा निदेशक से नए परामर्श करके राज्य सरकार के चिकित्सा अधिकारी को मनोनीत करने के लिए सर्कल अथवा जिला अध्यक्ष को छूट है।	लागू नहीं

[सं० 68-4/77-एन सी जी]

एम०एस० यशोवर्धन, महायक महानिदेशक (एस टी एन)

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

### (Posts and Telegraphs Board)

New Delhi, the 28th June, 1978

**G.S.R. 889.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Posts and Telegraphs Nurses (Non-resident) Recruitment Rules, 1964, the President hereby makes the following rules regulating the recruitment of nurses (non-resident) in the Posts and Telegraphs Department, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Posts and Telegraphs Department Nurses (Non-resident) Recruitment Rules, 1978.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. Classification and scale of pay.—The classification of the post and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 and 3 of the Schedule annexed to these rules.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—the method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 4 to 12 of the said Schedule.

#### 4. Disqualifications.—No person—

(a) who, has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Nurses (Non-resident)	General Central Service Group 'C' Non-gazetted Non-ministerial.	Rs. 330-8-370-10-400-EB-10-480.	Not applicable	Between 18—35 years on 1st July of the year of recruitment. The upper age limit prescribed may be relaxed in favour of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.	Matriculation or equivalent and a registered 'A' Grade Nurse, Midwife with one year's experience in General Nursing.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees/transferees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion/deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	The compositions of Selection Board	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
7	8	9	10	11	12
Not applicable	Two years	By direct recruitment. Note: For service in a particular Circle for which recruited but liable to be posted anywhere in India, if exigencies or service so required.	Not applicable	(1) Director (Telecommunications) or Director Postal Services or Deputy General Manager or District Manager Telephones. (2) Doctor in charge of the Dispensary concerned. (3) Any officer nominated by the - (a) Neighbouring Postal Circle in case of selection in a Telecom. Circle or Telephone District, and (b) Neighbouring Telecom. Circle or Telephone District in case of a selection in a Postal Circle. It being open to the Head of the Circle or District to nominate in lieu of (a) and (b) above a State Government Medical Officer in consultation with the State Director of Health Services.	Not applicable

[No. 68-4/77-NCG]

M. S. YEGNESHWARAN, Asstt. Director General (STN)

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 जून, 1978

## शुद्धि-पत्र

सांकांनि० 890—भारत के राजपत्र, भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (i) में पृष्ठ 2388 से 2399 पर भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सांकांनि० 1007, दिनांक 3 सितम्बर, 1974 द्वारा प्रकाशित लौह अयस्क खान श्रमिक कल्याण उपकर नियम, 1963 में पृष्ठ 2388 पर नियम 1 के उपनियम (2) में गिक स्थान पर “पहली अक्टूबर, 1974” पढ़िए।

[सं० एम०-23012/1/78 एम-1]

पी० के० सेन, अवर सचिव

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 28th June, 1978

## CORRIGENDUM

G.S.R. 890.—In the Iron Ore Mines Labour Welfare Cess (Amendment) Rules, 1974, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. GSR, 1007, dated the 3rd September, 1974 at pages 2400 to 2408 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 14th September, 1974, at page 2400, in sub-rule (2) of rule 1, for “15th June, 1974” read “1st October, 1974”.

[F. No. S-23012/1/78-M-IV]

P. K. SEN, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जून, 1978

सांकांनि० 891.—केन्द्रीय सरकार, वित्त, श्रम पद्धति (उत्पादन) अधिनियम, 1976 की धारा 26 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बंधित श्रम पद्धति (उत्पादन) नियम, 1976 में और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (1) में अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालिस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप का बावत जो भी आक्षेप या सुझाव किया व्यक्ति से प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार उन पर चार करेंगी।

## नियमों का प्रारूप

1. (1) इन नियमों का नाम श्रम बंधित पद्धति (उत्पादन) (संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 बंधित श्रम पद्धति (उत्पादन) नियम, 1976 में

(क) नियम 3 के उपनियम (2) के खंड (क) के स्थान पर निम्न लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) उस प्राधिकारी को, जिसने उसे नामनिर्देशित किया था, कम से कम तीस दिन का लिखित नोटिस देकर,

अपने पद से त्यागपत्र दे सकेगा, और ऐसे त्यागपत्र के स्वीकृत हो जाने पर या तीस दिन की नोटिस अवधि के समाप्त होने पर, जो भी पहले हो, यह समझा जाएगा कि उसने अपना पद रिक्त कर दिया है।”

(ग) नियम 1 के उपनियम (2) के खंड (क) के स्थान पर निम्न लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(क) उस प्राधिकारी को, जिसने उसे नामनिर्देशित किया था, कम से कम तीस दिन का लिखित नोटिस देकर, अपने पद से त्यागपत्र दे सकेगा, और ऐसे त्यागपत्र के स्वीकृत हो जाने पर या तीस दिन की नोटिस अवधि के समाप्त होने पर, जो भी पहले हो, यह समझा जाएगा कि उसने अपना पद रिक्त कर दिया है।”

[एम० 13011/7/75 ए० एल०-भाग-3]

वी० चन्द्र मोलि, निदेशक

New Delhi, the 29th June, 1978

G.S.R. 891.—The following draft of certain rules further to amend the Bonded Labour System (Abolition) Rules, 1976, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of Section 26 of the Bonded Labour System (Abolition) Act, 1976, is hereby published as required by sub-section (1) of the said Section, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date of the publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

## DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Bonded Labour System (Abolition) (Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Bonded Labour System (Abolition) Rules, 1976—

(a) for Clause (a) of sub-rule (2) of rule 3—the following shall be substituted, namely :—

“(a) may, by giving notice in writing of not less than 30 days to the authority which nominated him, resign his office and, on such resignation being accepted or on the expiry of the notice period of 30 days, whichever is earlier, shall be deemed to have vacated his office.”

(b) For Clause (a) of sub-rule (2) of rule 4—the following shall be substituted, namely :—

“(a) may, by giving notice in writing of not less than 30 days, to the authority which nominated him, resign his office and, on such resignation being accepted or on the expiry of the notice period of 30 days whichever is earlier, shall be deemed to have vacated his office.”

[M-13011(7)/75-Pt. III-A. L.]

V. CHANDRA MOWLI, Director

